राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 डिजिटल उर्वरक बिक्री व्यवस्था से बढ़ेगी पारदर्शिता और जवाबदेही : विजय

भागवत का कनाडा दौरा: जरूरतमंदों की मदद भारत की परंपरा 12

वर्ष : 14 | अंक : 143 | पटना, मंगलवार, 01 सितंबर, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य : 03.00 | www.pratahkiran.com

सोन नदी जल बंटवारे को लेकर बिहार-झारखण्ड के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर, शाह रहे मौजूद

सोन नदी जल बंटवारे पर बिहार-झारखंड के बीच समझौता, 25 साल पुराना विवाद सुलझा

प्रातः किरण

पटना।बिहार एवं झारखंड के बीच सोन नद के जल बंटवारे को लेकर पिछले 25 वर्षों से लंबित विवाद का समाधान हो गया। दिल्ली में दोनों राज्यों के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, बिहार के उप मुख्यमंत्री सह जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी तथा दोनों राज्यों एवं केंद्र सरकार के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।मुख्यमंत्री ने इस ऐतिहासिक समझौते के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सक्रिय प्रयास, निरंतर संवाद और प्रभावी मध्यस्थता के कारण वर्षों से लंबित एवं जटिल विषय का समाधान संभव हो सका है। उन्होंने कहा कि यह केवल जल बंटवारे का समझौता नहीं, बल्कि बिहार और झारखंड के बीच सहयोग, विश्वास और साझा विकास का नया अध्याय है।

- बिहार और झारखंड के बीच सहयोग, विश्वास और साझा विकास का नया अध्याय : सम्राट
- बिहार को 5.75 एमएएफ तथा झारखंड को 2.00 एमएएफ जल आवंटित

25 वर्षों से लंबित विवाद का समाधान

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1973 के बाणसागर समझौते के तहत सोन नद के कुल 14.25 मिलियन एकड़ फीट जल में से मध्य प्रदेश को 5.25 एमएएफ, उत्तर प्रदेश को 1.25 एमएएफ तथा तत्कालीन अविभाजित बिहार को 7.75 एमएएफ जल आवंटित किया गया था। वर्ष 2000 में झारखंड राज्य के गठन के बाद अविभाजित बिहार के हिस्से के 7.75 एमएएफ जल के बंटवारे को लेकर दोनों राज्यों के बीच विवाद उत्पन्न हुआ, जो पिछले 25 वर्षों से लंबित था। उन्होंने कहा कि 10 जुलाई 2025 को रांची में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक में इस विषय पर महत्वपूर्ण सहमति बनी थी। इसके बाद विभिन्न स्तरों पर चर्चा हुई और तकनीकी विचार-विमर्श के परिणामस्वरूप आज इस समझौते को अंतिम रूप दिया गया।दक्षिण बिहार के कई क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नए समझौते के तहत बिहार को 5.75 एमएएफ तथा झारखंड को 2.00 एमएएफ सोन नद का जल आवंटित करने पर औपचारिक सहमति बनी है, इससे विशेष रूप से दक्षिण बिहार और झारखंड के पठारी एवं सूखा प्रभावित क्षेत्रों में जल उपलब्धता बेहतर होगी। सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा, पेयजल संकट कम होगा तथा औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। साथ ही दोनों राज्यों की दीर्घकालिक जल सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि इस समझौते के बाद सोन नद के जल के बेहतर उपयोग के लिए जलाशय निर्माण तथा सोन नद को फल्गु नदी से जोड़ने की प्रस्तावित परियोजनाओं पर भी तेजी से

कार्य किया जा सकेगा, इससे गयाजी सहित दक्षिण बिहार के कई क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़ेगी। फल्गु नदी में पर्याप्त जल रहने से पितृपक्ष मेले के दौरान देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को भी तर्पण एवं पिंडदान में भी सुविधा मिलेगी।

समझौता जल प्रबंधन और क्षेत्रीय विकास के लिए दूरगामी महत्व

मुख्यमंत्री ने कहा कि सोन नद गंगा की प्रमुख दक्षिणी सहायक नदी है और इसका जलग्रहण क्षेत्र पूर्वी भारत की कृषि एवं आर्थिक गतिविधियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में यह समझौता केवल बिहार और झारखंड ही नहीं बल्कि पूरे पूर्वी भारत के जल प्रबंधन और क्षेत्रीय विकास के लिए दूरगामी महत्व रखता है। उन्होंने इस ऐतिहासिक समाधान के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय, झारखंड सरकार तथा इस प्रक्रिया से जुड़े सभी अधिकारियों और विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सहकारी संघवाद की भावना से ही ऐसे जटिल अंतर्राज्यीय विषयों का स्थायी समाधान संभव है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह समझौता आने वाले वर्षों में किसानों, आम नागरिकों और भावी पीढ़ियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

ईरान के साथ व्यापार और निवेश के संबंध और मजबूत होंगे : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने बिश्केक में ईरान के राष्ट्रपति पेजेश्कियान से मुलाकात की

प्रातः किरण

बिश्केक /एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से कहा कि भारत आने वाले समय में ईरान के साथ व्यापार का दायरा बढ़ाना और उसमें विविधता लाना चाहता है। मोदी ने वार्ता एवं कूटनीति के जरिये पश्चिम एशिया संघर्ष के समाधान की भी अपील की।प्रधानमंत्री मोदी ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से इतर पेजेश्कियान के साथ बैठक की।मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा, बिश्केक में राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से मुलाकात हुई। ईरान के साथ भारत की पुरानी दोस्ती को विभिन्न क्षेत्रों में और मजबूत करने के हमारे संकल्प को दोहराया।

आम नागरिकों को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए

उन्होंने कहा, हम आने वाले समय में द्विपक्षीय व्यापार के दायरे को विस्तारित करना और उसमें विविधता लाना चाहते हैं। हमने क्षेत्र के मौजूदा हालात पर चर्चा की। भारत स्थाई शांति सुनिश्चित करने के मकसद से की जा रही सभी कोशिशों का समर्थन करना जारी रखेगा।विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के संघर्ष पर चर्चा की और उभरती स्थिति पर अपने विचार साझा किए। मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर चिंता जताई और भारत के इस रुख को दोहराया कि सभी मुद्दों को बातचीत और कूटनीति के जरिये सुलझाया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने इस क्षेत्र में स्थाई शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए लगातार कोशिशें जारी रखने की जरूरत पर भी जोर दिया।

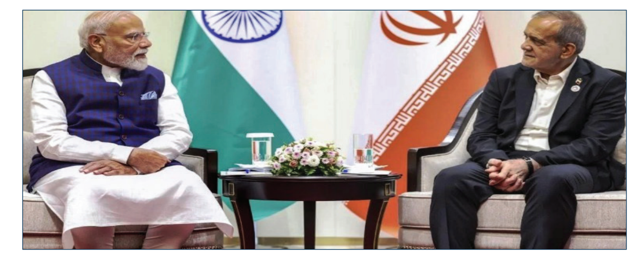

विदेश मंत्रालय ने कहा, उन्होंने समुद्री आवाजाही और वाणिज्य की स्वतंत्रता की रक्षा करने का आह्वान करते हुए इस बात पर जोर दिया कि किसी भी हालत में आम नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे -जिसमें वाणिज्यिक पोत परिवहन और समुद्री कर्मी शामिल हैं- को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए।

हमारी कोशिशें बातचीत एवं चर्चा के जरिये मुद्दों को सुलझाने पर केंद्रित : ईरान मोदी और पेजेश्कियान की मुलाकात के बारे में ईरान की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि ईरान के राष्ट्रपति ने हालिया युद्ध के दौरान ईरान को नई दिल्ली से मिले समर्थन और सहयोग के लिए सराहना की तथा क्षेत्र में शांति और सुरक्षा कायम करने के लिए कूटनीतिक कोशिशों को तेज करने की जरूरत पर जोर दिया। पेजेश्कियान ने कहा, हमारे प्रशासन की शुरूआत से ही, हमारी कोशिशें शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने और बातचीत एवं चर्चा के जरिये मुद्दों को सुलझाने पर केंद्रित रही हैं। पेजेश्कियान ने मोदी से आग्रह किया कि वह अलग-अलग पक्षों के साथ भारत के व्यापक संपर्कों का इस्तेमाल करके उन्हें युद्ध और खून-खराबे के रास्ते से हटाकर बातचीत और समझौते के रास्ते पर लौटने में मदद करें। ईरान के राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्र और दुनिया के समझदार और जिम्मेदार पक्षों की इच्छा और संकल्प शांति, सुरक्षा, स्थिरता बनाये रखने तथा युद्ध से बचने का है। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि हमारे समक्ष मौजूद समस्याओं का समाधान बातचीत और सहयोग में है, और असुरक्षा एवं संघर्ष को फैलने से रोकने के लिए सभी उपलब्ध क्षमताओं का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।बयान के अनुसार, उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, कूटनीतिक तरीकों का इस्तेमाल करने के बजाय, अमेरिकियों ने युद्ध, असुरक्षा और जबरदस्ती अपनी मर्जी थोपने का रास्ता चुना है।पेजेश्कियान ने कहा, हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने लोगों को खतरे और असुरक्षा से बचाएं और उनके लिए शांति, सुकून और सुरक्षा पाने के लिए जरूरी हालात

मोदी ने आर्मेनिया के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक की

मोदी ने आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पशिन्यान के साथ भी अलग से द्विपक्षीय बैठक की।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ह्यबिश्केक में एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पशिन्यान के साथ एक शानदार बैठक हुई।उन्होंने कहा, भारत और आर्मेनिया के बीच रक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, शिक्षा, फार्मास्यूटिकल्स और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ने वाला है।

भारत-उज्बेकिस्तान के बीच हुए यूरेनियम आपूर्ति समझौते को भाजपा ने बताया ऐतिहासिक

नई दिल्ली /एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और भारत-उज्बेकिस्तान के बीच हुए दीर्घकालिक यूरेनियम आपूर्ति समझौते को लेकर भाजपा सांसद एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने इसे भारत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। सोमवार को मीडिया को जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि यह केवल एक कूटनीतिक समझौता नहीं, बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा, परमाणु आत्मनिर्भरता और भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पूरा देश ताशकंद को उस स्थान के रूप में याद करता है, जहां 1966 में तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का रहस्यमय परिस्थितियों में निधन हुआ था। उन्होंने कहा कि उस समय यह माना जाता था कि कुछ शक्तियां भारत को परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने से रोकना चाहती थीं। उन्होंने कहा कि लगभग 60 वर्ष बाद उसी ताशकंद की धरती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उज्बेकिस्तान के साथ दीर्घकालिक यूरेनियम आपूर्ति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

संक्षिप्त खबरें

भारत एक करीबी मित्र और साझेदार के रूप में नेपाल के साथ खड़ा है: राजनाथ

नई दिल्ली/एजेंसी। नेपाल में 26 अगस्त को अचानक आई विनाशकारी बाढ़ से हुई भारी जनहानि और तबाही हुई है। भारत ने एक बार फिर अपने पड़ोसी देश के साथ खड़े होने का भरोसा दिया है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि भारत एक करीबी मित्र और साझेदार के रूप में नेपाल के साथ खड़ा है। राजनाथ सिंह सोमवार को नई दिल्ली के बाराखंभा रोड स्थित नेपाल दूतावास पहुंचे। रक्षामंत्री ने नेपाल के साथ सुख-दुख के साथी का रिश्ता दोहराया। यहां उन्होंने इस त्रासदी पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने दूतावास की शोक पुस्तिका में संदेश लिखकर अपनी श्रद्धांजलि दी। राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्होंने नई दिल्ली स्थित नेपाल दूतावास जाकर शोक पुस्तिका में संदेश लिखकर अपनी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि 26 अगस्त को आई अचानक बाढ़ से नेपाल में लोगों की जानें गईं और बड़े पैमाने पर तबाही हुई। इस प्राकृतिक आपदा ने नेपाल के नागरिकों के साथ-साथ कई विदेशी नागरिकों को भी प्रभावित किया है, जिनमें भारतीय नागरिक भी शामिल हैं।

रक्षा मंत्री ने भारत सरकार और देश की जनता की ओर से नेपाल की जनता और वहां की सरकार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस त्रासदी में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, भारत की संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवारों के साथ हैं।

नेपाल आपदा: 39 देशों के करीब 590 विदेशी नागरिक अब भी लापता

प्रातः किरण

काठमांडू/एजेंसी। हाल ही में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों से 323 से अधिक विदेशी नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक 39 देशों के करीब 590 विदेशी नागरिक अब भी लापता हैं।विदेश मंत्रालय ने बताया कि सरकार पड़ोसी देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ लगातार संपर्क और समन्वय बनाए हुए है। बड़ी संख्या में विदेशी नागरिकों के अब भी लापता होने को देखते हुए मंत्रालय में एक इमरजेंसी कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जो संबंधित एजेंसियों के साथ-साथ लापता लोगों के परिवारों के साथ भी समन्वय कर रहा है। विदेशी नागरिकों से संबंधित सत्यापित जानकारी राजनयिक मिशनों के माध्यम से लगातार साझा और अपडेट की जा रही है।

साथ ही, मिशन लापता लोगों के परिवारों से संपर्क स्थापित करने, आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने तथा पहचान और शवों की स्वदेश वापसी की प्रक्रिया में भी सहयोग कर रहे हैं।

भारत और चीन की विशेषज्ञ टीमें सुरंगों में चला रही हैं रेस्क्यू अभियान

नेपाल के विदेश मंत्रालय के मुताबिक सुरंगों में फंसे लोगों को निकालने के लिए भारत और चीन की विशेषज्ञ तकनीकी टीमें नेपाल पहुंच चुकी हैं। भारत से 11 और चीन से 9 विशेषज्ञ नेपाली अधिकारियों के समन्वय में रेस्क्यू अभियान में जुटे हैं।

भारत की टीम मेलुंग (चिलिमे) और स्याफ्रुबेसी में, जबकि चीन की टीम अपर त्रिशूली-3ए में सुरंग बचाव अभियान में सहयोग कर रही है। दक्षिण कोरिया की एक टीम को भी अभियान में लगाया गया है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत से डीएनए विश्लेषण में विशेषज्ञता रखने वाले 18 फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम 29 अगस्त से नेपाल में मौजूद है। इस संबंध में भी दोनों देशों के बीच समन्वय जारी है।

कई देशों से मिल रही राहत और बचाव सामग्री

विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत, चीन, जापान, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), दक्षिण कोरिया और अन्य देशों तथा साझेदारों से नेपाल को बचाव और राहत के लिए महत्वपूर्ण सहायता मिल चुकी है।

इस सहायता में ब्रिज यूनिट, फ्रीजर, जनरेटर सेट, सोलर लैंप, डीएनए टेस्टिंग किट, आपातकालीन राहत उपकरण, टेंट, कंबल, स्लीपिंग बैग, खाद्य सामग्री और दवाइयां आदि शामिल हैं। भारत, चीन सहित अन्य देशों से राहत सामग्री पहले ही नेपाल

राहुल गांधी पर एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज

प्रातः किरण

हल्द्वानी/एजेंसी। उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ श्रीराम सेना धर्मार्थ सेवा न्यास की शिकायत पर कोतवाली में गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयानों में अनुसूचित जाति के खिलाफ कथित तौर पर जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया गया है, जिससे लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं।

शुद्धिकरण मामले से उपजा नया विवाद

यह पूरा मामला 8 अगस्त को हल्द्वानी के रामलीला मैदान में हुई कांग्रेस की एक रैली के बाद शुरू हुआ था, जिसके बाद कथित तौर पर मैदान का शुद्धिकरण किया गया था। इस घटना के बाद से राजनीतिक गलियारों में भारी बयानबाजी और विरोध प्रदर्शन का दौर जारी था, जो अब कानूनी कार्रवाई तक पहुंच चुका है।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने बीएनएस की धाराओं के साथ एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर इसकी जांच क्षेत्राधिकारी अमित कुमार सैनी को सौंप दी है। इस कानूनी कार्रवाई के बाद उत्तराखंड की राजनीति में सरगर्मी और अधिक तेज हो गई है।

कांग्रेस राहुल गांधी पर प्राथमिकी को लेकर सरकार पर हमलावर

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की जनसभा के बाद कथित शुद्धिकरण के मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने को लेकर कांग्रेस नेताओं ने भाजपा और उत्तराखंड सरकार को आड़े हाथों लिया है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि शुद्धिकरण करने वालों के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई, जबकि इस घटना के खिलाफ आवाज उठाने वाले राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया गया। कांग्रेस महासचिव कुमारी शैलजा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि खरगे की जनसभा के बाद शुद्धिकरण करने वालों पर कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन उस कथित जातिवादी कृत्य के खिलाफ आवाज उठाने वाले राहुल गांधी पर एफआईआर दर्ज कर दी गई। क्या यही सरकार का न्याय है। उन्होंने कहा कि पहले शुद्धिकरण किया गया, फिर उत्तराखंड भाजपा अध्यक्ष ने खुले तौर पर उसका बचाव किया और अब राहुल गांधी ने दोषियों के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की मांग की तो उलटे उन्हीं पर मुकदमा दर्ज कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कोई सामान्य घटना नहीं है, बल्कि सरकार की दलित विरोधी तथा संविधान विरोधी सोच का गंभीर उदाहरण है। राहुल गांधी ने वही सवाल उठाया है।

भागलपुर में बाढ़-कटाव रोकने के लिए प्रशासन ने शुरू की तैयारी

- राघोपुर में गंगा की धारा मोड़ने की तैयारी

प्रातः किरण

भागलपुर। बिहार के भागलपुर जिले में बाढ़ और कटाव की चुनौती से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने राहत, बचाव और सुरक्षात्मक कार्यों को तेज कर दिया है। संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त बल, भारी मशीनरी, तकनीकी विशेषज्ञ और श्रमबल तैनात किए गए हैं। प्रशासन की टीमें लगातार प्रभावित और संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी कर रही हैं तथा स्थिति के अनुसार तत्काल सुरक्षात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। कटाव की गंभीरता को देखते हुए कई स्थानों पर युद्धस्तर पर निरोधक कार्य चल रहे हैं। ठेकेदारों के साथ बड़ी संख्या में मजदूरों और भारी मशीनों को लगाया गया है, ताकि निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुरक्षात्मक कार्य पूरे किए जा सकें। जल संसाधन विभाग की विशेषज्ञ टीमें विभिन्न स्थलों का लगातार निरीक्षण कर रही हैं।

विशेषज्ञों से मिले तकनीकी सुझावों के आधार पर मौके पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। जिले के कई संवेदनशील स्थलों पर समानांतर रूप से काम जारी है। रेलवे बांध के संरक्षण के साथ महादेवपुर घाट और ब्रह्मस्थान में भी सुरक्षात्मक कार्य तेजी से चल रहे हैं।

इसके अलावा ह्यई-नोज सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी कटाव-रोधी एवं सुरक्षा कार्य किए जा रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि उपलब्ध संसाधनों और विशेषज्ञ टीमों के समन्वित प्रयास से सभी जरूरी कार्य समय पर पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। भागलपुर में राघोपुर तटबंध पर बाढ़ प्रमंडल के मुख्य अभियंता जय प्रकाश ने बताया कि अब सीट पाइलिंग एक ठोस माध्यम है, जिससे कटाव वाले जगह को और प्रभावित हो रही आबादी को बचाया जा सकता है।

जो बांध ध्वस्त हुआ है, वह जमींदारी बांध है। जहाँ खड़े हैं, वह रेलवे लाइन का पुराना बांध है। जो ठीक गंगा नदी किनारे है। इसी जगह लंबाई में सीट पाइलिंग कर बांध को बचाया जा सकता है।वहीं, राघोपुर में गंगा के प्रचंड वेग से बढ़ते कटाव और टूटे बांध की मरम्मत में आ रही लगातार बाधाओं के बीच सरकार ने नदी की मुख्य धारा का रुख मोड़ने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

इसके लिए भारतीय अंतदेर्शीय जलमार्ग प्राधिकरण की ड्रेजिंग मशीन के इस्तेमाल की तैयारी की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री से की मुलाकात, बिहार की प्रमुख सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं को गति देने पर हुई विस्तृत चर्चा

बिहार की सभी महत्वपूर्ण सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं को शीघ्र गति मिलेगी : मुख्यमंत्री

प्रातः किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने नई दिल्ली में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात कर बिहार से संबंधित महत्वपूर्ण जल संसाधन, सिंचाई एवं बाढ़ प्रबंधन परियोजनाओं की प्रगति और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में उप मुख्यमंत्री सह जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी उपस्थिति में केन्द्रीय बजट 2024-25 एवं 2025-26 में बिहार के लिए घोषित योजनाओं की वर्तमान स्थिति, लंबित स्वीकृतियों तथा आगामी परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री को बताया कि केंद्रीय बजट 2024-25 में बिहार के लिए 11,500 करोड़ रुपये की लागत वाली कोसी मेची अंतर्राज्यीय रिवर लिंक परियोजना सहित सिंचाई एवं जल संसाधन क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा की गई थी। इसके तहत बिहार सरकार ने 16,339.18 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का डीपीआर केंद्र सरकार को उपलब्ध कराया है, इनमें अब तक केवल दो परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है।

कोसी-मेची अंतर्राज्यीय रिवर लिंक परियोजना पर विशेष रूप से चर्चा

बैठक में कोसी-मेची अंतर्राज्यीय रिवर लिंक परियोजना पर विशेष रूप से चर्चा हुई। लगभग 3,652.56 करोड़ रुपये की इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्देश्य कोसी बेसिन के अतिरिक्त जल का बेहतर उपयोग करते हुए उत्तर बिहार में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करना है। परियोजना के प्रथम चरण के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में 395.41 करोड़ रुपये तथा 2026-27 में 570 करोड़ रुपये, यानी कुल 965.41 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अब तक 156.745 करोड़ रुपये ही प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने प्रथम चरण की शेष राशि शीघ्र उपलब्ध कराने तथा दूसरे चरण के डीपीआर को मंजूरी देने का आग्रह किया।

परियोजना की शीघ्र स्वीकृति कराने का अनुरोध

मुख्यमंत्री ने सिकरहना दायां तटबंध निर्माण योजना का भी मुद्दा उठाया। 125.08 करोड़ रुपये केन्द्रीय अंश वाली यह योजना पहले ही संबंधित केन्द्रीय समिति द्वारा अनुशंसित की जा चुकी है। बैठक में इसके लिए केन्द्रीय सहायता जल्द उपलब्ध कराने पर

चर्चा हुई। इसके अलावा केन्द्रीय बजट 2024-25 के तहत प्रस्तावित अन्य योजनाओं की स्थिति पर भी विचार-विमर्श हुआ। इनमें सिंचाई क्षेत्र की तीन परियोजनाएं जिनकी अनुमानित लागत 5,951.45 करोड़ रुपये है तथा बाढ़ प्रबंधन क्षेत्र की 15 परियोजनाएं जिनकी अनुमानित लागत 3,896.14 करोड़ रुपये है, वर्तमान में जल शक्ति मंत्रालय के विभिन्न स्तरों पर विचाराधीन हैं।बैठक में केंद्रीय बजट 2025-26 में घोषित पश्चिमी कोसी नहर परियोजना के विस्तार, नवीकरण एवं आधुनिकीकरण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। इस परियोजना के लिए बिहार सरकार ने 8,338.89 करोड़ रुपये का डीपीआर केन्द्रीय जल आयोग को भेजा है। केंद्र से सहायता मिलने की अपेक्षा में राज्य सरकार ने अपने संसाधनों से 3,484.24 करोड़ रुपये की लागत वाले प्रथम चरण का कार्य शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने परियोजना की शीघ्र स्वीकृति और केन्द्रीय वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

बजटीय प्रावधान बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर

मुख्यमंत्री ने बाढ़ नियंत्रण के लिए चल रहे फ्लड मैनेजमेंट एंड बॉर्डर एरिया प्रोग्राम के अंतर्गत बिहार के लिए बजटीय प्रावधान बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि बिहार देश के सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित राज्यों में से एक है। रा लगभग 73 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र बाढ़ की चपेट में आता है और गंगा, कोसी, गंज बागमती जैसी नदियों के कारण हर वर्ष बड़ी आबादी प्रभावित होती है। ऐसे में जरूरतों के अनुरूप अधिक केन्द्रीय सहायता आवश्यक है।बैठक में आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 में बिहार की तीन बड़ी परियोजनाओं को शामिल करने का अनुरोध भी किया गया। पहली, इंद्रपुरी जलाशय परियोजना, जो सोन नहर प्रणाली को दीर्घकालिक स्थिरता प्रदान करेगी। बिहार और झारखंड के बीच जल बंटवारे को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद इस परियोजना को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हुआ है। दूसरी, सोन-फल्गु रिवर लिंक परियोजना, जिसके तहत सोन नद के पानी को पाइपलाइन और नहरों के माध्यम से फल्गु नदी तक पहुंचाने की योजना है। इससे गयाजी और औरंगाबाद जिले के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक उपयोग के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा। साथ ही विश्वप्रसिद्ध फल्गु नदी में सालों भर जल उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। तीसरी, सारण जिले की बाढ़ नियंत्रण एवं जल निकासी परियोजना (फेज-1), जिसकी अनुमानित लागत 1,350.95 करोड़ रुपये है।

इसके तहत मुख्य जलनिकासी चैनलों का जीर्णोद्धार, नए रेगुलेटरों का निर्माण और अन्य संरचनात्मक कार्य किए जाने हैं। इससे सारण क्षेत्र में बाढ़ का प्रभाव कम होगा, कृषि भूमि की सुरक्षा होगी तथा प्रस्तावित सोनपुर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट, एयरोसिटी और आसपास के शहरी क्षेत्रों को भी लाभ मिलेगा।मुख्यमंत्री ने बैठक में गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग के अध्यक्ष का मुख्यालय पटना में बनाए रखने का मुद्दा उठाया।

संक्षिप्त खबरें

प्रधान लिपिक मनोरंजन कुमार को दी गई भावभीनी विदाई

दनियावां। दनियावां अंचल में कार्यरत प्रधान लिपिक मनोरंजन कुमार सोमवार, 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर उनके सम्मान में भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में अंचलाधिकारी स्नेहा सत्यम, बीडीओ प्रियंका कुमारी, राजस्व पदाधिकारी अनूप कुमार, अंचल नाजीर राजेश कुमार, डीईओ जितेंद्र कुमार सिन्हा सहित कई राजस्व कर्मी उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए अंचलाधिकारी ने मनोरंजन कुमार के कार्यकाल को अविस्मरणीय बताया। वहीं, बीडीओ प्रियंका कुमारी ने कहा कि वे कर्तव्यनिष्ठ और समय के पाबंद कर्मचारी रहे हैं। अधिकारियों एवं कर्मियों ने उनके सुखद एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए भावभीनी विदाई दी।

आर्मी पब्लिक स्कूल, दानापुर कैंट में सोमवार को वार्षिक प्रदर्शनी लगाई गई

दानापुर। नगर के अंतर्गत आर्मी पब्लिक स्कूल, दानापुर कैंट के सोमवार को वार्षिक प्रदर्शनी लगाई गई। उद्घाटन बिहार रेजिमेंटल सेंटर के डिप्टी कमांडेंट कर्नल विजय कुमार ने किया।मुख्य अतिथि ने बच्चों की रचनात्मकता से अभिभूत होकर प्रशंसा की। प्रदर्शनी में विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, गणित, कला एवं शिल्प तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषयों से संबंधित मॉडल तैयार किये गए थे।प्रदर्शनी में विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, गणित, कला एवं शिल्प तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषयों से संबंधित मॉडल तैयार किये गए थे। सर्वाधिक आकर्षित मॉडल में विज्ञान में स्मार्ट सिटी एयर पॉल्यूशन मोनेटेरिंग सिस्टम यूजिंग आई ओ टी, स्मार्ट हाइड्रोजेल कार्बन स्पॉज इको फिल्टर, ए हाइड्रोलिक वेक्टर, फ्लोएटिंग सोलर पैनल, स्मार्ट एनर्जी सेविंग बेंच, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट समेत अन्य आदि। सामाजिक विज्ञान में पर्शियन व्हील, फिलेटेली: विंडो टू द वर्ल्ड, इटली युनिफिकेशन, कार्बन क्रेडिट सिस्टम, मिनी इंडिया हेरिटेज पार्क, इको हाइड्रो वाट: मैनेजमेंट, स्मार्ट एग्रीकल्चर, जर्नी ऑफ रिवर गोदावरी सिटी आदि।

जेवरात चोरी मामले में दो विधि विरूद्ध बालक समेत चार लोगों को किया गया गिरफ्तार

दानापुर। शाहपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस ने नूरपुर चांदमारी में शनिवार को एक घर से हुई जेवरात चोरी मामले में दो विधि विरूद्ध बालक समेत चार लोगों गिरफ्तार किया।साथ ही चार सोने जैसा चैन वजन-38.95 ग्राम बरामद किया। सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। छापेमारी दल का नेतृत्व कर रहे थानाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह ने बताया कि 29 अगस्त को नूरपुर चांदमारी निवासी रोहित कुमार ने लिखित शिकायत करते हुए स्थानीय निवासी रौनित कुमार पर घर से चार सोने का चैन चोरी करने का आरोप लगाया था। अनुसंधान के दौरान नूरपुर चांदमारी से एक विधि विरूद्ध बालक को निरूद्ध कर पूछताछ की गई। उसके निशानदेही पर चोरी में संलिप्त एक और अन्य विधि विरूद्ध बालक की संलिप्तता सामने आई। दोनो को निशान देही पर दानापुर थाना क्षेत्र के तकियापर से रंजीत कुमार और गोला रोड से राजेश कुमार गुप्ता को गिरफ्तार किया गया। दोनों के पास से चोरी की सोने के चैन से निर्मित अन्य चार सोने का चैन को बरामद किया गया है।जिसका वजन-38.95 ग्राम है। गिरफ्तार दोनों व्यक्ति का अपराधिक इतिहास पता किया जा रहा है।

बैकुंठपुर में सड़क परियोजनाओं को मिलेगी गति, और बेहतर होगी कनेक्टिविटी

● शिक्षा मंत्री ने पथ निर्माण मंत्री से की मुलाकात, सलेमपुर घाट पुल समेत क्षेत्र की महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण का किया आग्रह

पटना। गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र में बेहतर सड़क संपर्क, सुगम आवागमन और विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से माननीय शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने सोमवार को विश्वेश्वरैया भवन में माननीय पथ निर्माण मंत्री ई. कुमार शैलेन्द्र से मुलाकात की।

इस दौरान दोनों नेताओं के बीच क्षेत्र की महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान विभाग के सचिव श्री पंकज कुमार पाल एवं अभियंता प्रमुख भी उपस्थित थे।बैठक में तिवारी ने सलेमपुर घाट पुल, 18 किलोमीटर लंबे हरदिया-भगवानपुर मार्ग, एनएच-27 से जुड़े काशी टेंगराही-राजापट्टी रोड, 12 किलोमीटर लंबे झंझवा-बरौली रोड और 13 किलोमीटर लंबे झंझवा-बलडीहा मार्ग सहित विधानसभा क्षेत्र की अन्य महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण में तेजी लाने का आग्रह किया।

माननीय शिक्षा मंत्री ने निमार्णाधीन मीरगंज-भोरे पथ के चौड़ीकरण के मुद्दे को भी मंत्री के समक्ष रखा और इस दिशा में आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया।

2 सितंबर से ज्ञान भवन में वार्षिक दशहरा मेला का आयोजन

230 से अधिक स्टॉल में दिखेगी देशभर की विविधता

प्रात: किरण संवाददाता

पटना (31 अगस्त, 2026): गांधी मैदान स्थित ज्ञान भवन में बिहार महिला उद्योग संघ द्वारा आयोजित वार्षिक दशहरा मेला-2026 के पांचवे संस्करण का आयोजन 2 सितंबर से 6 सितंबर, 2026 तक किया जा रहा है। ज्ञान भवन के वातानुकूलित बहु-उद्देषीय हॉल में लगाया जाने वाला यह मेला बिहार का सबसे बड़ा मेला है। यह मेला एमएसएमई द्वारा मान्यता प्राप्त है जिसमें महिला उद्यमियों के साथ नाबार्ड, डब्लूसीडीसी, उद्योग विभाग, बिहार सरकार सहित अन्य सरकारी व गैर सरकारी एजेंसियां शामिल हो रही हैं। स्थानीय बीआईए सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में मेले की जानकारी देते हुए बिहार महिला उद्योग संघ की अध्यक्ष उषा झा ने बताया कि भारत के विभिन्न राज्यों के लगभग 230 से अधिक स्टॉल वाले इस मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि बिहार सरकार के भवन निर्माण मंत्री लेसी सिंह के कर-कमलों द्वारा किया जायेगा। उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में एमएसएमई डीएफओ पटना के सहायक निदेशक, उद्योग विभाग के अधिकारी, सीजीएम नाबार्ड, बिहार म्यूजियम के निदेशक तथा केवीआईसी के निदेशक शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि इस मेले में भारत के विभिन्न राज्यों तथा बिहार की महिला उधमियों के द्वारा स्टॉल्स लगाए जा रहे हैं। वहीं संघ की उपाध्यक्ष इंदु अग्रवाल ने कहा कि बिहार महिला उद्योग संघ पिछले 31 वर्षों से महिला उधमियों के लिए मेले के माध्यम से उन्हें अपने सामान को बेचने के लिए एक मंच प्रदान करती है जहाँ वो अपने द्वारा तैयार किये गए सामानों को बेचती हैं। वहीं संघ की उपाध्यक्ष डॉ. पूर्णिमा रॉय व किरण रंजन ने कहा कि इस मेले का उद्देश्य उधमियों को सरकारी स्कीम से अवगत करवाना, मेले में हर दिन नई-नई जानकारी प्रदान करवाना, नेटवर्किंग के लिए विभिन्न सरकारी-गैर सरकारी एजेंसियों से कार्यशाला व सेमिनार आदि के माध्यम से मिलवाना है। अपने संबोधन में बिहार महिला उद्योग संघ की संयुक्त सचिव अंकिता ने प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए बताया कि इस मेले में सिल्क, हैंडलूम, आभूषण, सत्तू, पापड़, अचार, मिथिला पेंटिंग, टिकुली व सिक्की आर्ट के आइटम्स, थ्री डी प्रिंटेड आइटम्स, रोबोटिक्स, होम डेकॉर सहित अन्य उत्पादों के स्टॉल्स लगाए जाएंगे। संघ की सचिव मेनका सिन्हा ने कहा कि समापन समारोह के दौरान कई प्रकार के ईनामों व सम्मान की भी घोषणा की जाएगी। इस मेले में आगंतुकों का प्रवेश निःशुल्क होगा। मौके पर बिहार महिला उद्योग संघ की सदस्य साधना

हिन्दी ई टूल एवं राजभाषा में एआई के प्रयोग विषय पर राजभाषा कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। केंद्रीय भूमि जल बोर्ड, मध्य पूर्वी क्षेत्र, पटना में क्षेत्रीय निदेशक राजीव रंजन शुक्ला की अध्यक्षता हिन्दी ई टूल एवं राजभाषा में ए. आई. के प्रयोग विषय पर राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता अजित कुमार शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), कर्मचारी राज्य बीमा निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, पटना थे।

इस कार्यक्रम के आरंभ में क्षेत्रीय निदेशक श्री राजीव रंजन शुक्ला ने अपने अध्यक्षीय भाषण में अपने कार्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रयोग अच्छे ढंग से किया जाने की बात कही साथ में उन्होंने ये भी कहा कि आवश्यकता यह है कि ऐसी निरंतरता बरकरार रखा जाए।

इस अवसर पर केंद्रीय भूमि जल बोर्ड, मध्य पूर्वी क्षेत्र, पटना के क्षेत्रीय निदेशक श्री राजीव रंजन शुक्ला द्वारा रचित पुस्तक प्रकृति की गूंज की एक प्रति को मुख्य अतिथि श्री अजित कुमार शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), कर्मचारी राज्य बीमा निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, पटना के साथ साझा किया गया।

इसके उपरांत मुख्य वक्ता श्री अजित कुमार शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), कर्मचारी राज्य बीमा निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, पटना द्वारा कार्यालय में सरल एवं सहज रूप से काम करने के लिए हिन्दी ई टूल एवं राजभाषा में ए. आई. के प्रयोग को विस्तृत रूप से बताया गया तथा हैंड्स ऑन भी कराया गया।

इसके उपरांत मुख्य वक्ता अजित कुमार शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), कर्मचारी राज्य बीमा निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, पटना द्वारा कार्यालय में सरल एवं सहज रूप से काम करने के लिए हिन्दी ई टूल एवं राजभाषा में ए. आई. के प्रयोग को विस्तृत रूप से बताया गया तथा हैंड्स ऑन भी कराया गया।

इस कार्यशाला में केंद्रीय भूमि जल बोर्ड, मध्य पूर्वी क्षेत्र, पटना के अलावे केंद्रीय जल आयोग, पटना एवं भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, पटना कार्यालय के अधिकारियों ने भी भाग लिया।

दानापुर झखड़ी महादेव रोड में बोरिंग का मीटर रिचार्ज नहीं होने से बिजली आपूर्ति बंद

प्रात: किरण संवाददाता

दानापुर। नगर के अंतर्गत नगर परिषद झखड़ी महादेव रोड में स्थित बोरिंग का बिजली मीटर स्मार्ट मीटर रिचार्ज नहीं होने से बिजली आपूर्ति बंद है।जिसदानापुर में वित्तीय कारणों से दिन प्रतिदिन परेशानी बढ़ती जा रही है जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के गुस्से का कोप भाजन अधिकारी व कर्मचारियों को बनना पड़ रहा है। वार्ड 21 में झखड़ी महादेव रोड में स्थित बोरिंग का बिजली मीटर स्मार्ट मीटर रिचार्ज नहीं होने से बिजली आपूर्ति बंद है।जिस कारण रविवार से इलाके में पेयजल आपूर्ति बंद पड़ा है। बताया जाता है कि नगर परिषद क्षेत्र में इस तरह के और दस बोरिंग है,जो बिजली मीटर रिचार्ज स्मार्ट मीटर होने रहने पर बिजली मिलती है। बता दें कि 24अगस्त को पिछले तीन दिनों से साफ सफाई में लगे वाहनों को तेल नहीं मिलने से गाड़ियां बंद हो गई थी। कार्यपालक पदाधिकारी के प्रभार में रहे एसडीएम अनिरुद्ध पाण्डेय को वित्तीय प्रभार देर से मिलने के कारण साफ सफाई में लगे गाड़ी के तेल को की समस्या उत्पन्न हो गई थी। इस दरम्यान 22 अगस्त को एसडीएम अनिरुद्ध पाण्डेय का तबादला हो गया। लेकिन 25 अगस्त को पदभार सौंपने से पहले तेल की व्यवस्था कराये।तब जाकर गाड़ियां चली और साफ सफाई कार्य शुरू हुआ। अब फिर नगर परिषद के पास वित्तीय संकट आ गया है। यही हाल रहा तो आने वाले दिनों में नगर परिषद को नारकिय परिषद बनने में देर नहीं लगेगी।नगर प्रबंधक अमरेन्द्र कुमार ने बताया कि कार्यपालक पदाधिकारी का पद रिक्त रहने से वित्तीय समस्या उत्पन्न हो गई है। एसडीएम अनिरुद्ध पाण्डेय के तबादले के बाद अभी तक विभाग द्वारा कोई पत्र जारी नहीं किया गया है।

17 रेलकर्मियों को किया गया समापक भुगतान

दानापुर। खगौल रेल मंडल के सभागार में समापक भुगतान समारोह आयोजित किया गया इसमें रेल सेवा से सेवानिवृत्त 17 रेलकर्मियों को अपर मंडल रेल प्रबंधक इन्फ्रा दानापुर राजीव कुमार द्वारा अंगवस्त्र एवं समापक भुगतान दस्तावेजों को देकर सम्मानित करते हुए भावभीनी विदाई दी गई कार्यक्रम की शुरूआत वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी अतुल कुमार द्वारा किया गया, जिन्होंने आज के समापक भुगतान का विस्तृत विवरण प्रस्तुत कियाअपर मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर ने अपने संबोधन में उपस्थित सेवानिवृत्त होने वाले रेल कर्मचारियों के सुखद, स्वस्थ एवं समृद्ध भविष्य की कामना करते हुए कहा कि अपने समापक भुगतान की राशि को असुरक्षित जगहों पर निवेश ना करें एवं अपने स्वास्थ्य का विशेष रूप से ध्यान रखें। सेवानिवृत्त होने वाले रेलकर्मियों को एक्युप्रेशर एवं आयुर्वेदिक डॉक्टरों द्वारा स्वस्थ तथा दीघार्यु जीवन जीने के तरीके को विस्तारपुर्वक बताया गया।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। केन्द्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, मुंगेर द्वारा जे.एन.के.टी. इंटर विद्यालय, खगड़िया में नशा मुक्त भारत अभियान पर एक दिवसीय जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत विधायक, खगड़िया, बब्लू मंडल द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक, खगड़िया, बब्लू मंडल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हमने देखा है कि नशे के कारण कई घर उजड़ गए हैं, लेकिन अब हम ऐसा नहीं होने देंगे। अब इस अभियान को सफल बनाकर नशा मुक्त राज्य बनाएंगे। उन्होंने कहा कि आप बच्चे देश का भविष्य हैं, इसलिए आप अपने लक्ष्य, अपने कर्तव्यों और अच्छे काम से राष्ट्र निर्माण करने का नशा कीजिए।

कार्यक्रम में उपस्थित अमरेंद्र कुमार गोंड, जिला शिक्षा पदाधिकारी,, ने अपने संबोधन में उपस्थित छात्र-छात्राओं को सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में दी जा रही सुविधाओं एवं योजनाओं के बारे में जानकारी दी।साथ ही उन्होंने कहा कि आप सभी युवा प्रतिभावान हैं, आप अपने लक्ष्य को निर्धारित कीजिए और उसे प्राप्त करने में लग जाइए।

कार्यक्रम के दौरान मंचासीन अतिथियों एवं उपस्थित सभी लोगों द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान पर शपथ ली गई।कार्यक्रम से पूर्व नशा मुक्त भारत अभियान पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें सफल प्रतिभागियों को विभाग की ओर से मंचासीन अतिथियों के हाथों पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रथम स्थान सोनम कुमारी, द्वितीय स्थान अक्षिता रानी, तृतीय स्थान लाडली कुमारी एवं सांत्वना पुरस्कार दीपिका को दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्त भारत अभियान पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में सूरत राज, पलक पायल, सोनू कुमार, लाडली कुमारी, कोमल कुमारी एवं हर्ष आनंद ने भाग लिया। इन सभी को विभाग की ओर से पुरस्कार और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आशीर्वाद रंगमंच, बेगूसराय के कलाकारों द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान पर गीत एवं नाटक प्रस्तुत किए गए।साथ ही, गीत एवं नाटक के माध्यम से नशा मुक्त भारत अभियान के बारे में उपस्थित लोगों को जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के तहत एक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को सोनी कुमारी, प्रधानाचार्या, जे.एन.के.टी. इंटर विद्यालय, खगड़िया द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली में विद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए। कार्यक्रम में मंच संचालन सुदर्शन किशोर झा, सहायक क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी, मुंगेर द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय की प्रधानाचार्या द्वारा किया गया।

नेपाल त्रासदी के पीड़ितों की स्मृति में कैंडल मार्च

पटना : नेपाल में हुई भीषण प्राकृतिक त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों की स्मृति में खाजपुरा शिव मंदिर से राजा बाजार हनुमान मंदिर तक कैंडल मार्च निकाला गया। मार्च में पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, दीघा विधायक डॉ. संजीव चौरसिया सहित बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर मोमबत्तियां जलाकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद ने कहा कि नेपाल में हुई त्रासदी बेहद पीड़ादायक है। दुख की इस घड़ी में हम सभी पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं और दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना करते हैं। वहीं दीघा विधायक डॉ. संजीव चौरसिया ने कहा कि कैंडल मार्च के माध्यम से नेपाल त्रासदी के पीड़ितों के प्रति संवेदना और एकजुटता का संदेश दिया गया है। मानवता के नाते हमें पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा रहना चाहिए।

डॉ. एल बी सिंह की पहल रंग लाई, साइन गांव की जर्जर सड़क निर्माण की उम्मीद जगी!

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। साइन गांव से चौक तक जर्जर सड़क के निर्माण की उम्मीद जगी वैशाली के साइन गांव के ग्रामीणों की वर्षों पुरानी सड़क निर्माण की मांग अब कार्रवाई के चरण में पहुंच गई है।

साइन गांव से साइन चौक तक करीब 1.40 किलोमीटर लंबी जर्जर सड़क के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से उठाते हुए जन स्वास्थ्य कल्याण समिति के सचिव डॉ. एल. बी. सिंह ने ग्रामीणों की आवाज को संबंधित विभाग और सरकार तक पहुंचाने का प्रयास किया।डॉ. एल. बी. सिंह की ओर से ग्रामीण विकास, सूचना एवं जन-संपर्क विभाग के मंत्री श्री श्रवण कुमार को आवेदन देकर साइन गांव, वार्ड संख्या-01 से साइन चौक तक सड़क निर्माण कराने का अनुरोध किया गया था।आवेदन में सड़क की जर्जर स्थिति और ग्रामीणों को हो रही दैनिक परेशानियों का उल्लेख करते हुए सड़क निर्माण की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया।

मामले को जनहित से जुड़ा हुआ मानते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने ग्रामीण कार्य विभाग के संबंधित अधिकारियों को आवेदन में वर्णित तथ्यों के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

यह कार्रवाई जन स्वास्थ्य कल्याण समिति और डॉ. एल. बी. सिंह द्वारा ग्रामीणों की मूलभूत समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने की पहल की महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखी जा रही है।

अब ग्रामीणों को उम्मीद है कि विभागीय स्तर पर सड़क की स्थिति का जायजा लेकर जल्द निर्माण की आगे की प्रक्रिया शुरू होगी और वर्षों से जर्जर सड़क से परेशान लोगों को राहत मिलेगी।

डॉ. एल. बी. सिंह का संदेश साफ है—ग्रामीणों की समस्या को आवाज देना ही नहीं, बल्कि उसे संबंधित विभाग तक पहुंचाकर समाधान की दिशा में प्रयास करना भी जनसेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

बिन्द से पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के विभागाध्यक्ष तक एक प्रेरणादायक सफर

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। मात्र 35 वर्ष की आयु में मेहनत, लगन, उच्च चिकित्सा शिक्षा और जनसेवा के प्रति समर्पण के बल पर चिकित्सा जगत में अपनी अलग पहचान बनाने वाले डॉ. धीरज कुमार ने पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया है।नालंदा जिले के बिन्द निवासी डॉ. धीरज कुमार की यह उपलब्धि विशेष रूप से प्रेरणादायक है। मात्र 35 वर्ष की उम्र में देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग का नेतृत्व संभालना उनकी प्रतिभा, मेहनत और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। वे अपने परिवार के पहले चिकित्सक और अपने गांव के पहले डीएम गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विशेषज्ञ भी हैं।डॉ. धीरज कुमार ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय, राजगीर से प्राप्त की।इसके बाद उन्होंने पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से एमडी मेडिसिन की पढ़ाई पूरी की। आज यह उनके जीवन का एक भावुक और गौरवपूर्ण क्षण है कि जिस संस्थान से उन्होंने चिकित्सा की उच्च शिक्षा प्राप्त की, उसी संस्थान में उन्हें अब गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी मिली है।

डॉ. धीरज कुमार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी चिकित्सा योग्यता को मजबूत किया है। उन्होंने लंदन से अमर के ढं१३ 1, ढं१३ 2 और ढं१३ 3 की परीक्षाएं उत्तीर्ण की हैं। इसके साथ ही उन्होंने गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के क्षेत्र में ब्रिटेन से एमआरसीपी की विशेष योग्यता एवं प्रमाणन भी हासिल किया है।शुरू से ही एक मेधावी छात्र रहे डॉ. धीरज कुमार ने चिकित्सा को केवल एक पेशा नहीं, बल्कि जनसेवा का माध्यम माना है। पेट, आंत और लिवर रोगों से जूझ रहे मरीजों की सेवा के प्रति उनका समर्पण उनकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है।अपनी इस उपलब्धि पर डॉ. धीरज कुमार ने इसे अपने माता-पिता, परिवार, शिक्षकों, सहयोगियों और शुभचिंतकों का आशीर्वाद और सहयोग बताया।

ताशकंद में भारत-उज्बेकिस्तान के संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को डॉ. प्रेम कुमार ने दी बधाई

पटना। बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उज्बेकिस्तान के ताशकंद दौरे को भारत की विदेश नीति, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक कूटनीति की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति श्री शवकत मिर्जियोयेव के बीच हुई सार्थक वार्ता के बाद दोनों देशों के संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारीतक ले जाना भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा और प्रधानमंत्री मोदी की प्रभावी कूटनीति का परिणाम है।उज्बेकिस्तान से भारत को दीर्घकालिक यूरेनियम आपूर्ति की दिशा में हुई महत्वपूर्ण प्रगति देश की ऊर्जा सुरक्षा और शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को मजबूती प्रदान करेगी। यह समझौता भारत की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने और भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भारत और उज्बेकिस्तान के बीच व्यापार, निवेश, रक्षा, डिजिटल तकनीक, महत्वपूर्ण खनिज आदि हैं।

राम जानकी प्रगति सेवा संस्थान ने किया प्रतिभाओं का सम्मान

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

पटना (बख्तियारपुर): सावन की भक्ति, भारतीय संस्कृति की खुशबू और बच्चों की प्रतिभा से बख्तियारपुर का वातावरण उस समय उल्लास से भर गया, जब राम जानकी प्रगति सेवा संस्थान की ओर से कला-संस्कृति प्रतियोगिता एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भक्ति, संस्कृति, प्रतिभा और सामाजिक सम्मान का सुंदर संगम देखने को मिला। बड़ी संख्या में संस्थान से जुड़े परिवारों, बच्चों, अतिथियों और स्थानीय लोगों ने भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया।

कार्यक्रम का नेतृत्व संस्थान की सचिव अर्पणा बाला ने किया, जबकि संस्थान की कार्यकारी अध्यक्ष शाकंभरी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। कार्यक्रम का संचालन कोषाध्यक्ष जनक नंदनी सिन्हा ने किया। मुख्य अतिथि बख्तियारपुर नगर परिषद के मेयर पवन सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि राजकुमार एवं नवलेश कुमार मौजूद रहे। स्कूल के शिक्षकों श्वेता सुमन सोनी और मनीष शर्मा की उपस्थिति ने भी कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।कार्यक्रम के दौरान सावन की भक्ति और भारतीय संस्कृति से जुड़े गीतों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। बच्चों ने कला-संस्कृति प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उनके उत्साह, आत्मविश्वास और प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को प्रभावित किया। आयोजकों का कहना था कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करते हैं। प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों में रचनात्मकता, अनुशासन और आत्मविश्वास विकसित करने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मेयर पवन सिंह ने राम जानकी प्रगति सेवा संस्थान को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि सावन के भक्ति गीतों ने पूरे वातावरण को भावपूर्ण बना दिया। उन्होंने विशेष रूप से सचिव अर्पणा बाला, कार्यकारी अध्यक्ष शाकंभरी और कोषाध्यक्ष जनक नंदनी सिन्हा के प्रयासों की सराहना की। मेयर ने कहा कि तीनों महिलाओं के नेतृत्व में कार्यक्रम का सफल आयोजन नारी शक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने आश्वस्त किया कि नगर परिषद बख्तियारपुर संस्थान के सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यों में हमेशा सहयोग के लिए तत्पर रहेगी।

संस्थान की सचिव अर्पणा बाला ने समारोह में आए सभी अतिथियों और लोगों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि राम जानकी प्रगति सेवा संस्थान केवल कुछ लोगों का नहीं, बल्कि सभी परिवारों का अपना संस्थान है। उन्होंने कार्यकारी अध्यक्ष शाकंभरी के मार्गदर्शन और कोषाध्यक्ष जनक नंदनी सिन्हा के बेहतर संचालन के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से ही इस तरह के कार्यक्रम सफल हो पाते हैं।

कोषाध्यक्ष जनक नंदनी सिन्हा ने मुख्य अतिथि मेयर पवन सिंह, राजकुमार, नवलेश कुमार, श्वेता सुमन सोनी, मनीष शर्मा सहित सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि संस्थान के परिवार के सदस्यों के लिए उपहार तथा कला-संस्कृति प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों के लिए मेडल की व्यवस्था की गई थी।

समारोह के अंतिम चरण में संस्थान की सचिव अर्पणा बाला, कार्यकारी अध्यक्ष शाकंभरी और कोषाध्यक्ष जनक नंदनी सिन्हा ने संस्थान से जुड़े परिवार के सदस्यों को उपहार देकर सम्मानित किया। वहीं प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को मेडल पहनाकर उनका उत्साह बढ़ाया गया। मुख्य अतिथि मेयर पवन सिंह ने विजेता बच्चों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न (मोमेंटो) देकर सम्मानित किया। सम्मान पाकर बच्चों के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। समारोह में रूपेश सिंह, संजय, राजीव रंजन, राजवती देवी, शारदा देवी, निशा सहित संस्थान से जुड़े विभिन्न स्थानों से आए अनेक परिजन उपस्थित रहे।राम जानकी प्रगति सेवा संस्थान का यह आयोजन केवल प्रतियोगिता और सम्मान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके माध्यम से कला, संस्कृति, भक्ति और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया गया। बच्चों को मंच देकर उनकी प्रतिभा को पहचानना और उन्हें सम्मानित करना आने वाली पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। सावन की भक्ति और सांस्कृतिक रंगों से सजे इस आयोजन ने बख्तियारपुर में एक सकारात्मक संदेश दिया कि सामाजिक संस्थाएं यदि सामूहिक भागीदारी के साथ आगे आएं, तो बच्चों

दवा उपलब्धता में मुंगेर अव्वल मुजफ्फरपुर तीसरे स्थान पर

पटना। सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में दवाओं की उपलब्धता और उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में बिहार के कई जिलों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। 27 जुलाई से 17 अगस्त तक की जिलावार साप्ताहिक रैंकिंग में मुंगेर दवा उपलब्धता और गुणवत्ता अनुपालन के संयुक्त स्कोर में पहले स्थान पर रहा। वैशाली दूसरे और मुजफ्फरपुर तीसरे स्थान पर रहा।

रैंकिंग के अनुसार मुंगेर का अंतिम स्कोर 94.48, वैशाली का 81.23 और मुजफ्फरपुर का 81.00 रहा। पिछले पखवाड़ा में राज्य का औसत अंतिम स्कोर 75.91 रहा था। दवा उपलब्धता के लिहाज से भी मुंगेर सबसे आगे रहा। जिले में औसत दवा उपलब्धता 94.62 फीसदी दर्ज की गई। नालंदा 88.04, अरवल 87.65 और बेगूसराय 86.90 फीसदी के साथ 85 फीसदी से अधिक दवा उपलब्धता वाले चार जिलों में शामिल रहे। इस दौरान राज्य में दवाओं की औसत उपलब्धता 80.31 फीसदी रही है

दवाओं के एक्सपायरी या एनएसक्यू (मानक के अनुरूप नहीं) होने की स्थिति से मुक्त स्वास्थ्य संस्थानों के अनुपात में अररिया 96.63 फीसदी के साथ पहले स्थान पर रहा। मुंगेर में यह अनुपात 93.21 और मुजफ्फरपुर में 91.68 फीसदी रहा। इस तरह मुजफ्फरपुर इस मानक पर भी राज्य के शीर्ष तीन जिलों में शामिल है।

रैंकिंग में दवा उपलब्धता और गुणवत्ता अनुपालन को मिलाकर जिलों का आकलन किया गया है। दवा उपलब्धता को 90 फीसदी और एक्सपायरी/एनएसक्यू दवाओं से मुक्त संस्थानों को 10 फीसदी भारांक दिया गया है।इससे स्वास्थ्य संस्थानों में दवाओं की नियमित उपलब्धता के साथ उनकी गुणवत्ता और स्टॉक प्रबंधन पर भी निगरानी की तस्वीर सामने आती है।

मुंगेर, नालंदा और अरवल दवा उपलब्धता में शीर्ष तीन जिलों में रहे। वहीं अररिया, मुंगेर और मुजफ्फरपुर एक्सपायरी/एनएसक्यू दवाओं से मुक्त स्वास्थ्य संस्थानों के अनुपात में शीर्ष तीन में शामिल रहे।

आईजीआईएमएस के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के एडिशनल प्रोफेसर सह उप मेडिकल उपाधीक्षक डॉ. सेतु सिन्हा ने बताया कि दवाओं की पूरी उपलब्धता सुनिश्चित करती है कि मरीजों को अपनी जेब से पैसे (आउट ऑफ पॉकेट खर्च) खर्च नहीं करना पड़ता है. स्वास्थ्य संस्थानों में इलाज कराने आए मरीजों पर अतिरिक्त खर्च करने का दबाव नहीं रहता है.

डिजिटल उर्वरक बिक्री व्यवस्था से बढ़ेगी पारदर्शिता और जवाबदेही : विजय

आईएफएमएस और एग्रीस्टैक के एकीकरण से सुव्यवस्थित होगी उर्वरक खरीद-बिक्री प्रक्रिया

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। कृषि भवन, मीठापुर में सोमवार को खेत बचाओ, गुणवत्तायुक्त बीज और खाद सुलभ कराओ विषय पर आयोजित एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक समय पर और सुगमता से उपलब्ध कराना कृषि विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उर्वरक की उपलब्धता, वितरण और बिक्री व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही तथा प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करना आवश्यक है। कृषि मंत्री ने कहा कि उर्वरक बिक्री व्यवस्था को डिजिटल और किसान-केंद्रित बनाने के लिए विभाग ने एफएमएस (उर्वरक बिक्री आवेदन प्रणाली का ढांचा) के माध्यम से ऑनलाइन व्यवस्था विकसित की है। आईएफएमएस और एग्रीस्टैक के एकीकरण से उर्वरक की खरीद-बिक्री प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि जिन किसानों की भूमि संबंधी जानकारी किसान रजिस्ट्री में उपलब्ध है, उनके आवश्यक विवरण किसान पहचान-पत्र के माध्यम से प्राप्त किए जाएंगे। अन्य किसान भी एफएसएस पर पंजीकरण कर उर्वरक प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए संबंधित खेत का खाता एवं खेसरा संख्या, क्षेत्रफल तथा फसल का विवरण देना होगा। उपलब्ध जानकारी के आधार पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुशंसाओं के अनुरूप उर्वरक की आवश्यकता की गणना की जाएगी और किसान को क्यूआर कोड उपलब्ध कराया जाएगा। यह क्यूआर कोड तीन दिनों तक मान्य रहेगा। इसके माध्यम से किसान

उसमें अंकित अधिकृत उर्वरक विक्रेता से निर्धारित प्रक्रिया के तहत भुगतान कर उर्वरक खरीद सकेंगे।

श्री सिन्हा ने बताया कि इस व्यवस्था का पायलट प्रोजेक्ट वैशाली और शेखपुरा जिलों से शुरू किया गया था। इसके बाद इसका अन्य जिलों में विस्तार किया गया। एक सितंबर से 19 जिलों में और दो अक्टूबर से पूरे बिहार में डिजिटल उर्वरक बिक्री व्यवस्था लागू की जाएगी। इससे उर्वरक की उपलब्धता, भंडार, वितरण और बिक्री की बेहतर निगरानी संभव होगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी उर्वरक विक्रेताओं को नई व्यवस्था का प्रशिक्षण दिया जाए तथा किसानों को किसान पहचान-पत्र, एफएसएस पंजीकरण और निर्धारित प्रक्रिया की जानकारी एवं सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि केवल ऑनलाइन आंकड़ों से निगरानी पर्याप्त नहीं है। पदाधिकारी क्षेत्र में जाकर उर्वरक की वास्तविक उपलब्धता और बिक्री व्यवस्था का जायजा लें।

कृषि मंत्री ने निर्धारित मूल्य से अधिक पर बिक्री, कालाबाजारी, जमाखोरी या अन्य अनियमितता की शिकायत पर तत्काल कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तकनीक का उद्देश्य किसान की सुविधा बढ़ाना है, उसकी परेशानी नहीं। किसी भी तकनीकी या प्रशासनिक समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि खेत बचाओ, गुणवत्तायुक्त बीज और खाद सुलभ कराओ अभियान केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि किसान हित में विभाग की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इसका उद्देश्य उर्वरक बिक्री व्यवस्था को पारदर्शी, सुव्यवस्थित, जवाबदेह और किसान-केंद्रित बनाना है।

सरकारी भूमि की पहचान में ढिलाई बर्दाश्त नही लंबित सभी मामलों का करें समयबद्ध निष्पादन : दिलीप

■ खराब प्रदर्शन और कार्य में लापरवाही करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। सरकारी भूमि की पहचान, लंबित मापी, म्यूटेशन एवं अन्य राजस्व मामलों के निष्पादन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर अब विभाग सख्त कार्रवाई करेगा। माननीय राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने स्पष्ट कहा है कि सरकारी कार्यों में अनावश्यक देरी और खराब प्रदर्शन किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।सोमवार को अपने कार्यालय कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी जिलों के अपर समाहताओं, भूमि सुधार उप समाहताओं एवं अंचल अधिकारियों के कार्यों की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकारी भूमि की पहचान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इस कार्य में कोताही बरतने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।उन्होंने पूर्णिया, बेगूसराय, वैशाली, सीतामढ़ी, भोजपुर, कैमूर, कटिहार, औरंगाबाद, सहरसा एवं भागलपुर जिलों को सरकारी भूमि की पहचान के कार्य में तत्काल

तेजी लाने का निर्देश दिया। मंत्री ने अधिकारियों को दो टूक शब्दों में कहा कि जनता से जुड़े राजस्व मामलों को अनावश्यक रूप से लंबित रखना अब स्वीकार्य नहीं है। हर अधिकारी को निर्धारित समय-सीमा के भीतर परिणाम देना होगा। सिर्फ बैठक और समीक्षा से काम नहीं चलेगा, जमीनी स्तर पर प्रगति दिखनी चाहिए।मापी मामलों की समीक्षा के दौरान सचिव श्री जय सिंह ने लंबित मामलों का बैकलॉग शीघ्र समाप्त करने का निर्देश दिया। प्रत्येक अमीन को प्रतिमाह कम से कम 20 मापी मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही अभियान बसेरा-02 के तहत पात्र लाभार्थियों की पहचान का कार्य लगातार जारी रखने तथा सर्वेक्षण से संबंधित आंकड़ों को अद्यतन करते हुए 15 सितंबर तक सभी प्रमाणपत्रों को सॉफ्टवेयर पर अपलोड करने का निर्देश दिया गया।

समीक्षा बैठक में यह भी स्पष्ट निर्देश दिया गया कि कोई भी जमाबंदी बिना खाता एवं खेसरा विवरण के दर्ज नहीं रहनी चाहिए। सरकारी भूमि से जुड़े म्यूटेशन मामलों का निष्पादन सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर करने को कहा गया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि किसी भी आवेदन को अस्वीकृत करने की स्थिति में स्पष्ट और ठोस कारण अंकित किया जाए तथा आवश्यक दस्तावेजों की कमी का पूरा विवरण आवेदक को उपलब्ध कराया जाए।

मंत्री ने सभी अपर समाहताओं को राजस्व महाअभियान से जुड़े मामलों का गंभीरता एवं प्राथमिकता के साथ निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही फार्मर रजिस्ट्रेशन के लंबित अप्रूवल मामलों को शून्य करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया।जनशिकायत एवं अतिक्रमण वादों की समीक्षा करते हुए डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि जनता को कार्यालयों के चक्कर लगवाना और मामलों को बेवजह लंबित रखना अब बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मेडिवर्सल अस्पताल में रोबोटिक ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सेवा का नीतीश कुमार किया उद्घाटन

पटना। मेडिवर्सल अस्पताल, पटना द्वारा अत्याधुनिक रोबोटिक ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सेवा के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुये एवं रिमोट का बटन दबा कर उद्घाटन किया। ज्ञातव्य हो की मेडिवर्सल अस्पताल द्वारा, रोबोटिक ज्वाइंट रिप्लेसमेंट की यह अत्याधुनिक तकनीक बिहार में ऑर्थोपेडिक चिकित्सा सेवाओं को और अधिक आधुनिक एवं सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अस्पताल प्रबंधन ने बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं के विकास एवं सुदृढ़ीकरण में नीतीश कुमार के प्रयासों और दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना एवं आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नीतीश कुमार की गरिमामयी उपस्थिति अस्पताल परिवार के लिए विशेष महत्व रखती है। नीतीश कुमार ने मेडिवर्सल अस्पताल द्वारा रोबोटिक ज्वाइंट रिप्लेसमेंट की इस पहल के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बिहार में अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार राज्य के लोगों के लिए अत्यंत उपयोगी है। चिकित्सा के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का उपयोग मरीजों को बेहतर सटीक एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उक्त समारोह में बिहार सरकार के मंत्री अशोक चैधरी एवं विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उप-नेता ललन कुमार सर्राफ, सुनील अग्रवाल, डॉ अजय कुमार सहित अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी, गणमान्य अतिथि एवं बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

वार्षिक उर्स में शामिल हुए नीतीश कुमार, मजार पर की चादरपोशी

पटना। पटना हाईकोर्ट परिसर के उत्तरी गेट के समीप स्थित हजरत शाह जलाल शहीद की दरगाह पर आयोजित तीन वार्षिक उर्स समारोह में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं तत्कालीन मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार, मंत्री अशोक चैधरी एवं बिहार विधान परिषद के सदस्य तथा सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन कुमार सर्राफ शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने दरगाह पर श्रद्धापूर्वक चादरपोशी की। इस दौरान नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार की पहचान हमेशा से आपसी भाईचारे, प्रेम, शांति और सामाजिक सद्भाव की रही है। उर्स जैसे आयोजन समाज में एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। श्री ललन कुमार सर्राफ ने कहा कि उर्स का यह पवित्र अवसर हमें प्रेम, सद्भाव और इंसानियत का संदेश देता है। श्री अशोक चैधरी ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन हमारी साझा संस्कृति और गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल हैं। इस मौके पर मंत्री जनाब जमा खां, सुन्नी वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष मो ईरशादउल्लाह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

सहकारी समितियों को स्वायत्त, लोकतांत्रिक और व्यावसायिक रूप से सशक्त बनाने पर है जोरः राम कृपाल

■ बिहार राज्य सहकारी नीति 2026 के अनुरूप अधिनियम व नियमावली में संशोधन पर हुआ मंथन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार राज्य सहकारी नीति 2026 के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए बिहार सहकारी सोसाइटी अधिनियम एवं नियमावली में आवश्यक संशोधनों पर सोमवार को मंथन हुआ। सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में केंद्रीय सहकारी बैंकों के अध्यक्षों, पैक्स अध्यक्षों तथा शीर्ष सहकारी समितियों के अध्यक्षों एवं प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक में सहकारिता विभाग के सचिव धर्मेन्द्र सिंह, निबंधक, सहयोग समितियां, बिहार रजनीश कुमार सिंह सहित विभागीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में विभागीय पदाधिकारियों ने सहकारी नीति 2026 के प्रावधानों के अनुरूप अधिनियम, नियमावली एवं उपविधियों में आवश्यक संशोधन के लिए चिन्हित प्रमुख क्षेत्रों पर प्रस्तुतीकरण दिया। सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों से भी संशोधन एवं सुधार को लेकर सुझाव लिए गए।

सहकारी समितियों की सदस्यता प्रक्रिया को सरल बनाने, सदस्यता संबंधी अपील की प्रक्रिया सुगम करने तथा समितियों के स्वैच्छिक गठन, स्वायत्त कार्यप्रणाली, लोकतांत्रिक नियंत्रण और पेशेवर प्रबंधन के लिए प्रशिक्षण व्यवस्था मजबूत करने पर चर्चा हुई। बोर्ड के लोकतांत्रिक संचालन को प्रभावी बनाने के लिए अधिनियम की धारा 41(5) में संशोधन पर भी विचार किया गया।

बैठक में मंत्री श्री राम कृपाल यादव ने कहा कि नीति 2026 का उद्देश्य सहकारिता आंदोलन को मजबूत, लोकतांत्रिक, पारदर्शी, स्वायत्त एवं व्यावसायिक बनाना है। जमीनी जरूरतों और सहकारी प्रतिनिधियों के अनुभवों के आधार पर जहां आवश्यक होगा, नियमसंगत संशोधन किए जाएंगे।

उन्होंने पैक्सों में व्यवसाय विविधीकरण और आय के नए स्रोत विकसित करने पर जोर देते हुए कहा कि पैक्सों को पारंपरिक गतिविधियों तक सीमित रखने के बजाय स्थानीय संसाधनों, कृषि उत्पादों और बाजार की संभावनाओं के अनुरूप नए उद्यमों से जोड़ा जाना चाहिए।

पीएम मोदी की तपस्या ने सेवा को बनाया राष्ट्रनिर्माण का माध्यम : सरावगी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी बिहार में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा माह के रूप में व्यापक अभियान चलाएगी। इस अभियान के दौरान सेवा, समर्पण, जनकल्याण और राष्ट्रनिर्माण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में सेवा, सुशासन और राष्ट्रहित के लिए किए गए कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

इसी अभियान की तैयारियों को लेकर आज भाजपा प्रदेश कार्यालय, पटना स्थित अटल सभागार में राज्य स्तरीय प्रांतीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भाजपा प्रदेश

अध्यक्ष संजय सरावगी ने शामिल होकर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को मार्गदर्शन दिया। कार्यशाला में सेवा माह के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा, संगठनात्मक तैयारियों, जिम्मेदारियों और जनभागीदारी बढ़ाने को लेकर चर्चा की गई।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को भाजपा पूर्व से ही ह्यसेवा पखवाड़े के रूप में मनाती रही है, लेकिन इस बार प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के महत्वपूर्ण अवसर को देखते हुए इसे व्यापक स्वरूप प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाला यह सेवा माह प्रधानमंत्री के 25 वर्षों की सेवा, समर्पण और राष्ट्रनिर्माण की यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक के अपने सार्वजनिक जीवन में गरीब, वंचित, किसान, युवा, महिला और समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण को प्राथमिकता दी है। उनके नेतृत्व में देश ने सुशासन, जनभागीदारी और विकास के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। सेवा माह के दौरान इन कार्यों और उपलब्धियों को जनता के बीच ले जाने के साथ-साथ सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा।

बिहार विधान परिषद् के सभापति ने केंद्रीय गृह मंत्री से की शिष्टाचार भेंट

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने रविवार देर शाम को भारत सरकार के गृह मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों के बीच विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। भेंट के उपरांत सभापति अवधेश नारायण सिंह ने कहा, आज भारत सरकार के केंद्रीय गृहमंत्री से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। उनका मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी विचार सदैव ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह मुलाकात मेरे लिए अत्यंत सम्मान और प्रेरणा का विषय रही।

श्री शाह का मार्गदर्शन एवं उनके अनुभव और विचार सदैव राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। यह शिष्टाचार भेंट सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुई।

पिछले 30 वर्षों से फरक्का बैराज और फरक्का जल संधि की भारी कीमत चुका रहा बिहार : उमेश

■ 5 सितंबर गंगा किनारे बसे 12 जिलों में होगा फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद, बक्सर से होगी शुरूआत

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। फरक्का बैराज और फरक्का जल संधि के मुद्दे पर जदयू द्वारा आगामी 5 सितंबर से ह्यफरक्का जल संधि पर नीतीश संवादह्न कार्यक्रम के प्रथम चरण की शुरूआत की जाएगी। इसके तहत पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा एवं प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा संयुक्त रूप से संवाद करेंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि गंगा किनारे बसे बिहार के सभी 12 जिलों में चरणबद्ध तरीके से संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण में चार जिलों में कार्यक्रम होंगे, जिसकी शुरूआत बक्सर से होगी। उन्होंने कहा कि संवाद के माध्यम से फरक्का बैराज और फरक्का जल संधि के बिहार पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों एवं आम लोगों की समस्याओं और चिंताओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा।श्री कुशवाहा ने कहा कि बिहार पिछले 30 वर्षों से फरक्का बैराज और फरक्का जल संधि की भारी कीमत चुका रहा है। नीतीश कुमार लंबे समय से फरक्का के कारण बिहार को हो रहे नुकसान और बिहार के जल हितों को लेकर लगातार आवाज उठाते रहे हैं। उन्होंने हर मंच पर बिहार के हितों को मजबूती से रखने और फरक्का बैराज के दुष्प्रभावों से बिहार को निजात दिलाने की मांग की है।प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि फरक्का बैराज के कारण गंगा में भारी मात्रा में गाद जमा होने से नदी की गहराई और जलधारण क्षमता प्रभावित हुई है। इसके चलते बिहार को हर वर्ष बाढ़ की त्रासदी झेलनी पड़ती है, जिससे किसानों की फसलें तबाह होती हैं और खेती-किसानी पर प्रतिकूल असर पड़ता है। फरक्का का मुद्दा बिहार के जल, कृषि और भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है।

नीतीश कुमार ने 20 वर्षों के शासन में शोषित और वंचित तबकों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा : सुनील

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। सोमवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बिहार सरकार के मंत्री सुनील कुमार ने प्रदेशभर से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं तथा प्राप्त आवेदनों के विधि-सम्मत त्वरित निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। कार्यक्रम के संचालन हेतु पार्टी के प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी सुमित कुमार सिंह मौजूद रहे। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए सुनील कुमार ने कहा कि नीतीश कुमार ने अपने 20 वर्षों के कार्यकाल में समाज के शोषित, वंचित और उपेक्षित वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया है। उन्होंने समाज के सबसे अधिक वंचित तबकों को चिन्हित कर महादलित वर्ग का गठन किया, ताकि उनके लिए लक्षित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा सके। आज इसका सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

सुनील कुमार ने कहा कि दलित-महादलित टोलों तक सड़क संपर्क, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए भी कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करने के साथ ही सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाने का काम किया गया है।

व्यावहारिक ज्ञान पर आधारित अनुशासनिक कार्रवाई, कोर्ट से हो जाते हैं खारिजः मुख्य जांच आयुक्त

■ बिहार सरकार में पदस्थ पदाधिकारियों के लिए छह दिवसीय ट्रेनर्स ट्रेनिंग (टीओटी) का हुआ आगाज

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।मुख्य जांच आयुक्त निदेशालय के महानिदेशक सह मुख्य जांच आयुक्त दीपक कुमार सिंह ने कहा कि सरकारी सेवकों के खिलाफ की जाने वाली अनुशासनिक कार्रवाई के मामलों में कई बार जांच और प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी व्यावहारिक ज्ञान को आधार बनाते हैं। उनकी इस लापरवाही की वजह से न्यायालयों में पहुंचने वाले इस तरह के अधिकांश मामले खारिज हो जाते हैं। इससे सरकार का कई तरीके का नुकसान होता है। अनुशासनिक कार्रवाई में नियमों की जानकारी अवश्य होनी चाहिए और यह नियमावली के अध्ययन से संभव है।

श्री सिंह सोमवार को मुख्य जांच आयुक्त निदेशालय और सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंधन संस्थान नई दिल्ली की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित अखिल भारतीय सेवाएं और बिहार सरकारी सेवक वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील नियमावलियों के लिए आयोजित छह दिवसीय प्रशिक्षण सत्र के आगाज के अवसर पर बोल रहे थे। यह कार्यक्रम दशरथ माझी श्रम एवं नियोजन अध्ययन संस्थान के सभागार में आयोजित किया गया था। विभागों में निगरानी कार्य का दायित्व निभा रहे पदाधिकारियों को अनुशासनिक कार्रवाई की ट्रेनिंग देने की मंशा से ट्रेंड किए जा रहे सभी 24 प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि पूरे प्रशिक्षण सत्र के दौरान महत्वपूर्ण यह है कि प्रशिक्षित होने वाले पदाधिकारी अनुशासनिक कार्रवाई से संबंधिक संचिका का संचालन और प्रस्तुतीकरण पदाधिकारियों तक नियमों की जानकारी पहुंचाएं। इस अवसर पर प्रशिक्षक के रूप में आईएसटीएम के संयुक्त निदेशख श्री गुंजन गांधी ने प्रशिक्षण, इसके तहत एक नियोजित प्रक्रिया, ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण में बदलाव, सीखने के अनुभव, प्रभावी प्रदर्शन हासिल करने की विधि आदि विषयों से प्रशिक्षुओं को अवगत कराया। श्री गांधी ने अधिक तीव्र विकास, उत्पादन/ऑउटपुट में वृद्धि, उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार, समय, पैसा, सामग्री और मानव संसाधन की बचत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली ट्रेनिंग के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर आईएसटीएम के उप निदेशक विपीन कुमार भार्गव ने भी पदाधिकारियों को अलग-अलग विषयों की जानकारी दी।

सितंबर के पहले सप्ताह में सात जिलों में लगेगा नियोजन मेला, युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर

■ तकनीकी और गैर-तकनीकी क्षेत्र के योग्य अभ्यर्थियों के लिए आयोजित होगा नियोजन-सह-व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला-2026

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार के युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग की ओर से सितंबर के पहले सप्ताह में राज्य के सात जिलों में नियोजन-सह-व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला-2026 का आयोजन किया जाएगा। निदेशालय नियोजन एवं प्रशिक्षण की पहल पर आयोजित होने वाले इन मेलों में तकनीकी एवं गैर-तकनीकी क्षेत्र में योग्यता रखने वाले अभ्यर्थियों को विभिन्न निजी क्षेत्र की कंपनियों में रोजगार के अवसर मिलेंगे। साथ ही, युवाओं को उनके कौशल और योग्यता के अनुरूप रोजगार एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाएगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार के स्तर से एक करोड़ रोजगार एवं नौकरी देने की घोषणा की है। इसके मद्देनजर ही विभाग के स्तर से लगातार रोजगार मेला लगाकर नौकरी देने के प्रयास किए जा रहे हैं। ताकि इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

1 से 5 सितंबर तक अलग-अलग जिलों में आयोजन

विभाग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार एक सितंबर को जमुई और किशनगंज, दो सितंबर को मधेपुरा, तीन सितंबर को लखीसराय और पूर्णिया तथा पांच सितंबर को मुंगेर और सहरसा में जिला स्तरीय नियोजन मेले का आयोजन होगा। सभी स्थानों पर मेला सुबह 10:30 बजे से शाम चार बजे तक चलेगा। विभाग का उद्देश्य अधिक से अधिक योग्य युवाओं को रोजगार के अवसर से जोड़ना है।

जिला स्तर पर तय किए गए आयोजन स्थल

जमुई में नियोजन मेला संयुक्त श्रम भवन, सोनो, जबकि किशनगंज में मारवाड़ी कॉलेज मैदान में आयोजित होगा। मधेपुरा में संयुक्त श्रम भवन, निकट डीआरसीसी, लखीसराय में केआरके प्लस-टू हाई स्कूल तथा पूर्णिया में राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज को आयोजन स्थल बनाया गया है। इसी तरह मुंगेर में पोलो मैदान, किला परिसर और सहरसा में जिला स्कूल परिसर में नियोजन मेला लगाया जाएगा।

अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण जरूरी

नियोजन मेले में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों को ii३ड्ढु१.ङ्घ५.ल्ल पर पंजीकरण कराना आवश्यक होगा। हालांकि, विभाग की ओर से आयोजन स्थल पर भी पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। मेले में भाग लेने वाले नियोजकों के लिए भी इसी पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य किया गया है। अभ्यर्थी अपनी शैक्षणिक योग्यता एवं कौशल के अनुरूप उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी प्राप्त कर मौके पर संबंधित नियोजकों से संपर्क कर सकेंगे।

टोल फ्री नंबर पर मिलेगी मेले से जुड़ी जानकारी

नियोजन मेले से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए विभाग की ओर से टोल फ्री नंबर 18002965656 जारी किया गया है। अभ्यर्थी इस नंबर पर संपर्क कर नियोजन मेले, पंजीकरण और रोजगार से संबंधित आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। विभाग ने युवाओं से अपील किया है कि वे निर्धारित तिथि से पहले पंजीकरण पूरा कर मेले में भाग लें और उपलब्ध रोजगार अवसरों का लाभ उठाएं।

राहुल गांधी पर उत्तराखंड में दर्ज मुकदमे के खिलाफ कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। उत्तराखंड में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर दर्ज मुकदमे तथा भाजपा की कथित दलित विरोधी नीतियों के खिलाफ आज बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू एवं प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में गोसाई टोला मोड़ के आगे मेरीन ड्राइव मोड़ के पास सैकड़ों कांग्रेस कार्यकताओं ने जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया एवं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का पुतला दहन किया। इस अवसर पर बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने कहा कि राहुल गांधी जी पर मुकदमा दर्ज कर देने से कांग्रेस की आवाज नहीं दबेगी। कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता संविधान और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा को यह समझ लेना चाहिए कि डर और मुकदमों की राजनीति से कांग्रेस कार्यकर्ता पीछे हटने वाले नहीं हैं। राहुल गांधी जी की लड़ाई देश के गरीब, दलित, पिछड़े, युवा, किसान और मजदूर की लड़ाई है। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि राहुल गांधी जी हमेशा संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ते रहे हैं। भाजपा को राहुल गांधी जी की आवाज दबाने के बजाय जनता के सवालों का जवाब देना चाहिए।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

संक्षिप्त खबरें

युवा आपदा मित्र मदद के लिए तैयार

पटना। बिहार में बाढ़ और अन्य आपदाओं से निपटने के लिए प्रशिक्षित आपदा मित्र की टीम पूरी तरह से तैयार है। लाल टी-शर्ट पहने, गले में आई-कार्ड और सुरक्षा उपकरणों के साथ ये युवा स्वयंसेवक 24 घंटे लोगों की मदद के लिए अलर्ट मोड पर हैं। आपदा मित्रों के हाथ में लाइफ जैकेट, रस्सी और मेगाफोन जैसे जरूरी उपकरण हैं, जो किसी भी आपात स्थिति में लोगों की जान बचाने में मददगार साबित होंगे। टीम का नेतृत्व कर रहे गोपी कुमार सचिव प्रेम यूथ फाउंडेशन ने बताया कि सभी आपदा मित्र को मुस्तैदी से ड्यूटी करने के निर्देश दिए हैं। कौन हैं आपदा मित्र आपदा मित्र भारत सरकार और राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। इसके तहत स्थानीय युवाओं को:1. तैराकी और बचाव कार्य का प्रशिक्षण 2. प्राथमिक चिकित्सा 3. लाइफ जैकेट और रस्सी का उपयोग 4. भीड़ प्रबंधन और जागरूकता फैलाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। रात-दिन करेंगे सेवा आपदा मित्रों ने कहा कि चाहे दिन हो या रात, अगर कहीं भी बाढ़, डूबने या किसी अन्य आपदा की सूचना मिलती है तो वे तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुट जाएंगे। आपदा मित्र प्रिंस ने कहा हमने प्रशिक्षण के दौरान सीखा है कि अपनी जान जोखिम में डालकर भी दूसरों की जान कैसे बचानी है। हम बिहार के हर नागरिक की सुरक्षा के लिए तैयार हैं।प्रशासन ने भी लोगों से अपील की है कि आपदा की स्थिति में घबराएं नहीं और तुरंत आपदा मित्र या प्रशासन को सूचना दें। साप काटने पर झाड़ फूक के चक्कर मे न पड़े सीधे अस्पताल पहुँचे।वर्षा के समय पेड़ के नीचे न रहे बज्रपात से दुर्घटना हो सकती है । नदी में बहाव काफी तेज है अधिक पानी मे जाने से बचें ।

भारत में नौकरी बाजार ने पकड़ी रफ्तार, तीन महीने की गिरावट थमी

पटना। जुलाई 2026 में इनडीड पर भारत में जॉब पोस्टिंग 1.2 प्रतिशत बढ़ीं, जिससे लगातार तीन महीनों से जारी गिरावट थम गई। पिछले साल जुलाई की तुलना में जॉब पोस्टिंग 8.3प्रतिशत अधिक रहीं। महामारी से पहले के स्तर की तुलना में भारत में जॉब पोस्टिंग 84प्रतिशत ज्यादा हैं। इनडीड एपीएसी के सीनियर इकोनॉमिस्ट कैलम पिकरिंग ने कहा कि जुलाई में भारत में नौकरी के अवसरों में थोड़ी बढ़ोतरी हुई और लगातार तीन महीनों से जारी गिरावट रुक गई। यह बढ़ोतरी भले ही धीरे हुई है, लेकिन देश में नौकरी के अवसर अभी भी महामारी से पहले के समय की तुलना में काफी ज्यादा हैं। दूसरे देशों के मुकाबले भारत में नौकरियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हालांकि अलग-अलग क्षेत्रों की तस्वीर अलग है। हेल्थकेयर और केयर-इकोनॉमी से जुड़े कामों में मांग बढ़ रही है, जबकि आईटी और सॉफ्टवेयर समेत टेक्नोलॉजी क्षेत्र में नियुक्तियां कम हो रही हैं। पिछले तीन महीनों में करीब 80प्रतिशत नौकरी श्रेणियों में जॉब पोस्टिंग बढ़ीं। मेडिकल टेक्नीशियन की नौकरियों में 30प्रतिशत, चाइल्डकेयर में 26प्रतिशत, डॉक्टर और सर्जन में 26प्रतिशत तथा थेरेपी से जुड़ी नौकरियों में 25प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। वहीं आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑपरेशंस और सपोर्ट में 24प्रतिशत, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट में 18प्रतिशत, डेटा और एनालिटिक्स में 14प्रतिशत तथा आईटी सिस्टम्स एवं सॉल्यूशंस में 11प्रतिशत की कमी दर्ज हुई। रिपोर्ट के अनुसार, एआई का प्रभाव अब केवल टेक्नोलॉजी क्षेत्र तक सीमित नहीं है। मार्च 2026 की तिमाही में भारत में 349 जॉब टाइटल्स, यानी करीब 6.6प्रतिशत जॉब टाइटल्स में एआई से जुड़ी जानकारी शामिल थी। इनमें 42प्रतिशत नॉन-टेक नौकरियां थीं। एआई अब नई नौकरियां पैदा करने के साथ-साथ पहले से मौजूद नौकरियों के काम और जिम्मेदारियों को भी बदल रहा है।

पंखा लगाने के दौरान करंट की चपेट में आया युवक, मौत

एकमा (सारण)। एकमा थाना क्षेत्र के माने गांव में सोमवार की रात करंट लगने से 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान माने गांव निवासी स्वामीनाथ साह के पुत्र राजू कुमार साह के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई, वहीं गांव में मातम पसर गया। बताया गया कि राजू कुमार घर की गैलरी में स्टैंड पंखा लगाकर सो रहा था। पंखा घुमाने के दौरान उसमें अचानक बिजली का करंट प्रवाहित हो गया, जिसकी चपेट में आने से राजू गंभीर रूप से झुलस गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही एकमा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, छपरा भेज दिया। मृतक की 10 वर्षीय छोटी बहन चांदनी कुमारी ने बताया कि घटना के समय उसका भाई घर में अकेले सो रहा था। उसके पिता स्वामीनाथ प्रसाद और मां मुन्ना देवी करीब एक सप्ताह पूर्व इलाज के लिए दिल्ली गए हैं। वहीं छोटा भाई सुमित कुमार (20) गुजरात में रहकर एक निजी कंपनी में नौकरी करता है। राजू चार बहनों के बीच सबसे बड़े भाई थे। उनकी बहनों में सलौनी कुमारी, चांदनी कुमारी, नंदनी कुमारी।

उद्यमियो की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करे : डीएम

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को वर्चुअल माध्यम से उद्योग विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में उद्योगो के विकास एवं विस्तार, उद्यमियो को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, विभिन्न विभागों से संबंधित प्रक्रियाओं तथा उद्यमियों के समक्ष आने वाली समस्याओं के समाधान को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। डीएम ने उद्योग क्षेत्र से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की जानकारी लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों से वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उद्यमियों की समस्याओं, उनके समाधान, सरकारी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ दिलाने तथा उद्योग संचालन में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों को दूर करने पर चर्चा हुई।बैठक में फायर सेफ्टी से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी जानकारी साझा की गई। उद्योगों एवं प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा के आवश्यक मानकों, सावधानियों एवं प्रावधानों के संबंध में चर्चा की गई। इसके अलावा उद्योगों से संबंधित विधिक एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी दी गई, ताकि उद्यमी निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं के अनुरूप कार्य कर सकें।डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि उद्यमियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाए और उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने तथा उद्यमियों को सरकारी योजनाओं एवं प्रावधानों की समुचित जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर दिया।उन्होंने कहा कि जिले में उद्योग एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए जरूरी है कि उद्यमियों को सरकारी योजनाओं का लाभ सुगमता से मिले और उन्हें अनावश्यक कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़े। संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए उद्यमियों की समस्याओं एवं सुझावों पर त्वरित कार्रवाई करें। बैठक में जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक अमित विक्रम भारद्वाज, डीजीएम बियाडा, क्षेत्रीय प्रबंधक लौहट एवं पंडौल सहित उद्योग विभाग एवं संबंधित अन्य विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रेमचंद सिंह ने संभाला छपरा सदर-2 एकमा एसडीपीओ का पदभार, अपराध नियंत्रण को बताया प्राथमिकता

प्रात: किरण संवाददाता

एकमा (सारण)। गृह विभाग के द्वारा स्थानांतरण के बाद सोमवार की देर शाम छपरा सदर-2, एकमा के नए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) के रूप में प्रेमचंद सिंह ने पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने क्षेत्र में विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण को अपनी प्राथमिकता बताया। एसडीपीओ प्रेमचंद सिंह ने कहा कि आम लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास कायम करना और उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना पुलिस की जिम्मेदारी है। क्षेत्र में कानून का राज कायम रखने के लिए पुलिस पूरी तत्परता के साथ कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने क्षेत्र में शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पदाधिकारियों को पूरी गंभीरता के साथ कार्य करने का संदेश दिया। एसडीपीओ कार्यालय पहुंचने पर निवर्तमान एसडीपीओ राजकुमार ने प्रेमचंद सिंह का स्वागत किया। इस दौरान कार्यालय में मौजूद पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने भी नए एसडीपीओ का स्वागत किया। पदभार ग्रहण करने के बाद प्रेमचंद सिंह ने पुलिस पदाधिकारियों से क्षेत्र की विधि-व्यवस्था, अपराध की स्थिति और प्रमुख मामलों की जानकारी ली। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से समन्वय के साथ कार्य करते हुए आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

अवैध नर्सिंग होम को सीएस ने किया सील

प्रात: किरण संवाददाता

मनीगाछी(दरभंगा)। प्रखंड क्षेत्र की नेहरा पूर्वी पंचायत के नेहरा लुल्हवा चौक स्थित श्याम सहनी के मकान में अवैध रूप से संचालित मिथिला इमरजेंसी हॉस्पिटल को सी एस ने सोमवार को सील कर दिया है। बताया जाता है कि बिना अनुज्ञप्ति एवं स्वास्थ्य सेवा के मानकों के विपरीत वर्षों से चलाए जा रहे इस अस्पताल में इलाज के दौरान गत वर्ष जगदीशपुर गांव निवासी व भाजपा नेता बच्चा बाबू सहनी की मौत हो चुकी थी। इनकी मौत पर लोगों ने हंगामा भी किया था। अवैध रूप से चल रहे इस अस्पताल के संबंध में लगातार मिल रही शिकायतों पर सोमवार को सी एस ने छापेमारी कर इसे सील कर दिया। जांच के दौरान सी एस डा अरूण कुमार ने बताया कि इस संबंध में कानून सम्मत उचित कार्रवाई की जाएगी। वहीं स्थानीय लोगों ने सीएस द्वारा की गई कार्रवाई को महज खानापूरी बताया। लोगों ने बताया कि लैब रूम सहित कई रूम को बंद नहीं किया गया है।सिर्फ तीन रूम में ही ताला लगाया गया है। लोगों ने बताया कि एक ही मकान में अवैध रूप से नर्सिंग होम एवं व्यवसायिक विवाह भवन चल रहा है। विवाह भवन में भी कभी भी अनहोनी की घटना घट सकती है। लेकिन प्रशासन इस पर मौन है।

युवा संस्कृत शब्दों का प्रयोग शुरू करें : कुलपति

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा । संस्कृत को समाज में लोकप्रिय बनाने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। आज हिंदी में बातचीत के दौरान युवा अंग्रेजी शब्दों और वाक्यों का धड़ल्ले से प्रयोग करते हैं। समय की मांग मानकर वे अंग्रेजी बोल सकते हैं, लेकिन फैशन में ही सही, व्यवहार में संस्कृत शब्दों का प्रयोग भी शुरू करें। इससे वे गर्व से कह सकेंगे कि उन्हें हिंदी, अंग्रेजी के साथ संस्कृत भी आती है। दस दिनों में मात्र 20 घंटे के प्रशिक्षण से संस्कृत बोलना, पढ़ना और लिखना सीखा जा सकता है। यह बात संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. लक्ष्मी निवास पांडेय ने सोमवार को दरबार हॉल में संस्कृत सप्ताह समारोह के समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कही। कुलपति ने कहा कि संस्कृत दिवस केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि संस्कृत के विकास और उसकी सामाजिक स्वीकार्यता बढ़ाने का संकल्प लेने का अवसर है। भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संस्कृत का अध्ययन आवश्यक है। युवाओं को संस्कृत से जोड़ने के निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए। सारस्वत अतिथि पूर्व कुलपति डॉ. रामचन्द्र झा ने कहा कि सनातन धर्म के मूल ग्रंथ संस्कृत में हैं। उन्होंने श्रावण पूर्णिमा, संस्कृत दिवस, उपाकर्म, रक्षाबंधन एवं झूलन पर्व की महत्ता पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि संस्कृत भारती के क्षेत्र मंत्री प्रो. श्रीप्रकाश पांडेय ने कहा कि भाषा है, तभी भाषण है। संस्कृत सम्भाषण को बढ़ावा देने के लिए संस्कृत भारती के प्रयासों की जानकारी देते हुए उन्होंने संस्कृत को कठिन, निर्जीव अथवा वर्ग विशेष की भाषा मानने जैसी मानसिकता दूर करने का आह्वान किया। डीन प्रो. पुरेन्द्र वारिक ने स्वागत भाषण, कुलसचिव डॉ. दिनेश झा ने धन्यवाद ज्ञापन तथा डॉ. सुधीर कुमार ने साप्ताहिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। वैदिक मंगलाचरण छात्र विश्वमोहन झा ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एल. सविता आर्य ने किया। मौके पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

आइसा और आरवाईए द्वारा 2 सितंबर को विश्वविद्यालय स्तर पर छात्र-युवा संसद का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बदहाल शिक्षा, शैक्षणिक अराजकता व बेरोजगारी के खिलाफ जेन जी आंदोलन की दिशा में आइसा और आरवाईए के द्वारा 2 सितंबर को बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के स्तर पर मुजफ्फरपुर समाहरणालय परिसर में छात्र-युवा संसद का आयोजन किया गया है। संसद में शहर से गांव तक के सैकडों.छात्र - छात्राएं , नौजवान व सामाजिक कार्यकर्ता भाग लेंगे। जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष धनंजय , आरवाईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष व माले के पूर्व विधायक अजीत कुमार कुशवाहा, राज्य सचिव व पूर्व विधायक शिव प्रकाश रंजन, ऐपवा की राष्ट्रीय महासचिव व माले पॉलिट ब्यूरो सदस्य मीना तिवारी सहित कई छात्र - युवा नेता भी संसद में भाग लेंगे और संबोधित करेंगे। आइसा के मुजफ्फरपुर जिला संयोजक नीरज कुमार, आरवाईए के जिला अध्यक्ष विवेक कुमार और महानगर अध्यक्ष शफीकुर रहमान ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह कहा है। उन्होंने कहा है कि संसद की तैयारी में सभी स्तर के कॉलेज, शैक्षणिक संस्थाओं और विद्यालयों में टीम बना कर संपर्क, बैठक व पर्चा वितरण जारी है। बुद्धिजीवियों व सामाजिक कार्यकताओं को भी आमंत्रित किया जा रहा है। माले जिला सचिव जितेन्द्र यादव ने कहा है कि छात्र-युवा संसद में भाग लेने के लिए माले कार्यकर्ता भी शहर से गांव तक छात्र-युवाओं को गोलबंद करने में जुटे हैं। कॉलेज के साथ हाई स्कूल से भी अच्छी संख्या में छात्र-छात्राओं की भागीदारी होगी। जंतर-मंतर आंदोलन के बाद जेन जी के साथ जेन अल्फा भी शैक्षणिक बदहाली के खिलाफ आंदोलनरत हैं और वे भी इस संसद में भाग लेंगे और अपनी बातों को रखेंगे।आइसा और आरवाईए के कार्यकर्ता माईक से प्रचार और नुक्कड़ सभा भी कर रहें हैं।

राज परिसर के रुद्रेश्वरी काली व कामेश्वरी श्यामा मंदिर का जीर्णोद्धार संपन्न

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। माधवेश्वर स्थित कामेश्वरनगर राज परिसर में श्रीश्री 108 मां रुद्रेश्वरी काली मंदिर एवं श्रीश्री 108 कामेश्वरी श्यामा मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य संपन्न होने पर समारोह आयोजित किया गया। जीर्णोद्धार कार्य कामेश्वर धार्मिक न्यास के ट्रस्टी कुमार राजेश्वर सिंह एवं कुमार कपिलेश्वर सिंह के सौजन्य से कराया गया। उद्घाटन ट्रस्टी कुमार कपिलेश्वर सिंह, उनकी पत्नी रानी कविता कुमारी सिंह एवं पुत्र कुमार अरिहंत सिंह ने किया। समारोह की शुरूआत माता की विशेष पूजा, शंखवादक विपिन मिश्रा के मंत्रोच्चारण एवं आरती से हुई। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुमार कपिलेश्वर सिंह ने दरभंगा राजवंश के पूर्वजों को स्मरण करते हुए कहा कि मां रुद्रेश्वरी काली महाराजा रुद्र सिंह की समाधि स्थल पर विराजमान हैं। महाराजा रुद्र सिंह दरभंगा राज के अठारहवें अधिपति थे। उन्होंने मिथिला में आधुनिक शिक्षा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष 1835 में मुजफ्फरपुर में अंग्रेजी शिक्षा के प्रथम संस्थान ह्यएंग्लो वर्नाक्युलर स्कूलह्ल की स्थापना के लिए उन्होंने पांच हजार रुपये एवं भूमि दान की थी।उन्होंने बताया कि महाराजा रुद्र सिंह की समाधि पर मंदिर का निर्माण वर्ष 1855 में उनके पुत्र महाराजा महेश्वर सिंह ने कराया था। वहीं महाराजाधिराज डॉ. सर कामेश्वर सिंह की समाधि स्थल पर कामेश्वरी श्यामा मंदिर का निर्माण वर्ष 1965 में महारानी राजलक्ष्मी ने अपनी निजी संपत्ति से कराया था। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय ने कहा कि दरभंगा राज धर्म, शिक्षा, कला, खेल एवं स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपने योगदान के लिए प्रसिद्ध रहा है। उन्होंने कुमार कपिलेश्वर सिंह द्वारा धरोहर संरक्षण एवं समाज उत्थान के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संतोष कुमार ने किया। कार्यक्रम में डॉ हेमपति झा, वरिष्ठ प्रचारक डॉ विनोद यादव,कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्विद्यालय के कुलसचिव डॉ दिनेश झा, भाजपा नेता रंगनाथ ठाकुर, दरभंगा राज के मुख्य प्रबंधक आशुतोष दत्ता, अमरकांत झा,भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री मीना झा, मंजेश चौधरी, निखिल खेरिया, प्रियांशु झा, प्रदीप गुप्ता, ठाकुर भूपेंद्र किशोर, डॉ गोपाल ठाकुर, संजीव झा, लक्ष्मीनारायण झा,लम्बोदर झा, रमेश झा,आशीष झा,बबलू त्रिगुणायत, संतोष सिंह, राजीव प्रकाश मधुकर, सत्यम सिंह,मनोज साह, आयुष वैभव, नंदू पासवान, सुनील राय, राजू मंडल,मुरली शंकर, राम कृष्ण लाल दास, जितेंद्र ठाकुर, अशोक मंडल,मुकेश झा, प्रभाकर कुमार, आदि हजारों श्रद्धालु उपस्थित थे।

कायस्थ क्लब के स्थापना दिवस पर समारोह पूर्वक स्मारिका का लोकार्पण

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। कायस्थ क्लब, दरभंगा का स्थापना दिवस समारोह सीतायन विवाह भवन में वरिष्ठ पत्रकार अमरेश्वरी चरण सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। समारोह में क्लब की ओर से प्रकाशित स्मारिका ह्यकायस्थ दर्शनह्ल का लोकार्पण किया गया तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले चित्रांशों को ह्यचित्रांश गौरव सम्मानह्ल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री चित्रगुप्त के स्तवन एवं आरती से हुआ। इसके बाद दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया गया। श्रद्धा सुरभि ने ह्यवंदे मातरम्ह्ल प्रस्तुत कर वातावरण को देशभक्ति से भर दिया। प्रो. आशुतोष कुमार वर्मा के संपादन में प्रकाशित स्मारिका का लोकार्पण मंचासीन अतिथियों ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम संयोजक अभिषेक कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। प्रो. समीर कुमार वर्मा ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक एवं सांस्कृतिक वातावरण बनाने के साथ लोगों को अपनी परंपरा और विरासत से जोड़ते हैं। कायस्थ क्लब के संयोजक शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि क्लब में सभी सदस्य समान सम्मान एवं दायित्व के अधिकारी हैं। भगवान चित्रगुप्त को मार्गदर्शक मानकर क्लब सामाजिक एकजुटता और समाजहित में कार्य करता है। अध्यक्षीय संबोधन में अमरेश्वरी चरण सिन्हा ने कहा कि कायस्थ समाज भारत की विराट सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग है। समाज के महापुरुषों, साहित्यकारों, शिक्षाविदों एवं प्रशासकों ने राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्तमान पीढ़ी को इस गौरवशाली परंपरा से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र के विकास में भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं गरिमामय बनाने में सुरेंद्र कुमार, सुरेंद्र नाथ श्रीवास्तव, बसंत श्रीवास्तव, नवीन कुमार, अशोक कुमार श्रीवास्तव,प्रो राकेश रंजन, राजीव कुमार सिन्हा, जलज कुमार गोपी, नीरज कुमार चंदन , विवेक, संतोष कुमार सहित कायस्थ क्लब के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंशराज की सांगीतिक प्रस्तुति से श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। धन्यवादज्ञापन अखिलेश कुमार लाल ने किया।

अवैध रूप से आवास का लाभ लेने वाले लाभार्थी को बीडीओ ने किया नोटिस

प्रात: किरण संवाददाता

मनीगाछी(दरभंगा).बघांत पंचायत निवासी अजय कुमार झा को आवास योजना के तहत अवैध रूप से लाभ लेने के आरोप में बी डी ओ संदीप कुमार पाण्डेय ने नोटिस जारी किया है।बी डी ओ के पत्रांक 1891 दिनांक 31/8/26 के अनुसार बघांत गांव निवासी ललन कुमार झा ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। दर्ज शिकायत की आवास पर्यवेक्षक द्वारा कराई गई भौतिक जांच में अजय कुमार झा एक हार्डवेयर दुकान के मालिक के साथ ही ट्रैक्टर एवं पक्का मकान के मालिक की सच्चाई सामने आई है। पर्यवेक्षक की रिपोर्ट पर उन्हें नोटिस जारी करते हुए तीन दिनों के भीतर अपना पक्ष रखने एवं सरकारी राशि की वापसी का निर्देश दिया गया है।83 लाभार्थियों को दिया गया नोटिस। प्रखंड के 83 लाभार्थियों को आवास योजना की राशि लेकर घर नहीं बनाने के आरोप में नोटिस जारी किया गया है।बी डी ओ संदीप कुमार पाण्डेय ने बताया कि यह राशि वर्ष 24-25 वित्तीय वर्ष में ही लाभार्थियों द्वारा ली गई है। जांच में ऐसे लाभार्थियों द्वारा घर नहीं बनाए जाने पर इन्हें नोटिस जारी किया गया है।समय पर जबाव नहीं देने पर इनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में कार्यकर्ता निभाएं सक्रिय भूमिका : डॉ. रामचंद्र प्रसाद

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। भाजपा जिला कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की जिला बैठक किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष ब्रह्मानंद यादव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संगठन को मजबूत एवं सक्रिय बनाने, किसानों से जुड़े मुद्दों तथा आगामी संगठनात्मक एवं जनसरोकार से जुड़े कार्यक्रमों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए बिहार सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. रामचंद्र प्रसाद ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण विकास की रीढ़ हैं। किसानों के हित में सरकार लगातार विभिन्न योजनाओं को लागू कर रही है। कार्यकताओं की जिम्मेदारी है कि सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक रूप से किसानों तक पहुंचे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन का कृषि पर पड़ने वाले प्रभाव की चर्चा करते हुए किसानों के बीच जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया। प्रदेश किसान मोर्चा के अध्यक्ष राम सुमिरन सिंह ने कहा कि किसान मोर्चा भाजपा संगठन का महत्वपूर्ण अंग है। गांव-गांव तक संगठन की पहुंच मजबूत करने में मोर्चा कार्यकताओं की अहम भूमिका है। उन्होंने किसानों से लगातार संपर्क स्थापित कर उनकी समस्याओं को समझने और समाधान के लिए प्रयास करने का आह्वान किया। बैठक में मंडल एवं पंचायत स्तर पर संगठन को सक्रिय बनाने, अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी आम किसानों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण मन्ना, जिला प्रभारी मणिकांत मिश्रा, अभयानंद झा, जीवछ सहनी, नीरज नयन, राजकुमार मलाकार, जितेंद्र महतो, मिथिलेश कुमार, रेणु भारत, रिंकी कुमारी, विभा देवी, संजय यादव, सीताराम यादव, रामकुमार सिंह, रामकुमार मिश्रा, जितेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

मुसहर टोली के बच्चों की शिक्षा के साथ हो रहा है खिलवाड़

पटना। बिहार के सरकारी स्कूलों की जमीनी हकीकत बड़े-बड़े दावों की पोल खोल रही है। ताजा मामला जगदीशपुर प्रखंड के उत्तरदाहां पंचायत स्थित शिवगंज नया प्राथमिक विद्यालय, मुसहर टोली का है, जहां गरीबों और वंचितों के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। आइसा और आरवाईए के संयुक्त नेताओं द्वारा किए गए औचक निरीक्षण में विद्यालय की बदहाल शिक्षा व्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं की पोल खुलकर सामने आ गई है। एक कमरे में दो-दो कक्षाएं और शिक्षकों की भारी कमी-यह विद्यालय कक्षा 1 से 5 तक संचालित होता है, लेकिन यहां मात्र तीन शिक्षक कार्यरत हैं। शिक्षकों की भारी कमी के कारण शिक्षण व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। आलम यह है कि कक्षा 1 और 2 के बच्चों को एक ही कमरे में तथा कक्षा 3, 4 और 5 के बच्चों को एक साथ दूसरे कमरे में बैठाकर पढ़ाया जा रहा है। इस तरह की व्यवस्था से सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि गरीब परिवारों के नौनिहालों को किस स्तर की शिक्षा मिल रही है। कीचड़ और पानी पार कर स्कूल जाने को विवश मासूम -विद्यालय तक पहुंचने वाला रास्ता बेहद जर्जर और खतरनाक स्थिति में है। स्कूल जाने वाले रास्ते में काफी दूर तक जलजमाव और गहरे गड्ढे बने हुए हैं। स्थिति इतनी दयनीय है कि कई बच्चे स्कूल आते-जगत अपने बस्ते और किताबों के साथ पानी और कीचड़ में गिर जाते हैं। बच्चों की सुरक्षा को ताक पर रखकर बनाए गए इस रास्ते ने सरकार और प्रशासन के दावों की हवा निकाल दी है। आधार कार्ड के नाम पर शिक्षा से वंचित करने का षड्यंत्र - निरीक्षण के दौरान एक बेहद गंभीर मामला सामने आया कि आधार कार्ड नहीं होने के कारण कई बच्चों का विद्यालय में नामांकन नहीं किया जा रहा है। नेताओं ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत किसी भी बच्चे को कागजी औपचारिकताओं या आधार कार्ड के अभाव में शिक्षा से वंचित करना पूरी तरह गैर-कानूनी और अमानवीय है। सरकार के खिलाफ नेताओं का तीखा हमला-मौके पर मौजूद नेताओं ने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि बिहार में शिक्षा व्यवस्था को लेकर सरकार केवल झूठे और खोखले दावे करती है, जबकि जमीनी सच यह है कि सरकारी स्कूलों में न तो पर्याप्त शिक्षक हैं, न सुरक्षित रास्ते हैं और न ही बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार तत्काल विशेष कैंप लगाकर मुसहर टोली के बच्चों का आधार कार्ड बनवाए और यह सुनिश्चित करे कि बिना आधार के किसी भी बच्चे का नामांकन न रुके। नेताओं ने दो टूक शब्दों में कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण सरकारी शिक्षा व्यवस्था लगातार उपेक्षा और तबाही का शिकार हो रही है। निरीक्षण अभियान में शामिल प्रमुख लोग- इस निरीक्षण अभियान और विरोध प्रदर्शन में आइसा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य शाहनवाज खान, आरवाईए के राष्ट्रीय परिषद सदस्य राजू राम, आरवाईए नेता अरविंद कुमार, आइसा नेता इंद्रजीत रावत, साहिल खान, भाकपा माले प्रखंड कमिटी सदस्य व उत्तरदाहा के मुखिया पिंटू प्रसाद, हरेराम तथा गिड़ीक राम प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

पंखा लगाने के दौरान करंट की चपेट में आया युवक, मौत

प्रात: किरण संवाददाता

एकमा (सारण)।एकमा थाना क्षेत्र के माने गांव में सोमवार की रात करंट लगने से 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान माने गांव निवासी स्वामीनाथ साह के पुत्र राजू कुमार साह के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई, वहीं गांव में मातम पसर गया। बताया गया कि राजू कुमार घर की गैलरी में स्टैंड पंखा लगाकर सो रहा था। पंखा घुमाने के दौरान उसमें अचानक बिजली का करंट प्रवाहित हो गया, जिसकी चपेट में आने से राजू गंभीर रूप से झुलस गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही एकमा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, छपरा भेज दिया। मृतक की 10 वर्षीय छोटी बहन चांदनी कुमारी ने बताया कि घटना के समय उसका भाई घर में अकेले सो रहा था। उसके पिता स्वामीनाथ प्रसाद और मां मुन्ना देवी करीब एक सप्ताह पूर्व इलाज के लिए दिल्ली गए हैं। वहीं छोटा भाई सुमित कुमार (20) गुजरात में रहकर एक निजी कंपनी में नौकरी करता है। राजू चार बहनों के बीच सबसे बड़े भाई थे। उनकी बहनों में सलौनी कुमारी, चांदनी कुमारी, नंदनी कुमारी और अंजनी कुमारी शामिल हैं। युवक की अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

प्राइम ग्रुप के नए कमर्शियल प्रोजेक्ट प्राइम स्क्वायर का भूमि पूजन, राजधानी को मिलेगी नई पहचान

पटना । प्राइम ग्रुप के नए कमर्शियल प्रोजेक्ट प्राइम स्क्वायरह्ल का भूमि पूजन सोमवार को जिले के दानापुर-सगुना मोड़ क्षेत्र में विधिवत संपन्न हुआ। दानापुर-खगौल रोड पर सगुना मोड़ से करीब 300 मीटर की दूरी पर, पनाश बैंक्वेट हॉल से सटे विकसित होने वाला यह प्रोजेक्ट क्षेत्र के प्रमुख कमर्शियल डेवलपमेंट के रूप में आकार लेगा। जानकारी के मुताबिक प्राइम ग्रुप की योजना ह्यप्राइम स्क्वायरह्ल को दानापुर-खगौल रोड के सबसे आकर्षक और प्रीमियम कमर्शियल प्रोजेक्ट के रूप में विकसित करने की है। प्रोजेक्ट में आधुनिक कमर्शियल शॉप्स, ऑफिस स्पेस और लग्जरी होटल विकसित किए जाएंगे। आधुनिक वास्तुशिल्प, प्रीमियम सुविधाओं और बेहतर कमर्शियल वातावरण के साथ इसे क्षेत्र के नए व्यावसायिक केंद्र के रूप में विकसित करने की तैयारी है।महाराष्ट्र, कोलकाता और बेंगलुरु में अपनी मौजूदगी के बाद ह्यप्राइम स्क्वायरह्ल बिहार में प्राइम ग्रुप का आठवां प्रोजेक्ट है। भूमि पूजन के दौरान प्राइम ग्रुप के चेयरमैन अपूर्व गौरव, मनीष किशोर एवं अभय कुमार सिंह उपस्थित रहे। मौके पर चेयरमैन अपूर्व गौरव ने बताया कि प्राइम ग्रुप बिहार में अपने विस्तार की दिशा में लगातार नए प्रोजेक्ट ला रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रुप जल्द ही दानापुर-खगौल रोड पर बिहार की सबसे लग्जरी टाउनशिप में से एक लेकर आने वाला है। समारोह में वरिष्ठ अधिवक्ता विनय कुमार, अधिवक्ता विशाल चंद्रा, समाजसेवी साकेत कुमार सिंह व अविनाश कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

मंदिर की 17 एकड़ जमीन की जमाबंदी का मामला गरमाया, धार्मिक न्यास पर्षद ने डीएम से मांगी रिपोर्ट

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मुशहरी की भिखनपुर पंचायत में देवी-देवताओं के नाम दर्ज करोड़ों रुपये की जमीन की कथित अवैध खरीद-बिक्री और रैयतों के नाम जमाबंदी कायम किए जाने का मामला सामने आया है। मामले को बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद ने गंभीरता से लिया है। पर्षद के अध्यक्ष डॉ. रणवीर नंदन ने मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी से पूरे प्रकरण की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। पर्षद ने जमीन की वर्तमान स्थिति के साथ-साथ संबंधित धार्मिक न्यास की चल-अचल संपत्ति और अभिलेख पंजी-दो से मिलान कराकर विस्तृत विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। नए सर्वे खतियान के अनुसार भिखनपुर में लक्ष्मीनारायण जी महाराज, शिवजी महाराज और राम जानकी जी महाराज के नाम कुल 17 एकड़ से अधिक जमीन दर्ज बताई गई है। बताया जा रहा है कि वर्ष 2007-08 के दौरान इस जमीन की खरीद-बिक्री शुरू हुई थी। हालांकि, लंबे समय तक जमीन की सरकारी रसीद देवी-देवताओं के नाम से ही कटती रही। पूर्व मुखिया उमाशंकर प्रसाद सिंह ने जमीन से जुड़ी कथित अनियमितताओं को लेकर जिलाधिकारी, वरीय अधिकारियों और धार्मिक न्यास पर्षद से लिखित शिकायत की थी। शिकायत के बावजूद उस समय ठोस कार्रवाई नहीं होने का आरोप है। मामले की पड़ताल में यह भी आरोप सामने आया है कि वर्ष 2019 के दौरान जमीन की जमाबंदी कथित रूप से रैयतों के नाम स्थानांतरित कर दी गई। एक ही जमीन से जुड़े दाखिल-खारिज आवेदनों पर अलग-अलग आदेश पारित किए जाने से अंचल कार्यालय की कार्यशैली भी सवालों के घेरे में आ गई है। शिकायत में तत्कालीन राजस्व कर्मचारी विश्वनाथ खरवार की भूमिका पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि उन्होंने अपने सगे-संबंधियों के नाम भी देवी-देवताओं की जमीन की रजिस्ट्री कराई। शिकायत के अनुसार, इससे पहले राजस्व कर्मचारी दाखिल-खारिज के कई आवेदनों को अस्वीकृत करता रहा था, लेकिन कथित तौर पर परिजनों के नाम जमीन निबंधित होने के बाद रैयतों के नाम दाखिल-खारिज और जमाबंदी की प्रक्रिया शुरू हो गई। पूरे मामले में तत्कालीन अंचलाधिकारी नगेंद्र कुमार की भूमिका भी जांच के दायरे में होने का दावा किया गया है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि मामले में गंभीर अनियमितताओं के बावजूद अब तक संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों पर ठोस प्रशासनिक कार्रवाई नहीं हुई है। अब धार्मिक न्यास पर्षद की ओर से डीएम से रिपोर्ट मांगे जाने के बाद मामले में जांच और कार्रवाई की उम्मीद बढ़ गई है। पर्षद द्वारा जमीन के अभिलेख, वर्तमान जमाबंदी और धार्मिक संपत्ति की वास्तविक स्थिति की जानकारी मांगी गई है। रिपोर्ट सामने आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि जमीन के हस्तांतरण और जमाबंदी की प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन हुआ है या नहीं।

मुजफ्फरपुर में 1.03 लाख सत्यापन लंबित, 30 सितम्बर तक पेंशनभोगियों को जीवन प्रमाणीकरण का मौका

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। राज्य में पेंशनधारियों के जीवन प्रमाणीकरण के लिए पिछले आठ माह से चल रहे विशेष अभियान के बावजूद अब तक शत-प्रतिशत सत्यापन पूरा नहीं हो सका है। राज्य में अभी 17 लाख 19 हजार 414 पेंशनधारियों का जीवन प्रमाणीकरण लंबित है। वहीं, मुजफ्फरपुर जिले में 1 लाख 3 हजार 144 पेंशनधारियों का सत्यापन होना बाकी है। सामाजिक सुरक्षा निदेशालय की निदेशक डॉ. प्रीति ने सभी जिलाधिकारियों को लंबित जीवन प्रमाणीकरण की सूची भेजते हुए जल्द से जल्द सत्यापन पूरा कराने का निर्देश दिया है। लाभार्थियों को राहत देते हुए जीवन प्रमाणीकरण की अंतिम तिथि 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। जिलाधिकारी कुमार गौरव ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को प्रखंडवार लंबित मामलों की सूची भेजकर निर्धारित समय सीमा के भीतर सत्यापन पूरा कराने की जिम्मेदारी दी है। उन्होंने प्रखंड स्तर पर शिविर आयोजित कर लंबित मामलों का शत-प्रतिशत निष्पादन करने का निर्देश दिया है। मुजफ्फरपुर के मुशहरी प्रखंड में सबसे अधिक 13 हजार 633 पेंशनधारियों का जीवन प्रमाणीकरण लंबित है। पेंशनधारियों को सरकार की ओर से प्रत्येक माह 1100 रुपये उनके बैंक खाते में भेजे जाते हैं। जीवन प्रमाणीकरण नहीं होने की स्थिति में पेंशन की राशि खाते में भेजा जाना बंद हो सकता है। प्रशासन ने मृत पेंशनधारियों को भी चिह्नित करने का निर्देश दिया है। ऐसे लाभार्थियों को ई-लाभार्थी पोर्टल पर डेथ मार्क किया जाएगा। जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग के सहायक निदेशक को पूरे अभियान की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सभी बीडीओ को प्रतिदिन शिविर में हुए सत्यापन की अपडेट रिपोर्ट भेजने को कहा गया है। प्रशासन का लक्ष्य 30 सितंबर तक सभी लंबित जीवन प्रमाणीकरण का सत्यापन पूरा करना है, ताकि पात्र पेंशनधारी योजना के लाभ से वंचित न रहें।

डॉ महेंद्र मधुकर के उपन्यास देवराज इन्द्र का लोकार्पण

प्रात : किरण संवाददाता

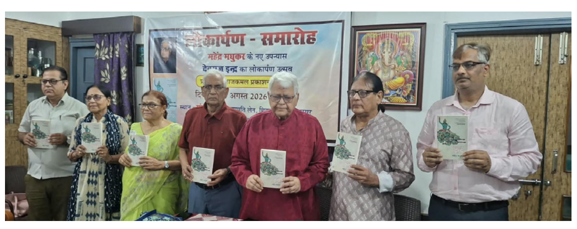

मुजफ्फरपुर। स्थानीय मिठनपुरा स्थित मंजुलप्रिया के सभागार में मदर टेरेसा विद्यापीठ, मृणाल कला मंच, प्रवासना विचार गोष्ठी के संयुक्त तत्वावधान में जाने-माने साहित्यकार डॉ महेंद्र मधुकर के उपन्यास देवराज इन्द्र का लोकार्पण हुआ। विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ संजय पंकज ने कहा कि साहित्य की समस्त विधाओं में दायित्वपूर्ण लेखन करने वाले मधुकर जी एक रससिद्ध, भाषा वैभव संपन्न बड़े कवि गीतकार हैं। इनके कई महत्वपूर्ण और चर्चित उपन्यासों के बाद इस उपन्यास का आना साहित्य के लिए अतिविशिष्ट और महत्वपूर्ण है। विषय वैविध्य इनके उपन्यासों में सार्थकता और व्यापकता के साथ है। डॉ पंकज ने विस्तार से बोलते हुए कहा कि देवराज इन्द्र उपन्यास सांस्कृतिक प्रतिबोध की पौराणिक कथा होकर भी आधुनिक है। सत्ता का स्वभाव शकालु और डरपोक होता है। इन्द्र सत्ता की ऐषणा और मदांधता से ग्रस्त हैं। शौर्य उनके व्यक्तित्व में भरपूर है मगर भोग की अतिलिप्सा उनकी छवि को क्षीण करती है। लोकार्पण उत्सव के अध्यक्ष डॉ रिपुसूदन श्रीवास्तव ने अपने उद्गार में कहा कि मधुकर जी का यह उपन्यास अपने कथ्य और शिल्प के कारण लोकप्रिय होगा। परिवेश और वातावरण का सम्मोहक चित्रण इसकी विशेषता है। डॉ पूनम सिन्हा ने विस्तार से बोलते हुए कहा कि इस उपन्यास में मानव और प्रकृति का सामंजस्यपूर्ण संबंध स्थापित है। लेखक ने सारे पात्रों के साथ न्याय किया है। डॉ पूनम सिंह ने कहा कि स्त्री चेतना की नई उड़ान उपन्यास को समय सजग बनाती है। अपने भावोद्गार में डॉ महेंद्र मधुकर ने कहा कि देवताओं के राजा इंद्र के विसंगति भरे हृदय में स्त्रियों के विद्रोह से परिवर्तन का आख्यान यह उपन्यास सनातन का ऐश्वर्यपूर्ण दर्शन है। दूसरे सत्र में कविगोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें संजय पंकज, पूनम सिन्हा, श्रवण कुमार, पूनम सिंह, अनीता सिंह, सविता राज, चांदनी समर, उदय नारायण सिंह, लोकनाथ मिश्र, आकांक्षा ने अपनी विविध भावों की रचनाओं का सुमधुर पाठ किया। कुमार विभुति, सुरेश कुमार गुप्ता, मिलन दास, मौली दास, मानस दास, आरती कुमारी ने भी विचार प्रकट किए। संचालन संजय पंकज तथा धन्यवादज्ञापन सतीश चंद्र झा ने किया।

मासिक कवि गोष्ठी सह मुशायरा आयोजित

मुजफ्फरपुर। छोटी सरैयागंज स्थित नवयुवक समिति के सभागार में श्री नटवर साहित्य परिषद् के तत्वावधान में रविवार को मासिक कवि गोष्ठी सह मुशायरा का आयोजन किया गया। कवि गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ कवयित्री डॉक्टर शैल कुमारी केजरीवाल तथा संचालन दीनबंधु आजाद ने किया। कवि गोष्ठी का शुभारंभ आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री के गीत से हुआ जिसका सस्वर पाठ वरिष्ठ कवि अंजनी कुमार पाठक ने किया। हास्य व्यंग्य की रचनाओं के सशक्त हस्ताक्षर डॉक्टर जगदीश शर्मा की रचना ह्ल...भूचाल चीन में आया,जल प्रलय नेपाल में आया... ह्व कवि ओम प्रकाश गुप्ता की रचना ह्लअवसर तलाशने का,कोई अवसर तलाशिए ...ह्व कवि गोष्ठी की अध्यक्षता कर रही कवयित्री शैल कुमारी केजरीवाल की रचना ह्ल वर्तमान की त्रासदी मेंह्व, कवि गोष्ठी का संचालन कर रहे कवि दीनबंधु आजाद की रचना ह्ल ईश्वर का दिया कभी अल्प नहीं होता,जो टूट जाए वो संकल्प नहीं होताह्व, कवि डॉक्टर दिनेश प्रसाद सिन्हा की रचना ह्ल गुल से वास्ता हम मिटाएंगे,गुलशन में बबूल हम उगाएंगेह्व, कवयित्री डॉक्टर सुप्रिया सोनी की रचना ह्ल सब रूप रंग पर मरते हैं,मैं हूँ काली कोयल लड़कीह्व कवि अरुण कुमार तुलसी की रचना ह्ल सावन की रिमझिम बूंदें,मन में आग लगाईंह्व,भोजपुरी के प्रसिद्ध कवि सतेंद्र कुमार सत्येन की भोजपुरी रचना ह्लगोकुल ताजी श्याम कहां जात बानीह्व,कवि अंजनी कुमार पाठक की रचना ह्लजब तक जीवन नेकी है करना,जीवन है सुख दुख है रहनाह्व,कवि उमेश राज की रचनाह्लआंसू आंखों के सारे जाम हो गए,मयकदे सारे अब तो धाम हो गए ह्व...ह्लकवि अशोक भारती की रचनाह्लतुम साथ चलोगे जहां जहां, राहों फूल बिछा देंगेह्व। रघुनाथ मोहबतपुरिया की बज्जिका रचना ह्ल कईसन मजा बाटे चमचागीरी मेंह्व ने श्रोताओं की भरपूर तालियां बटोरी कवि गोष्ठी में श्री नवयुवक समिति ट्रस्ट के उपाध्यक्ष रणवीर अभिमन्यु,नागरिक मोर्चा के महासचिव मोहन सिन्हा,नंदकिशोर पोद्दार,सुरेंद्र कुमार,हीरालाल गुप्ता,अजय कुमार सहित भारी संख्या में श्रोताओं की उपस्थिति रही। उपस्थित कवियों एवं श्रोताओं ने बिहार के सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं बिहार गीत के रचनाकार स्व. सत्यनारायण जी के देहावसान पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया एवं उनकी आत्मा के शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

अहियापुर जमीन विवाद में अब तक 28 प्राथमिकी सात आरोपी गिरफ्तार,जेसीबी भी जब्त

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। अहियापुर थाना क्षेत्र में पूर्व से निर्मित चहारदीवारी और घरों में तोड़फोड़ तथा जमीन पर कब्जे के आरोपों से जुड़े मामले में पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस के अनुसार इस पूरे प्रकरण में अब तक अहियापुर, ब्रह्मपुरा, कच्ची-पक्की (सदर) और बेलसंड थाना क्षेत्रों में कुल 28 प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है, जबकि सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एसएसपी कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार , 28 अगस्त को एक महिला की ओर से ब्रह्मपुरा थाना में दिए गए आवेदन के आधार पर कांड संख्या 259/26 दर्ज किया गया। आवेदन में महिला ने आरोप लगाया है कि पैगम्बरपुर कोल्हुआ स्थित उनके पति की जमीन से संबंधित दस्तावेजों में कथित धोखाधड़ी और जालसाजी कर 35 लाख रुपये की राशि दशार्ते हुए फर्जी बिक्री अभिलेख तैयार कराया गया। बिक्री अभिलेख में एसबीआई के चेक से राशि प्राप्त होने का उल्लेख होने का दावा किया गया है, जबकि आवेदिका के अनुसार उनके और उनके पति के बैंक खाते में उक्त राशि प्राप्त नहीं हुई। आवेदन में राहुल ठाकुर, उज्ज्वल कुमार पाण्डेय, कार्तिक कुमार, बेलसंड के विधायक अमित कुमार रानू, उनके भाई सोनू कुमार उर्फ अभिनव समेत अन्य लोगों पर मिलीभगत कर जमीन से संबंधित कथित अनियमितता करने का आरोप लगाया गया है। महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि बैरिया स्थित उनके घर के छह कमरों में तोड़फोड़ कर संबंधित जमीन पर जबरन कब्जा किया गया। पुलिस के अनुसार, एक अन्य मामले में कूटरचित दस्तावेज के आधार पर दाखिल-खारिज कराने तथा बाद में 70 डिसमिल जमीन को सोनू कुमार उर्फ अभिनव, अरविंद कुमार मेहता और तुषार सिंह के नाम पर दर्ज कराने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने बताया कि दाखिल-खारिज को निरस्त कराने के लिए भूमि उप समाहर्ता, मुजफ्फरपुर के समक्ष दो वाद भी दर्ज कराए गए हैं। इस मामले में अहियापुर थाना कांड संख्या 1375/26 दर्ज कर सोनू कुमार उर्फ अभिनव कुमार, अरविंद कुमार मेहता, तुषार सिंह, अंचल कर्मचारी सुनील कुमार, अनुज कुमार, राजस्व कर्मचारी करुण कुमार, तत्कालीन अंचल अधिकारी महेंद्र शुक्ला और विधायक अमित कुमार रानू को नामजद किया गया है। प्राथमिकी में लगाए गए आरोपों की पुलिस जांच कर रही है। इधर, पुलिस ने पूर्व के मामलों में कार्रवाई करते हुए चहारदीवारी और घरों में तोड़फोड़ में कथित रूप से प्रयुक्त जेसीबी मशीन जब्त कर लिया है। पुलिस के जेसीबी के मालिक सुबोध राय को भी गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों में नन्हे सिंह और छोटू कुमार उर्फ छोटू यादव (दोनों बेलसंड, सीतामढ़ी), सुमित कुमार श्रीवास्तव (मोतीपुर), सन्नी सिंह (अहियापुर), आनंद कुमार (महुआ, वैशाली, वर्तमान पता अहियापुर), विकास राठौड़ (तरियानी छपरा, शिवहर, वर्तमान पता अहियापुर) तथा जेसीबी मालिक सुबोध राय (सदातपुर, कांटी) शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि जमीन विवाद से जुड़े मामलों में आगे की कार्रवाई जारी है। प्राथमिकी में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी।

बेखौफ झपटमार, दो महिलाओं से लाखों के गहने छीनकर फरार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शहर में पुलिस गश्ती और प्रमुख चौराहों पर लगे हाईटेक सीसीटीवी कैमरों के बावजूद झपटमारी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। सिकंदरपुर और अहियापुर थाना क्षेत्रों में बाइक और स्कूटी सवार बदमाशों ने दो महिलाओं को निशाना बनाकर सोने के आभूषण झपट लिए। दोनों वारदातों के बाद पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालकर बदमाशों की पहचान और गिरफ्तारी में जुटी है। सिकंदरपुर थाना क्षेत्र में ई-रिक्शा से बाबा गरीबनाथ मंदिर जा रही महिला को बदमाशों ने निशाना बनाया। पीड़िता मुनचुन गुप्ता ने पुलिस को बताया कि वह पूजा-अर्चना के लिए मंदिर जा रही थीं। इसी दौरान स्कूटी सवार दो अज्ञात बदमाश उनके ई-रिक्शा के पास पहुंचे। स्कूटी पर पीछे बैठे बदमाश ने अचानक उनके गले पर झपट्टा मारकर करीब 30 ग्राम सोने का मंगलसूत्र और ढोलना छीन लिया। छीने गए आभूषणों की कीमत करीब 4.50 लाख रुपये बताई गई है। घटना के बाद बदमाश तेजी से फरार हो गए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, अहियापुर थाना क्षेत्र के जय प्रकाश नगर, पुरानी मोतिहारी रोड में रात करीब नौ बजे एक महिला से सोने की चेन झपट ली गई। महिला मोहल्ले के रास्ते से पैदल जा रही थीं। इसी दौरान पीछे से पैदल आए बदमाश ने उनके गले पर झपट्टा मारकर सोने की चेन नोच ली। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश पहले से स्टार्ट बाइक पर मौजूद अपने साथी के साथ बैरिया की ओर फरार हो गया। महिला की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोगों ने बदमाशों का पीछा करने की कोशिश की, लेकिन दोनों तेजी से भागने में सफल रहे। लगातार हो रही झपटमारी की घटनाओं से शहर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पुलिस दोनों मामलों में सीसीटीवी फुटेज की मदद से संदिग्ध बदमाशों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

प्रेम, संवेदना और स्त्री-अस्मिता की सशक्त आवाज थीं अमृता प्रीतम : चंद्रभूषण सिंह चन्द

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।नूतन साहित्यकार परिषद, कांटी की ओर से सोमवार को साहित्य भवन में प्रसिद्ध पंजाबी लेखिका, कवयित्री और साहित्यकार अमृता प्रीतम की जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष चंद्रभूषण सिंह ह्लचंद्रह्व ने की। उपस्थित साहित्यकारों ने अमृता प्रीतम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके साहित्यिक अवदान को याद किया। इस अवसर पर अध्यक्ष चंद्रभूषण सिंह ह्लचंद्रह्व ने कहा कि अमृता प्रीतम ने अपनी रचनाओं के माध्यम से प्रेम, संवेदना, स्त्री-अस्मिता और मानवीय मूल्यों को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया है। उनका साहित्य केवल प्रेम की अनुभूति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसमें सामाजिक सरोकार, विभाजन की त्रासदी और स्त्री के संघर्ष की गहरी पीड़ा दिखाई देती है। उनका साहित्य आज भी पाठकों को संवेदित और प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि अमृता प्रीतम की चर्चित कविता ह्लअज्ज आखां वारिस शाह नूंह्व विभाजन की भयावह त्रासदी का मार्मिक दस्तावेज है। 1947 के विभाजन के दौरान पंजाब में हुई हिंसा और महिलाओं की पीड़ा को उन्होंने जिस संवेदना के साथ शब्द दिया, वह साहित्य में अद्वितीय है। विभाजन के बाद लाहौर से दिल्ली आने का अनुभव भी उनकी रचनात्मक चेतना का महत्वपूर्ण आधार बना। उनका प्रसिद्ध उपन्यास ह्लपिंजरह्व स्त्री की पीड़ा, सामाजिक रूढ़ियों, हिंसा और विभाजन के मानवीय दंश को सामने लाता है। यह उपन्यास बाद में चर्चित फिल्म के रूप में भी सामने आया। चंद्र ने कहा कि अमृता प्रीतम का जीवन स्वयं एक उपन्यास की तरह था। साहिर लुधियानवी के प्रति उनका गहरा आत्मिक आकर्षण उनकी रचनाओं में दिखाई देता है। उनकी आत्मकथा ह्लरसीदी टिकटह्व में उनके जीवन, प्रेम और संघर्ष के अनेक प्रसंग मिलते हैं। वहीं चित्रकार और लेखक इमरोज के साथ उनका लंबा साथ प्रेम, विश्वास, स्वतंत्रता और आत्मीयता का अनूठा उदाहरण माना जाता है। अमृता के जीवन में साहिर आकाश की तरह थे तो इमरोज जीवन के घर की छत की तरह–यह उपमा उनके संबंधों की प्रकृति को बहुत खूबसूरती से व्यक्त करती है। अमृता प्रीतम ने कम उम्र में ही लेखन शुरू कर दिया था और छह दशकों से अधिक लंबे साहित्यिक जीवन में कविता, उपन्यास, कहानी, संस्मरण और आत्मकथा सहित सौ से अधिक कृतियों का सृजन किया। ह्लसुनहड़ेह्व के लिए उन्हें 1956 में साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला और वे यह सम्मान पाने वाली पहली महिला बनीं। बाद में ह्लकागज ते कैनवासह्व के लिए उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला। उन्हें पद्मश्री और पद्मविभूषण से भी सम्मानित किया गया। स्वराजलाल ठाकुर ने कहा कि अमृता प्रीतम की लेखनी ने स्त्री को अपनी भावनाओं को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने का साहस दिया। उनका साहित्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेम, स्वतंत्रता, मानवीय गरिमा और संवेदना का संदेश देता रहेगा। कार्यक्रम में परशुराम सिंह, रामेश्वर महतो, नंदकिशोर ठाकुर, रामेश्वर सिंह, महेश कुमार, मनोज मिश्र, राकेश कुमार राय, रोहित रंजन, रजनीश कुमार आदि साहित्यकार उपस्थित थे।

शोधार्थियों के लिए बड़ा मौका,विवि के शिक्षक शोधार्थी भेज सकेंगे रिसर्च प्रपोजल

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय समेत बिहार के सभी विश्वविद्यालयों के शिक्षकों और शोधार्थियों के लिए शोध के क्षेत्र में वित्तीय सहायता पाने का अवसर आया है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की मेजर और माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट्स योजना 2026-27 के तहत शिक्षक और शोधार्थी अपने शोध प्रस्ताव भेज सकेंगे।केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन कार्यरत आईसीएसएसआर सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण और उन्नत अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए शोध परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना के माध्यम से शोधार्थियों और शिक्षकों को अपने महत्वपूर्ण शोध कार्यों को आगे बढ़ाने में आर्थिक सहयोग मिलने की उम्मीद है। इस संबंध में बिहार राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद की ओर से राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों को आधिकारिक निर्देश जारी किया गया है। निर्देश के बाद विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षक और शोधार्थी योजना के तहत अपने शोध प्रस्ताव तैयार कर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार भेज सकेंगे। मेजर और माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट्स के माध्यम से सामाजिक विज्ञान के विभिन्न विषयों में शोध कार्य को प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे विश्वविद्यालयों में शोध की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ नए शोध कार्यों को आगे बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के शिक्षक और शोधार्थी भी इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। इच्छुक शिक्षक एवं शोधार्थियों को प्रस्ताव तैयार करते समय योजना से संबंधित निर्धारित दिशा-निर्देशों और पात्रता मानकों का पालन करना होगा। शोध प्रस्तावों का चयन संबंधित प्रक्रिया के तहत किया जाएगा और स्वीकृत परियोजनाओं को नियमानुसार वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों का मानना है कि इस तरह की शोध परियोजनाओं से विश्वविद्यालयों में शोध का माहौल मजबूत होगा और सामाजिक विज्ञान से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर नए एवं उपयोगी अध्ययन सामने आ सकेंगे।

अब वाहनों पर लिखा होगा पशुओं के प्रति दयालु बनें, परिवहन विभाग ने जारी किया निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सड़कों पर वाहन दुर्घटनाओं में बेजुबान पशुओं के घायल होने और मौत की घटनाओं को कम करने तथा लोगों में पशुओं के प्रति संवेदना बढ़ाने के लिए बिहार परिवहन विभाग ने अनूठी पहल शुरू की है। अब मुजफ्फरपुर सहित तिरहुत प्रमंडल के सभी जिलों में चलने वाले सार्वजनिक परिवहन वाहनों पर ह्लपशुओं के प्रति दयालु बने जैसे प्रेरक संदेश लिखना अनिवार्य होगा। इस पहल का उद्देश्य सड़क पर पशुओं के साथ होने वाली क्रूरता, उपेक्षा और दुर्घटनाओं को रोकने के साथ लोगों में जीव-जंतुओं के प्रति दया और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। विभाग का मानना है कि जागरूकता बढ़ने से सड़क पर पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी और पर्यावरण एवं प्रकृति का संतुलन बनाए रखने में भी योगदान मिलेगा। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार मुजफ्फरपुर के संयुक्त आयुक्त-सह-सचिव ने तिरहुत प्रमंडल के सभी जिला परिवहन पदाधिकारियों को पत्र भेजकर इस पहल को प्राथमिकता के आधार पर लागू कराने का निर्देश दिया है। यह कार्रवाई केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और राज्य परिवहन विभाग के निदेशों के तहत की जा रही है। मुजफ्फरपुर की डीटीओ प्रियंका सिन्हा ने बताया कि सभी वाहन संघों को इसकी जानकारी दी जा रही है। वाहन मालिकों को भी निर्धारित नियमों के अनुसार वाहनों पर संदेश लिखवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। विभागीय दिशा-निर्देश के अनुसार वाहनों पर लिखे जाने वाले संदेश के अक्षरों की न्यूनतम ऊंचाई 150 मिलीमीटर यानी 15 सेंटीमीटर होगी। संदेश दूर से स्पष्ट दिखाई दे, इसके लिए वाहन के रंग के विपरीत कंट्रास्ट वाले पेंट या उच्च गुणवत्ता वाले स्टिकर का इस्तेमाल करना होगा। यह नियम निजी और व्यावसायिक बसों, मिनी बसों, ऑटो, कैब, टैक्सी के साथ सरकारी उपयोग में आने वाले वाहनों पर भी लागू होगा। इसके जरिए परिवहन विभाग सड़क पर चलने वाले वाहनों के माध्यम से पशु संरक्षण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का संदेश आम लोगों तक पहुंचाना चाहता है। इस पहल को भारतीय संविधान के मूल कर्तव्यों से भी जोड़ा गया है। पटना के विधि अध्येता समदर्शी द्वारा ई-कंप्लायंस पोर्टल पर दर्ज कराई गई शिकायत के बाद इस दिशा में कार्रवाई तेज हुई। संविधान के अनुच्छेद 51क (छ) के तहत प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह सभी जीवित प्राणियों के प्रति दया और करुणा का भाव रखे। परिवहन विभाग की यह पहल इसी संवैधानिक भावना को सड़क परिवहन व्यवस्था के माध्यम से बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

शराब के नशे में पकड़े गए नगर निगम के तीन कर्मी, वाहन चेकिंग में पुलिस ने दबोचा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के नगर थाना क्षेत्र में शराबबंदी कानून के उल्लंघन का मामला सामने आया है। पुलिस के विशेष रात्रि वाहन चेकिंग अभियान के दौरान नगर निगम में कार्यरत तीन कर्मचारियों को कथित तौर पर शराब के नशे में पकड़ा गया। पुलिस ने मौके पर ही तीनों को हिरासत में लेते हुए वाहन जब्त कर लिया। घटना के बाद नगर निगम महकमे में हड़कंप मच गया है। नगर थाना पुलिस की टीम अपराध नियंत्रण और शराबबंदी कानून के पालन को लेकर रात में सघन वाहन जांच कर रही थी। इसी दौरान संदेह के आधार पर एक वाहन को रोककर उसमें सवार लोगों की जांच की गई। पुलिस के अनुसार, तीनों का व्यवहार असामान्य था और उनकी जुबान भी लड़खड़ा रही थी। पूछताछ के दौरान तीनों की पहचान नगर निगम कर्मियों के रूप में हुई। पुलिस ने मौके पर डिजिटल ब्रेथ एनालाइजर से तीनों की जांच की। जांच में अल्कोहल की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने तीनों को हिरासत में ले लिया। साथ ही जिस वाहन से वे जा रहे थे, उसे भी जब्त कर लिया गया। मामले में नगर थाना पुलिस ने बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत तीनों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की है। नगर थानाध्यक्ष ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपियों के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। सरकारी व्यवस्था से जुड़े नगर निगम कर्मियों के शराब के नशे में पकड़े जाने की घटना के बाद निगम कार्यालय और प्रशासनिक महकमे में चर्चा तेज हो गई है। पुलिस पूरे मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

बीएमपी-6 रोड पर बेकाबू ट्रक ने तोड़े चार बिजली पोल, सात घंटे तक ठप रही बिजली

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के बीएमपी-6 रोड पर मंगलवार की सुबह बालू लदे एक अनियंत्रित ट्रक ने सड़क किनारे लगे बिजली के चार खंभों में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि चारों बिजली पोल टूटकर सड़क पर गिर पड़े। इसके बाद इलाके की विद्युत आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही पुलिस और बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जब्त कर लिया है। वहीं, बिजली विभाग के कर्मियों ने क्षतिग्रस्त तार और पोल को हटाकर नए पोल लगाने का काम शुरू किया। बताया गया कि हादसे के कारण सुबह करीब 9 बजे से बिजली आपूर्ति बाधित रही। विभाग की टीम ने दोपहर करीब 4 बजे तक आपूर्ति बहाल करने का लक्ष्य रखा था। बिजलीकर्मी युद्धस्तर पर काम में जुटे रहे। लगातार करीब सात घंटे बिजली गुल रहने से स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। घरों में मोटर नहीं चलने के कारण पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई। सुबह के समय बिजली कटने से स्कूल जाने वाले बच्चों और दफ्तर जाने वाले लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हुई। वहीं, बिजली पर निर्भर दुकानों और छोटे व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का कामकाज भी प्रभावित रहा। स्थानीय लोगों ने जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की। बिजली विभाग के अधिकारियों के अनुसार, क्षतिग्रस्त पोल और तारों की मरम्मत का काम तेजी से किया जा रहा है और जल्द ही क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति सामान्य होने की उम्मीद है।

कच्ची-पक्की ओपी अध्यक्ष हटाए गए

मुजफ्फरपुर। कच्ची-पक्की ओपी के अध्यक्ष पुलिस अवर निरीक्षक अरविन्द कुमार को उनके पद से हटा दिया गया है। कार्यों एवं अपराध नियंत्रण की समीक्षा के बाद उनका कार्य निष्पादन संतोषजनक नहीं पाए जाने पर यह कार्रवाई की गई है। कच्ची-पक्की ओपी के कार्यों और अपराध नियंत्रण की समीक्षा के दौरान पाया गया कि अरविन्द कुमार द्वारा अपराध नियंत्रण, कांडों के समयबद्ध निष्पादन, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान तथा विधि-व्यवस्था संधारण से संबंधित दायित्वों के निर्वहन में अपेक्षित रुचि नहीं ली जा रही थी। जिला स्तर से समय-समय पर जारी निदेशों के अनुपालन में भी शिथिलता पाए जाने की बात कही गई है। उपर्युक्त तथ्यों के आलोक में पुलिस उप महानिरीक्षक, तिरहुत क्षेत्र, मुजफ्फरपुर के अनुमोदन के बाद पुलिस अवर निरीक्षक अरविन्द कुमार को कच्ची-पक्की ओपी अध्यक्ष के वर्तमान पदस्थापन से मुक्त कर दिया गया है। उन्हें पुलिस केन्द्र, मुजफ्फरपुर वापस किया गया है।

किशोरी का अपहरण, ट्यूशन जाने के दौरान अगवा करने का आरोप

मुजफ्फरपुर। फकुली थाना क्षेत्र के एक गांव से 15 वर्षीय नाबालिग किशोरी के अपहरण का मामला सामने आया है। घटना को लेकर किशोरी के पिता ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। आवेदन के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दर्ज शिकायत के अनुसार, 18 अगस्त 2026 की सुबह करीब 10 बजे किशोरी घर से ट्यूशन पढ़ने के लिए निकली थी। आरोप है कि रास्ते में पहले से घात लगाए लोगों ने उसे बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया। काफी खोजबीन के बाद भी जब किशोरी का कोई सुराग नहीं मिला तो परिजनों ने फकुली थाने में शिकायत दर्ज कराई। परिजनों ने राहुल कुमार, काजल कुमारी, अर्जुन चौधरी और पुतली देवी को मामले में नामजद आरोपी बनाया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि किशोरी के साथ घर में रखे 50 हजार रुपये नकद और सोने के आभूषण भी ले जाए गए। पुलिस ने मामले में कांड संख्या 62/26 दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। कांड के अनुसंधान की जिम्मेदारी सब-इंस्पेक्टर मनोज कुमार पांडे को सौंपी गई है।

नशे में धुत डायल 112 के चालक ने तीन लोगों को मारी टक्कर, एक की हालत गंभीर

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के व्यस्त रामदयालुनगर इलाके में सोमवार को एक तेज रफ्तार डायल 112 पुलिस आपातकालीन वाहन ने सड़क किनारे जा रहे तीन लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि तीनों लोग गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए डायल 112 वाहन को घेर लिया और उसके चालक को पकड़ लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चालक नशे की हालत में था। वह ठीक से बोलने और खड़े होने की स्थिति में भी नहीं था। इसको लेकर स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश देखा गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर मेडिकल जांच के लिए भेजा। साथ ही दुर्घटनाग्रस्त डायल 112 वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। हादसे में घायल तीनों लोगों को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। चिकित्सकों की निगरानी में घायलों का इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों ने आपातकालीन सेवा में तैनात वाहन के चालक पर नशे की हालत में वाहन चलाने का आरोप लगाते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि डायल 112 जैसी आपातकालीन सेवा का वाहन लोगों की मदद और सुरक्षा के लिए होता है। ऐसे वाहन के चालक द्वारा कथित तौर पर नशे में वाहन चलाना बेहद गंभीर और चिंताजनक मामला है। पुलिस ने चालक की मेडिकल जांच कराने के साथ ही मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, जांच और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

पुस्तके ज्ञानियो की समाधि है

मनुष्य के जीवन में भोजन और जल जितने आवश्यक हैं, ज्ञान और विचार भी उतने ही आवश्यक हैं। भोजन शरीर का पोषण करता है, जबकि ज्ञान मन और बुद्धि का विकास करता है। ज्ञान प्राप्त करने के अनेक साधन हैं, लेकिन पुस्तकों का स्थान सबसे विशिष्ट है। प्रस्तुत पुस्तक इसी मूल विचार को केंद्र में रखकर पुस्तक, स्वाध्याय, ज्ञानार्जन और जीवन-विकास के बीच के गहरे संबंध को सामने लाती है। इसका सबसे बड़ा गुण यह है कि यह पुस्तक को केवल कागज पर छपे शब्दों का संग्रह नहीं मानती, बल्कि उसे मनुष्य के व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम मानती है। पुस्तक का मूल संदेश अत्यंत स्पष्ट है कि पुस्तक स्वयं ज्ञान नहीं होती, लेकिन ज्ञान तक पहुंचने का अत्यंत प्रभावशाली माध्यम होती है। निर्जीव कागज पर अंकित शब्द तभी जीवंत होते हैं, जब पाठक उन्हें पढ़कर अपने चिंतन और व्यवहार का हिस्सा बनाता है। यही कारण है कि पुस्तक को लेखक और विचारक की आत्मा का निवास-स्थान कहा गया है। किसी श्रेष्ठ ग्रंथ को खोलते ही उसके रचयिता के विचार हमारे सामने संवाद करने लगते हैं। इस दृष्टि से पुस्तक एक मौन गुरु है, जो बिना किसी आग्रह के हमें सिखाती है और बिना किसी अपेक्षा के हमारा मार्गदर्शन करती है। पुस्तक की शक्ति को समझने का सार्थक प्रयास पुस्तक का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें पुस्तकों के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभावों को स्वीकार किया गया है। हर पुस्तक उपयोगी नहीं होती और हर पुस्तक पाठक को सही दिशा नहीं देती। श्रेष्ठ साहित्य मनुष्य को सन्मार्ग की ओर ले जा सकता है, जबकि घटिया अथवा भ्रामक साहित्य उसकी सोच को प्रभावित कर सकता है। इसीलिए पुस्तक का चयन भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उसका अध्ययन। हमने पुस्तकों की तुलना अमृत और विष दोनों से करके इस सत्य को प्रभावी ढंग से आपके सामने रखा है। पुस्तक मशाल की तरह प्रकाश भी दे सकती है और गलत विचारों के हाथ में पड़कर आग भी लगा सकती है। यह दृष्टिकोण पुस्तक-संस्कृति के प्रति संतुलित चेतना पैदा करता है। केवल अधिक पुस्तकें पढ़ लेना पर्याप्त नहीं है; महत्वपूर्ण यह है कि हम क्या पढ़ रहे हैं, उससे क्या ग्रहण कर रहे हैं और वह हमारे व्यक्तित्व को किस दिशा में ले जा रहा है। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य को अपने समय से आगे देखने की क्षमता देती हैं। रामायण, महाभारत, गीता, धम्मपद, पंचतंत्र, चाणक्य नीति और विभिन्न धर्मों के शास्त्रों का उदाहरण देते हुए पुस्तक यह समझाती है कि काल बदलता रहता है, पीढ़ियां बदलती रहती हैं, लेकिन महान विचार जीवित रहते हैं। यही किसी पुस्तक की वास्तविक दीर्घायु है। इस पुस्तक का अत्यंत प्रभावशाली विचार यह है कि पुस्तकें ज्ञानियों की समाधि हैं। उनके पन्नों में महापुरुषों का चिंतन सुरक्षित रहता है। किसी ग्रंथ में तीर्थंकरों की वाणी मिलती है तो किसी में राम, कृष्ण और बुद्ध के जीवन-दर्शन की झलक दिखाई देती है। कहीं वाल्मीकि, तुलसीदास, कबीर और सूरदास जैसे रचनाकार बोलते हैं तो कहीं दूसरे महान चिंतकों की आवाज सुनाई देती है। इस अर्थ में पुस्तक केवल अतीत का दस्तावेज नहीं, बल्कि अतीत और वर्तमान के बीच जीवंत सेतु है। मनुष्य नश्वर है, उसका शरीर समाप्त हो जाता है, लेकिन उसके श्रेष्ठ विचार पुस्तक के माध्यम से पीढ़ियों तक पहुंचते हैं। यही कारण है कि किसी लेखक की पुस्तक उसके लिए अमर कीर्ति-स्तंभ का कार्य करती है। विचारों के संघर्ष में पुस्तक को अस्त्र मानने का विचार भी उल्लेखनीय है। समाज में परिवर्तन पहले विचारों से आता है और विचारों को व्यापक समाज तक पहुंचाने का सबसे प्रभावी माध्यम पुस्तक रही है। शिक्षा, सामाजिक सुधार, धार्मिक चेतना और राजनीतिक जागरण के अनेक आंदोलनों के पीछे पुस्तकों की निर्णायक भूमिका रही है। पुस्तक का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं है। अच्छी पुस्तक मनुष्य को जीवन जीने की कला सिखाती है। रोटी जीवन देती है, लेकिन पुस्तक जीवन को सार्थक ढंग से जीने की समझ देती है—यह भाव इस पूरे आलेख का केंद्रीय निष्कर्ष कहा जा सकता है। आज सूचना के साधन तेजी से बढ़े हैं। मोबाइल, इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों ने जानकारी को बेहद सुलभ बना दिया है। इसके बावजूद पुस्तक की आवश्यकता समाप्त नहीं हुई है। सूचना और ज्ञान में अंतर है। सूचना हमें किसी विषय के बारे में बताती है, जबकि गहन अध्ययन उस सूचना को समझने, परखने और जीवन से जोड़ने की क्षमता विकसित करता है। पुस्तक इसी गहराई की ओर ले जाती है। स्वाध्याय इसलिए केवल पढ़ने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि स्वयं को पढ़ने की प्रक्रिया भी है। जब मनुष्य श्रेष्ठ साहित्य पढ़ता है तो वह अपने विचारों, पूर्वाग्रहों, कमजोरियों और जीवन-मूल्यों पर भी विचार करने लगता है।

कांवड़ यात्रा : आस्था, अनुशासन और आत्मसंयम का महापर्व

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

भारत की संस्कृति में तीर्थ यात्राएं केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, आत्मसंयम और लोककल्याण की साधना मानी गई हैं। इन्हीं महान परंपराओं में से एक है श्रावण मास की कांवड़ यात्रा, जिसमें करोड़ों शिवभक्त पवित्र नदियों से जल लाकर भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। यह यात्रा हजारों वर्षों से भारतीय आस्था, तप, त्याग और अनुशासन की प्रतीक रही है। कांवड़ यात्रा का आध्यात्मिक उद्देश्य धार्मिक मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन से निकले हलाहल विष का पान भगवान शिव ने किया था। शिव को शीतलता प्रदान करने के लिए जलाभिषेक की परंपरा विकसित हुई। समय के साथ श्रद्धालु दूर-दूर से गंगाजल लाकर शिवलिंग पर अर्पित करने लगे। यही परंपरा आगे चलकर कांवड़ यात्रा के रूप में विकसित हुई। यह यात्रा केवल पैदल चलना नहीं है, बल्कि आत्मानुशासन की साधना है। परंपरागत कांवड़िया यात्रा के दौरान - सात्विक भोजन ग्रहण करता है। नशे से दूर रहता है। ब्रह्मचर्य और शुचिता का पालन करता है। विनम्र व्यवहार करता है। सेवा और सहयोग की भावना रखता है। किसी को कष्ट न पहुंचाने का संकल्प लेता है। इसीलिए कांवड़ यात्रा को चलती हुई तपस्या भी कहा गया है। बदलता स्वरूप - एक गंभीर चिंता समय के साथ कांवड़ यात्रा का स्वरूप अत्यंत विशाल हुआ है। करोड़ों श्रद्धालु इसमें भाग लेते हैं। अधिकांश श्रद्धालु आज भी अनुशासनपूर्वक यात्रा पूरी करते हैं और समाज के लिए प्रेरणा हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में समाचार माध्यमों में कुछ ऐसी घटनाएँ भी सामने आई हैं, जिनमें कुछ व्यक्तियों द्वारा सड़क पर हंगामा, मारपीट, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान, यातायात नियमों की अवहेलना, अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण या अन्य अनुचित आचरण की खबरें प्रकाशित हुईं। कई मामलों में पुलिस कार्रवाई भी हुई। इन घटनाओं को संपूर्ण कांवड़ यात्रा का चरित्र नहीं कहा जा सकता। फिर भी ऐसे उदाहरण समाज में यह प्रश्न अवश्य खड़ा करते हैं कि क्या कुछ लोग धार्मिक आस्था की आड़ लेकर अनुशासनहीनता का प्रदर्शन कर रहे हैं? धर्म उन्माद नहीं सिखाता सनातन धर्म का मूल संदेश है- अहिंसा परमो धर्मः। भगवान शिव को आशुतोष, भोलेनाथ, महायोगी और करुणामूर्ति कहा गया है। वे क्रोध नहीं, करुणा के देवता हैं; अहंकार नहीं, त्याग के प्रतीक हैं। यदि कोई व्यक्ति शिवभक्ति के नाम पर हिंसा, अभद्रता, नशा या कानून की अवहेलना करता है, तो वह शिव की नहीं, अपनी दुर्बलताओं की पूजा कर रहा है। संविधान और धर्म साथ-साथ भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता देता है, परंतु उसी संविधान में प्रत्येक नागरिक के मौलिक कर्तव्यों का भी उल्लेख है। सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, कानून का सम्मान करना, सामाजिक सद्भाव बनाए रखना और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। धर्म और संविधान परस्पर विरोधी नहीं हैं। दोनों का उद्देश्य समाज में व्यवस्था, न्याय और शांति स्थापित करना है। सोशल मीडिया की चुनौती आज अनेक वीडियो कुछ ही मिनटों में पूरे देश में फैल जाते हैं। कई वीडियो वास्तविक होते हैं, तो कई अधूरे या भ्रामक भी निकलते हैं। इसलिए समाज को किसी भी वायरल वीडियो के आधार पर पूरी कांवड़ यात्रा या सभी श्रद्धालुओं के बारे में निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए। साथ ही यदि कहीं वास्तविक अनुशासनहीनता हो रही है, तो उसे छिपाना भी उचित नहीं। धर्म की प्रतिष्ठा सत्य स्वीकारने और सुधार करने से बढ़ती है, न कि गलतियों को उचित ठहराने से। युवाओं के लिए सबसे बड़ा संदेश आज कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में युवा भाग लेते हैं। यह अत्यंत सुखद है, क्योंकि युवाओं का धर्म से जुड़ना सांस्कृतिक चेतना का संकेत है। लेकिन युवा यह भी स्मरण रखें कि कंधे पर कांवड़ रखने से पहले मन पर संयम रखना आवश्यक है। यदि यात्रा के दौरान क्रोध, अहंकार, शक्ति प्रदर्शन, नशा या हिंसा प्रवेश कर जाए, तो यात्रा का आध्यात्मिक उद्देश्य समाप्त हो जाता है। समाज और संतों की भूमिका संत समाज, धार्मिक संस्थाएँ और कांवड़ समितियाँ आगे आकर अनुशासन संहिता तैयार करें।

...अब दुनिया चखेगी भारत के पारंपरिक स्वादों का जायका

दुनिया की हर डाइनिंग टेबल तक कम से कम एक भारतीय खाद्य उत्पाद की उपस्थिति सुनिश्चित हो, इसी संकल्प के साथ केंद्र की मोदी सरकार भारत को वैश्विक कृषि और खाद्य प्रसंस्करण का सबसे बड़ा हब यानी ग्लोबल फूड बास्केट बनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। केंद्रीय बजट और आत्मनिर्भर पहलों के माध्यम से सरकार पारंपरिक मिलेट्स, मसालों और जैविक उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय ब्रांड में बदल रही है, जिसका सीधा उद्देश्य भारतीय किसानों की आय को बढ़ाना और उन्हें वैश्विक बाजार से सीधे जोड़ना है। इसी विजन के साथ मैसूर स्थित केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकीय अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीएफटीआरआई) ने खेत से थाली तक की यात्रा को सुरक्षित, पौष्टिक और किफायती बनाने की दिशा मे एक अत्यंत महत्वपूर्ण और अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

केन्द्रीय खाद्य तकनीकी एवं अनुसंधान संस्थान, मैसूरु

रामाधार प्रसाद

जी हां, भारत के गांवों और राज्यों से निकले पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद अब विदेशी मेहमानों और वैश्विक बाजारों के सिर चढ़कर बोल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वैश्विक मंचों पर भारत के पारंपरिक खाद्यों को तोहफे के रूप में पेश करने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की पाक विरासत को एक नई उड़ान मिली है। अब पूरी दुनिया भारत के पारंपरिक स्वादों का जायका चखने के लिए बेताब है। दुनिया की हर डाइनिंग टेबल तक कम से कम एक भारतीय खाद्य उत्पाद की उपस्थिति सुनिश्चित हो, इसी संकल्प के साथ केंद्र की मोदी सरकार भारत को वैश्विक कृषि और खाद्य प्रसंस्करण का सबसे बड़ा हब यानी ग्लोबल फूड बास्केट बनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। केंद्रीय बजट और आत्मनिर्भर पहलों के माध्यम से सरकार पारंपरिक मिलेट्स, मसालों और जैविक उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय ब्रांड में बदल रही है, जिसका सीधा उद्देश्य भारतीय किसानों की आय को बढ़ाना और उन्हें वैश्विक बाजार से सीधे जोड़ना है। इसी विजन के साथ मैसूर स्थित केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकीय अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीएफटीआरआई) ने खेत से थाली तक की यात्रा को सुरक्षित, पौष्टिक और किफायती बनाने की दिशा मे एक अत्यंत महत्वपूर्ण और अग्रणी भूमिका निभा रहा है। दरअसल, पीआईबी के तहत कर्नाटक मीडिया टूर के दौरान मैसूर स्थित सीएसआईआर-सीएफटीआरआई संस्थान का भ्रमण किया और खाद्य प्रसंस्करण व तकनीकी विकास के क्षेत्र में हो रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।वहां की अत्याधुनिक लैब्स, नई फूड पैकेजिंग, तकनीक और खाद्य प्रसंस्करण के नए नवाचारों को करीब से देखा और समझा। वैज्ञानिकों के साथ चर्चा के जरिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की भविष्य की संभावनाओं से अवगत हुआ। वाकई इस संस्थान का दौरा खाद्य विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार की नई तकनीकों को समझने का एक शानदार अवसर रहा।

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पैकेजिंग

संस्थान के जानकारों व वैज्ञानिकों ने खाद्य अनुसंधान, नवाचार और देश की खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने में इसकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की। वैज्ञानिकों ने बताया कि संस्थान आत्मनिर्भर भारत, खाद्य सुरक्षा और स्वदेशी खाद्य प्रसंस्करण तकनीकों को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। देश के पारंपरिक खाद्य पदार्थों की शेल्फ-लाइफ बढ़ाने, उनके मूल स्वाद को बनाए रखने, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पैकेजिंग तकनीक विकसित करने और उन्हें पौष्टिक बनाने के लिए निरंतर अनुसंधान कर रहा है।

मोबाइल किचन इंफ्रास्ट्रक्चर तकनीक

संस्थान ने स्मार्ट कार्ट जैसी मोबाइल किचन इंफ्रास्ट्रक्चर तकनीक भी बनाई है, ताकि आम नागरिकों तक सेहतमंद और सुरक्षित भोजन पहुंच सके। डोसा, इडली, बिरयानी, रसम और भारतीय मिठाइयों को रेडी-टू-ईट और रेडी-टू-कुक फॉर्मेट में बदलने, लंबी शेल्फ-लाइफ के तहत बिना किसी हानिकारक प्रिजर्वेटिव के भोजन को महीनों तक ताजा रखने के लिए रिटॉर्ट पाउच और फ्रीज-ड्राइंग तकनीकों का उपयोग एवं अंतरराष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा नियमों के अनुसार बड़े पैमाने पर उत्पादन व पैकेजिंग के लिए आधुनिक मशीनें और प्रक्रियाएं तैयार की गई हैं। बाजरा आधारित पारंपरिक व्यंजनों के आधुनिकीकरण और वैश्विक स्तर पर उनकी स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों पर काम हो रहा है। प्रोटीन और न्यूट्रास्युटिकल तत्वों को जोड़ने के लिए नॉन-वेज वेफर्स और स्पिरुलिना आधारित पेय पदार्थों का विकास किया गया है। इन तकनीकों के कारण देश के ग्रामीण और पारंपरिक व्यवसायों को न केवल व्यावसायिक अवसर मिल रहे हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी अनमोल खान-पान संस्कृति भी सुरक्षित हो रही है।

शेल्फ-लाइफ बढ़ाने की तकनीक

संस्थान ने जम्मू के पारंपरिक कलाड़ी (कलाड़ी पनीर) और कर्नाटक की प्रसिद्ध मिठाई गोधी हुग्गी जैसे पारंपरिक व्यंजनों के स्वाद और पोषण को बरकरार रखते हुए उनकी शेल्फ-लाइफ बढ़ाने की तकनीक विकसित की है। कलाड़ी जैसी पारंपरिक चीज नमी के कारण बहुत जल्दी खराब हो जाती है, जिससे इन्हें दूसरे राज्यों में बेचना मुश्किल होता है। संस्थान ने ऐसे कस्टमाइज्ड उपकरण और मशीनें विकसित की हैं जो कलाड़ी को सुखाने, आकार देने और पैक करने की प्रक्रिया को स्वचालित बनाती हैं, जिससे बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन संभव हो पाता है। पारंपरिक स्वाद को बदले बिना, संस्थान वैज्ञानिक तरीकों से यह सुनिश्चित करता है कि दूध के प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व सुरक्षित रहें।

स्थानीय अर्थव्यवस्था और उद्यमिता को बढ़ावा

संस्थान पारंपरिक व्यंजनों के आधुनिकीकरण के जरिए खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में रोजगार और उद्यमिता की असीम संभावनाएं पैदा कर रहा है।पारंपरिक भारतीय व्यंजनों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर यह संस्थान ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्वरोजगार के नए रास्ते खोल रहा है। सीएफटीआरआई अपनी विकसित की गई तकनीकों को स्थानीय स्टार्टअप्स, महिला स्वयं सहायता समूहों और छोटे उद्यमियों को सौंपता है, जिससे नए व्यवसायों को वैश्विक बाजार मिल रहा है। सीएफटीआरआई ने सिंगल-यूज प्लास्टिक के विकल्प के रूप में कृषि और वन अवशेषों से बने इको-फ्रेंडली पेपर और खाद्य पैकेजिंग सामग्री का निर्माण किया है। देश के युवा उद्यमियों और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए संस्थान बुनियादी ढांचा और तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और मेक इन इंडिया को गति मिल रही है।

अनुसंधान एवं नवाचार

खाद्य अभियांत्रिकी के अलावा खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विविध विषयों (प्रोसेस डेवलपमेंट एंड इक्विपमेंट डिजाइन, बायोकेमिकल इंजीनियरिंग, डाउनस्ट्रीम प्रोसेसिंग और बायोरिएक्टर डिजाइन) आदि में अनुसंधान एवं नवाचार के लिए यहां उत्कृष्ट इन्फ्रा-स्ट्रक्चर, अत्याधुनिक उपकरण और पायलट प्लांट तथा उन्नत अनुसंधान प्रशिक्षण की सुविधाएं उपलब्ध हैं। सीएसआईआर & सीएफटीआरआई, मैसूर उन छात्रों के लिए एक उत्कृष्ट अनुसंधान और नया वातावरण प्रदान करता है, जो वैज्ञानिक और नवीन अनुसंधान अकादमी के तहत जैविक विज्ञान, इंजीनियरिंग विज्ञान में पूर्णकालिक डॉक्टरल अनुसंधान (पीएचडी) कार्यक्रम करना चाहते हैं।

अतएव यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं कि मैसूर का यह संस्थान न केवल अनुसंधान कर रहा है, बल्कि लैब से लैंड तक तकनीकों को पहुंचाकर भारत को खाद्य सुरक्षा, निर्यात संवर्धन और आधुनिक विनिर्माण में आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ा रहा है। यह जानकर बहुत अच्छा लगा! सच में खाद्य विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में यह संस्थान एक अद्भुत जगह है।

क्या सोनिया गांधी की Belonging बनेगी नया राजनीतिक दस्तावेज?

आत्मकथा में व्यक्ति अपने जीवन की कहानी लिखता जरूर है, लेकिन उसके साथ वह अपने समय, समाज, संबंधों, संघर्षों और सत्ता-संरचनाओं का भी दस्तावेज तैयार कर देता है। इसी संदर्भ में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और लंबे समय तक भारतीय राजनीति के केंद्र में रही सोनिया गांधी की पुस्तक ई’ड्ड्लॅल्ल: अ खड्ड41ह्ली8 ड्डा छड्ड5ी को लेकर उठती चर्चाएं महत्वपूर्ण हो जाती हैं। यह पुस्तक यदि अपने घोषित दायरे के अनुरूप व्यक्तिगत जीवन, संबंधों और राजनीतिक अनुभवों को समेटती है, तो स्वाभाविक रूप से इसमें भारतीय राजनीति के कई ऐसे प्रसंग भी आ सकते हैं, जिनका संबंध केवल एक व्यक्ति से नहीं, बल्कि देश के राजनीतिक इतिहास से है। यही कारण है कि इस पुस्तक को केवल एक आत्मकथात्मक रचना के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके इर्द-गिर्द उठने वाले सवाल हमें एक बड़े विमर्श की ओर ले जाते हैं कि क्या किताब आज भी सत्ता और स्थापित राजनीतिक आख्यानों को चुनौती देने का सबसे प्रभावी माध्यम है? और लेखक की आवाज तथा प्रकाशक की संपादकीय जिम्मेदारी के बीच सीमा आखिर कहां निर्धारित होती है? किसी राजनीतिक व्यक्ति की आत्मकथा कभी पूरी तरह निजी नहीं रह जाती।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

लिखना केवल शब्दों का पुष्प भर नहीं होता है। यह व्यक्ति के मन में उठे विचार, अनुभव, भावनाओं, हालात और सवालों का ऐसा गुलदस्ता होता है, जिसमें गरल भी होता है और अमृत भी, हकीकत भी होती है और फसाना भी, व्यथा भी होती है और यथार्थ भी। सत्य के फूलों के साथ मिथ्या के पुष्प भी उसमें गुथे हो सकते हैं। इसलिए हर लेखन अपने भीतर केवल शब्द नहीं, बल्कि लेखक की दृष्टि, अनुभव और समय की छाप लेकर चलता है। लेखक जब कलम उठाता है तो वह सिर्फ यह तय नहीं करता है कि क्या लिखना है, बल्कि उसके सामने यह सवाल भी होता है कि उसके लिखे का प्रभाव क्या होगा और उससे प्रभावित कौन-कौन होंगे। यही वजह है कि सामान्य लेख, कहानी या कविता की तुलना में किताब और आत्मकथा का महत्व कहीं अधिक हो जाता है। आत्मकथा में व्यक्ति अपने जीवन की कहानी लिखता जरूर है, लेकिन उसके साथ वह अपने समय, समाज, संबंधों, संघर्षों और सत्ता-संरचनाओं का भी दस्तावेज तैयार कर देता है। इसी संदर्भ में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और लंबे समय तक भारतीय राजनीति के केंद्र में रही सोनिया गांधी की पुस्तक Belonging: A Journey of Love को लेकर उठती चर्चाएं महत्वपूर्ण हो जाती हैं। यह पुस्तक यदि अपने घोषित दायरे के अनुरूप व्यक्तिगत जीवन, संबंधों और राजनीतिक अनुभवों को समेटती है, तो स्वाभाविक रूप से इसमें भारतीय राजनीति के कई ऐसे प्रसंग भी आ सकते हैं, जिनका संबंध केवल एक व्यक्ति से नहीं, बल्कि देश के राजनीतिक इतिहास से है। यही कारण है कि इस पुस्तक को केवल एक आत्मकथात्मक रचना के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके इर्द-गिर्द उठने वाले सवाल हमें एक बड़े विमर्श की ओर ले जाते हैं कि क्या किताब आज भी सत्ता और स्थापित राजनीतिक आख्यानों को चुनौती देने का सबसे प्रभावी माध्यम है? और लेखक की आवाज तथा प्रकाशक की संपादकीय जिम्मेदारी के बीच सीमा आखिर कहां निर्धारित होती है? किसी राजनीतिक व्यक्ति की आत्मकथा कभी पूरी तरह निजी नहीं रह जाती। विशेषकर तब, जब वह व्यक्ति दशकों तक देश की सत्ता के गलियारों में प्रभावशाली भूमिका निभाता रहा हो। सोनिया गांधी का सार्वजनिक जीवन भारतीय राजनीति के कई निर्णायक दौरों से जुड़ा रहा है। राजीव गांधी के साथ उनका जीवन, नेहरू-गांधी परिवार की राजनीतिक विरासत, 1990 के दशक की कांग्रेस राजनीति, गठबंधन सरकारों का दौर और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन यानि यूपीए की राजनीति, इन सभी घटनाओं से उनका नाम किसी न किसी रूप में जुड़ा रहा है। इसलिए यदि वे अपने जीवन के अनुभवों को अपने दृष्टिकोण से दर्ज करती है, तो वह केवल स्मृतियों का संकलन नहीं रहेगा। वह एक वैकल्पिक राजनीतिक दृष्टिकोण भी बन सकता है। इतिहास में अक्सर घटनाएं वही रहती है, लेकिन उन्हें देखने वाले लोगों के नजरिए बदल जाते हैं। एक नेता जिस घटना को राजनीतिक उपलब्धि मानता है, उसका प्रतिद्वंद्वी उसे राजनीतिक विफलता कह सकता है। एक व्यक्ति किसी निर्णय को त्याग मान सकता है, तो दूसरा उसी निर्णय को रणनीति के रूप में देख सकता है। आत्मकथा इसी अंतर को सामने लाती है। सत्ता के पास संस्थाएं होती हैं, सरकारी रिकॉर्ड होते हैं, आधिकारिक वक्तव्य होते हैं और इतिहास को प्रभावित करने की क्षमता होती है। लेकिन लेखक के पास एक दूसरी ताकत होती है उसकी स्मृति और उसकी कलम। सत्ता किसी घटना का आधिकारिक संस्करण प्रस्तुत कर सकती है, लेकिन कोई लेखक उसी घटना का निजी अनुभव सामने रख सकता है। यही वह बिंदु है जहां किताब सत्ता के समानांतर खड़े एक दस्तावेज का रूप लेने लगती है। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि किताब में लिखा हर शब्द अंतिम सत्य होता है। लेखक भी मनुष्य है। उसकी अपनी स्मृतियां हैं, पूर्वाग्रह हैं, पसंद-नापसंद हैं और घटनाओं को देखने का अपना कोण है। इसलिए आत्मकथा को इतिहास की अंतिम अदालत मानना भी उचित नहीं होगा। लेकिन उसका महत्व इस बात में है कि वह एक दूसरा रिकॉर्ड उपलब्ध कराती है। यही दूसरा रिकॉर्ड लोकतांत्रिक समाज में बेहद महत्वपूर्ण होता है। Belonging: A Journey of Love को लेकर चर्चा इसलिए भी महत्वपूर्ण प्रतीत होता है कि सोनिया गांधी की कहानी व्यक्तिगत होते हुए भी भारतीय राजनीति के एक बड़े कालखंड से जुड़ती है। एक विदेशी मूल की महिला का भारत आना, भारतीय परिवार में विवाह, नेहरू-गांधी परिवार में प्रवेश, राजीव गांधी की पत्नी के रूप में सार्वजनिक जीवन का अनुभव, पति की हत्या के बाद की परिस्थितियां और बाद में भारतीय राजनीति में उनकी सक्रिय भूमिका। यह पूरा सफर अपने आप में आधुनिक भारत की असाधारण राजनीतिक-सामाजिक कहानी है। इस कहानी में प्रेम है, निजी पीड़ा है, परिवार है, राजनीति है, सत्ता है और संघर्ष भी है। यदि पुस्तक इन अनुभवों को विस्तार से दर्ज करती है तो पाठक को केवल सोनिया गांधी के जीवन की कहानी नहीं मिलेगी, बल्कि उस दौर के भारत की भी एक तस्वीर मिलेगी।

राजीव थेपडा, रांची

दूर के ढोल को इतना भी सुहावना ना बनाएं !!

संभवतः यह आदमी का स्वभाव ही होता है कि वह अपने निकटवर्ती लोगों का मूल्य नहीं समझ पाता और इसके चलते वह अपने समस्त निकटवर्ती लोगों की वास्तविक कद्र भी नहीं कर पाता और ऐसे में जब उसे अपने उन निकटवर्ती लोगों से शिकायत हो होती है, तो भी वह इस बात पर विचार नहीं कर पाता कि उसने स्वयं ने भी अपने निकटतम लोगों के साथ संबंध निभाने की कोई विशेष चेष्टा कभी नहीं की है या उसने अपने उन निकटतम लोगों के साथ कोई विशेष समय व्यतीत नहीं किया है। उनके साथ बैठा नहीं है। उनसे बहुत अधिक बातें नहीं की है या समय पड़ने पर उनके काम नहीं आया है।यह सब बातें उसके मन में बिल्कुल नहीं आतीं। इसके उलट अनावश्यक शिकायतें अवश्य मन में आती हैं और इस तरह की एकांगी सोच के चलते भी बहुत सारे रिश्ते कभी-कभी वह गहराई नहीं पा पाते, जिनके वह वस्तुतः अधिकारी होते हैं! होता क्या है कि जब हम बहुत सारे रिश्ते में बंधे हुए होते हैं, तो प्रथमथः तो बहुधा यही होता है कि हम दूर-दूर के लोगों से मेलजोल बढ़ाने में ज्यादा दिलचस्पी रखते हैं। बजाय इसके कि हम अपने नजदीक रह रहे लोगों के साथ समय गुजारें और यह हर किसी के साथ होता है और तब होता यह है, जिसकी शिकायत हम करते हैं!! उधर वाले इधर की शिकायत करते हैं और इधर वाले उधर की शिकायत करते हैं! जबकि दोनों ही एक दूसरे के साथ में क्वालिटी वक्त गुजार ही नहीं पाते या गुजारना ही नहीं चाहते या अपने समय को अन्य चीजों में व्यस्त रखते हैं या अन्य लोगों में व्यस्त रखते हैं या अन्य गैजेट में व्यस्त रखते हैं या अपने सपनों और कल्पना में खोए रहते हैं!! यह सदा से चला रहा है। लेकिन इन दिनों यह ज्यादा ही बढ़ गया है। क्योंकि अधिकतम लोगों का समय अपने गैजेट्स में व्यतीत हो रहा है। बल्कि वह एक तरह से स्वयं गैजेट ही हो गए हैं। क्योंकि वह जो गैजेट है, वह उनके हाथ में नहीं है, बल्कि उनके हृदय और मस्तिष्क में पूरी तरह से हावी हो चुका है। इस तरह से वह गैजेट उनके शरीर और मन और मस्तिष्क के तीनों का ही एक अनिवार्य वह हिस्सा बन चुका है, जिसके बिना वह एक क्षण भी नहीं गुजार सकते और यही वह कारण है!! जिससे रिश्तें छीजते जा रहे हैं और हम एक दूसरे से दूर होते जा रहे हैं। किंतु तब भी हम बजाए अपने अंतर्मन में झांकने और उन गैजेट्स में अपने समय व्यतीत करने की अनर्गल आदतों को समझने के बजाय अपने रिश्तों को ही दोष दिए जा रहे हैं और इससे वह रिश्ते और भी ज्यादा दूर होते चले जा रहे हैं! दूर के ढोल सुहावने वाली कहावत संभवतः ऐसे ही किन्ही कारणों से आविष्कृत हुई होंगी। लेकिन यह दिलचस्प कहावत हमारे वर्तमान पर पूरी तरह से लागू होती है। लेकिन इसे झूठलाना स्वयं हमारे ही बस में है। बशर्ते कि हम खुद को अपने वश में रख पाएं। यानी खुद पर नियंत्रण कर पाएं। जिस दिन हमारा स्वयं पर नियंत्रण हो जाएगा। उस दिन हम ऐसी आदतों को स्वयं ही भूल कर अपने उन निकटवर्ती रिश्तों के साथ समय गुजारना शुरू कर देंगे, जिनके साथ वास्तव में हमारा जीवन बहुत ही सुगम, मधुर और स्वर्ग सरीखा व्यतीत हो सकता है। किंतु मुझे नहीं पता कि ऐसा कब होगा? क्योंकि जब साधन ही साध्य हो जाते हैं, तब आदमी भूल जाता है कि वह किन चीजों के लिए जी रहा है और जब यही नहीं पता हो कि हम किन चीजों के लिए जी रहे हैं, तब हमारा जीना तो अवश्य होता है, किंतु उसका कोई कारण नहीं होता! सिवाय अपने कतिपय स्वार्थों के साथ जीने के!!

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण
पटना, मंगलवार, 01 सितंबर, 2026

जिला गंगा समिति की बैठक में गंगा घाटों एवं नदी किनारे की व्यवस्थाओं की गई समीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सारण के जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में जिला गंगा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में गंगा नदी के संरक्षण, गंगा घाटों के विकास, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, एमआरएफ एवं कंपोस्टिंग प्लांट, विद्युत शवदाह गृह, एसटीपी, जैविक खेती, पौधारोपण, बायो-फेंसिंग तथा गंगा किनारे पेयजल की गुणवत्ता सहित विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में रिविलगंज, कोपा तथा मांझी को छपरा नगर निगम के अंतर्गत टैग किए जाने के बाद ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था की समीक्षा की गई। रिविलगंज क्षेत्र के लिए एमआरएफ एवं कंपोस्टिंग प्लांट की व्यवस्था हेतु गरखा में लगभग 4ड्ट1एकड़ भूमि उपलब्ध कराई गई है। अन्य नगर निकायों के लिए भी भूमि चिह्नित की जा रही है तथा दो अतिरिक्त क्लस्टर विकसित किए जाने हैं। सोनपुर में भी इसके लिए भूमि चिह्नित की गई है। एमआरएफ एवं कंपोस्टिंग प्लांट के संचालन एवं प्रबंधन से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। रिविलगंज विद्युत शवदाह गृह को पी पी पी मोड में संचालित करने का निर्देश बैठक में रिविलगंज स्थित विद्युत शवदाह गृह की स्थिति की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि शवदाह गृह की रिपेयरिंग का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि इसे नियमित रूप से संचालित करने की व्यवस्था अभी शेष है। जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया कि विद्युत शवदाह गृह के संचालन के लिए पीपीपी मोड में एजेंसी का चयन करते हुए इसे शीघ्र कार्यशील एवं नियमित रूप से संचालित कराना सुनिश्चित करें। बैठक में अन्य नगर निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। सोनपुर एवं दिघवारा को आपस में टैग किया गया है। संबंधित क्षेत्रों में उपलब्ध भूमि एवं संसाधनों के बेहतर उपयोग के निर्देश दिए गए। दिघवारा क्षेत्र में भी भूमि चिह्नित की गई है, जहां सतत लीज प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई करने को कहा गया। दिघवारा के घाट पर विद्युत शवदाह गृह से संबंधित मामले की समीक्षा करते हुए जिला पदाधिकारी ने अंचल अधिकारी को स्थल की मापी कराकर विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। एसटीपी एवं जल गुणवत्ता की कि गई समीक्षा बैठक में सभी नगर निकायों में एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) से संबंधित कार्यों की भी समीक्षा की गई।

उर्वरक विक्रेताओं की समस्याओं को लेकर छपरा में धरना-प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। उर्वरक विक्रेताओं की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर सोमवार को जिला कृषि कार्यालय परिसर में मेराज अहमद की अगुवाई में एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया गया। धारणा में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए दो दर्जन से अधिक खुदरा उर्वरक विक्रेताओं ने भाग लिया। वहीं, 200 से अधिक विक्रेताओं ने फोन के माध्यम से प्रदर्शन को अपना समर्थन दिया। प्रदर्शन के दौरान विक्रेताओं ने उर्वरक की उपलब्धता, बिक्री व्यवस्था और कंपनियों की कार्यप्रणाली से जुड़ी समस्याओं को लेकर अपनी मांगें रखीं। जिसमें उर्वरक बिक्री केंद्रों पर समय पर खाद उपलब्ध कराने, अतिरिक्त किराया नहीं लेने, विक्रेताओं के लिए उर्वरक का उचित क्रय मूल्य निर्धारित करने तथा बिक्री में अनिवार्य टैगिंग की व्यवस्था समाप्त करने की मांगे शामिल थीं।। इसके अलावा उर्वरक कंपनियों द्वारा अन्य उत्पादों की जबरन बिक्री पर रोक लगाने, बिक्री रजिस्टर की अनिवार्यता समाप्त करने, पीओएस मशीन के माध्यम से उर्वरक बिक्री पर उचित कमीशन देने तथा सभी उर्वरक बिक्री केंद्रों पर निःशुल्क वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध कराने की भी मांगें शामिल थीं।। प्रदर्शन के अंत में आयोजकों एवं विक्रेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने अपनी सात सूत्रीय मांगों से संबंधित ज्ञापन जिला कृषि पदाधिकारी को सौंपा। धरना प्रदर्शन में मेराज अहमद, सुजीत कुमार, अजय कुमार, शत्रुघ्न प्रसाद, संतोष कुमार, सिकंदर राय, कृष्ण यादव, रौनक कुमार व अन्य शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

ट्रेन से गिरकर अज्ञात व्यक्ति की मौत शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

डोरीगंज। डोरीगंज थाना क्षेत्र के मनोपुर जहांगीर स्थित रेलवे ट्रैक ढाला के समीप सोमवार को ट्रेन से गिरने के कारण एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना मिलने पर डोरीगंज थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान तत्काल नहीं हो सकी है। पुलिस मृतक की पहचान कराने के साथ घटना के संबंध में जानकारी जुटा रही है। डोरीगंज थानाध्यक्ष राजशेखर ने बताया कि मनोपुर जहांगीर रेलवे ट्रैक ढाला के समीप ट्रेन से गिरने के कारण एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हुई है। पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृतक की पहचान के लिए पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

मांझी थानान्तर्गत 20 मवेशी को बरामद कर 04 मवेशी तस्कर को किया गया गिरफ्तार

छपरा सदर। सारण के एसएसपी के निर्देशन में विधि-व्यवस्था संधारण हेतु विशेष वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में 30 अगस्त को मांझी थाना पुलिस टीम द्वारा बलिया मोड़ के पास वाहन जांच के क्रम में उत्तर प्रदेश की तरफ से एक पिकअप वाहन आता दिखा, जिसे रुकने का इशारा किया गया। जांच एवं तलाशी के क्रम में 12 मवेशी एवं पिकअप के साथ 02 व्यक्ति को पकडा गया। बरामद मवेशियों को विधिवत जप्त कर पकड़ाये 01 व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया तथा 01 विधि-विरुद्ध बालक को भी निरुद्ध किया गया। साथ ही कुछ ही देर बाद उत्तर प्रदेश की तरफ से एक और पिकअप वाहन आता दिखा, जिसे रुकने का इशारा किया गया। जांच एवं तलाशी के क्रम में 04 मवेशी एवं पिकअप के साथ 03 व्यक्तियों को पकड़ लिया गया। बरामद मवेशियों को विधिवत जप्त कर पकड़ाये 02 व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के क्रम में पकड़ाये सभी व्यक्तियों द्वारा मवेशियों के खरीद-बिक्री एवं परिवहन से संबंधित कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही कोई संतोषजनक उत्तर दिया गया। इस संबंध में मांझी थाना कांड संख्या-428/26 दर्ज कर पशु क्रूरता अधिनियम दर्ज कर कुल-05 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

मांझी में नंदी की प्रतिमा का सींग टूटा, ग्रामीणों में आक्रोश

मांझी (सारण)। मांझी थाना क्षेत्र के डुमाईगढ़ घाट पर स्थित भगवान शिव मंदिर के द्वार पर स्थापित भगवान नंदी की प्रतिमा के दोनों सींग सोमवार की सुबह टूटे हुए पाए गए। घटना को देखकर ग्रामीण आक्रोशित हो गए और असामाजिक तत्वों पर आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे। सूचना मिलते ही मांझी थानाध्यक्ष विनोद कुमार दल-बल के साथ मंदिर परिसर पहुंचे और घटना की गंभीरता से जांच की। मौके पर मौजूद स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि शैलेश्वर मिश्रा, पूर्व जिला परिषद सदस्य राजू गुप्ता, टुन्ना सिंह और ललन सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने आशंका जताई कि यह असामाजिक तत्वों की करतूत नहीं, बल्कि बच्चों के खेलने या महिलाओं द्वारा पूजा के दौरान नंदी का सींग क्षतिग्रस्त हुआ है। वहीं दूसरी ओर मंदिर निर्माण समिति के संयोजक सहजानंद सिंह और दिनेश्वर मिश्रा ने बताया कि मंदिर परिसर में शरारती तत्व सक्रिय हैं। वे लाखों रुपये की लागत से हो रहे मंदिर निर्माण कार्य में आए दिन व्यवधान उत्पन्न करते रहते हैं। दोनों ने पुलिस से मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि लगभग डेढ़ दशक पूर्व उक्त मंदिर के शिवलिंग में अचानक भगवान शिव की आकृति देखे जाने के बाद यह मंदिर काफी चर्चित हो गया था। तभी से यहां विशेषकर सावन माह में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है।

प्रभुनाथ नगर कॉलोनी में जलजमाव की समस्या का डीडीसी ने लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सारण के उप विकास आयुक्त, लक्ष्मण तिवारी द्वारा सोमवार को छपरा सदर प्रखंड की सर ग्राम पंचायत स्थित प्रभुनाथ नगर कॉलोनी में जलजमाव की स्थिति का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त ने कॉलोनी में जलजमाव के कारणों एवं जल निकासी की वर्तमान व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने स्थानीय स्तर पर जल निकासी में आ रही समस्याओं की जानकारी लेते हुए जलजमाव से स्थायी रूप से निपटने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उप विकास आयुक्त ने कॉलोनी में जल निकासी के लिए महत्वपूर्ण नालों को चिन्हित करते हुए उनके जीर्णोद्धार, उड़ाही तथा अतिक्रमणमुक्त कराने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। उन्होंने नालों की समुचित सफाई एवं जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए जलजमाव की समस्या के प्रभावी समाधान पर विशेष ध्यान देने को कहा। इस संबंध में सहायक अभियंता, पीएचईडी, सारण, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी, सदर को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही चिन्हित नालों की स्थिति का आकलन कर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्य कराने को कहा गया। उप विकास आयुक्त ने स्पष्ट किया कि जलजमाव की समस्या के समाधान के लिए केवल तात्कालिक उपायों के बजाय स्थायी एवं प्रभावी जल निकासी व्यवस्था विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

नहीं रहे शिक्षाविद् सुरेश बाबू

प्रात : किरण संवाददाता

इसुआपुर। प्रखंड के जाने-माने शिक्षाविद् सढ़वारा गांव निवासी 81 वर्षीय शैलेंद्र प्रसाद सिन्हा उर्फ सुरेश प्रसाद श्रीवास्तव अब हमारे बीच नहीं रहे। रविवार की देर संध्या पटना में उन्होंने अंतिम सांस ली। सुरेश बाबू शांति रमन बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सढ़वारा के संस्थापक सदस्य के साथ-साथ भूमि दाता भी थे। वही खोभारी साह प्लस टू विद्यालय इसुआपुर के भी संस्थापक सदस्यों में थे। इन दोनों विद्यालयों के सरकारी मंजूरी मिलने के पूर्व इन्होंने कई वर्षों तक अपनी निःशुल्क सेवाएं भी दीं। वही मंजूरी दिलाने में इनका अहम योगदान था। सरकारी सेवक के रूप में भी इन्होंने खोभारी साह प्लस टू विद्यालय इसुआपुर, प्लस टू विद्यालय मशरक, एसएनजी प्लस टू विद्यालय रामपुर अटौली में 25 वर्षों तक सेवाएं दीं। वहीं वर्ष 2005 में सरकारी सेवा से सेवानिवृत होने के बाद इन्होंने सढ़वारा स्थित अपने आवासीय परिसर में शिक्षायण नाम से शिक्षण संस्थान की स्थापना कर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं जारी रखीं। वे सामाजिक कार्यों में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते थे। गरीब, लाचार, बेवश लोगों की मदद भी करते थे। सुरेश बाबू के निधन से शिक्षा जगत में शोक की लहर व्याप्त हो गई है। उनके निधन पर महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, विधायक जनक सिंह, तरैया के पूर्व राजद प्रत्याशी शैलेंद्र प्रताप सिंह, जिला पार्षद प्रियंका सिंह, छविनाथ सिंह, मुखिया धनंजय पांडेय, शिक्षक धनंजय साह, ओम प्रकाश गुप्ता, पूर्व मुखिया राज किशोर सिंह, अजीत सिंह, सूरज लाल श्रीवास्तव, अमित कुमार शर्मा समेत सैकड़ों जन प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं, शिक्षकों तथा गणमान्य लोगों ने अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

गौतम ऋषि आश्रम-अहिल्या उद्धार स्थल को धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की पहल

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सारण जिले के रिविलगंज प्रखंड स्थित गौतम ऋषि आश्रम-अहिल्या उद्धार स्थल को बिहार के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने तथा इसे रामायण सर्किट में शामिल कराने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा पहल की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को सारण के उप विकास आयुक्त लक्ष्मण तिवारी द्वारा गौतम ऋषि आश्रम-अहिल्या उद्धार स्थल का स्थल भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने स्थल के विकास की संभावनाओं तथा श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को उपलब्ध कराई जाने वाली आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया। स्थल भ्रमण के क्रम में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए प्रवेश द्वार, समतलीकरण, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, पार्किंग, विश्राम स्थल एवं बैठने की व्यवस्था विकसित करने पर विचार किया गया। साथ ही स्थल तक पहुंचने वाले मार्गों पर दिशा-सूचक एवं पर्यटन संबंधी सूचना-पट्ट लगाए जाने की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई। उप विकास आयुक्त ने उक्त सुविधाओं के विकास के लिए आवश्यक भूमि एवं आधारभूत संरचना की उपलब्धता तथा संभावित कार्यों का आकलन करते हुए प्रस्ताव एवं संभावित प्रतिवेदन तैयार करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। इस संबंध में भूमि सुधार उप समाहर्ता, सदर छपरा, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, सारण, अंचल अधिकारी, रिविलगंज तथा कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत रिविलगंज को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया है। जिला प्रशासन का उद्देश्य इस ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्ता को संरक्षित रखते हुए यहां आवश्यक पर्यटक सुविधाओं का विकास करना है, ताकि यह स्थल श्रद्धालुओं के साथ-साथ देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन सके। गौतम ऋषि आश्रम-अहिल्या उद्धार स्थल को रामायण सर्किट से जोड़ने की पहल से सारण जिले में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर भी सृजित होने की संभावना है।

गंगा में डूबे 17 वर्षीय युवक का शव बरामद, निमार्णाधीन दिघवारा-शेरपुर पुल के पिलर के पास मिला शव

दिघवारा। अवतारनगर थाना क्षेत्र के क्रमवारीपट्टी आमी स्थित नमामि गंगे घाट के समीप रविवार को गंगा नदी में डूबे 17 वर्षीय युवक का शव सोमवार की दोपहर एनडीआरएफ की टीम ने बरामद कर लिया। युवक का शव निमार्णाधीन दिघवारा-शेरपुर पुल के एक पिलर के समीप से बरामद किया गया। मृतक की पहचान दिघवारा थाना क्षेत्र के सैदपुर ककड़ियां निवासी सुमन सिंह के 17 वर्षीय पुत्र कृष कुमार उर्फ मोनू के रूप में हुई है। बताया जाता है कि कृष अपने एक चचेरे भाई के साथ परिजनों को बिना बताए रविवार को आमी स्थित नमामि गंगे घाट पर गंगा स्नान करने पहुंचा था। इसी दौरान गंगा की तेज धारा की चपेट में आने से वह डूब गया। घटना के बाद एनडीआरएफ की टीम ने रविवार को काफी देर तक नदी में युवक की तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। सोमवार को दोबारा शुरू किए गए तलाशी अभियान के दौरान दोपहर करीब तीन बजे निमार्णाधीन दिघवारा-शेरपुर पुल के एक पिलर के पास से कृष का शव बरामद किया गया। शव बरामद होने की सूचना मिलते ही अवतारनगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा भेज दिया। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

03 सितम्बर 2026 को अवर प्रादेशिक नियोजनालय छपरा कार्यालय परिसर में होगा नियोजन शिविर का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सारण के नियोजन पदाधिकारी अवर प्रादेशिक नियोजनालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के तत्वावधान में अवर प्रादेशिक नियोजनालय, छपरा के कार्यालय परिसर में 03 सितम्बर 2026 को 10:30 बजे पूर्वाह्न से 04:00 बजे तक नियोजन शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल मस्ती चौक, परसा, सारण के लिए अंग्रेजी एवं कंप्यूटर शिक्षक के एक-एक शिक्षक के पद हेतु अभ्यार्थियों का चयन किया जायेगा। अंग्रेजी एवं कंप्यूटर शिक्षक के पद हेतु शैक्षणिक योग्यता पोस्ट ग्रेजुएट/बीऐड वेतन-22000-40000 रुपया प्रति माह दिया जायेगा। उम्र सीमा 25 से 35 वर्ष एवं जॉब लोकेशन मस्तीचक सारण होगा। नियोजन कैम्प में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक है कि उनका निबंध एनसीएस डॉट गोव डॉट इन पर हो। कोई भी अभ्यर्थी घर बैठे अपना निबंधन इस पोर्टल के माध्यम से कर सकता है। साथ ही अवर प्रादेशिक नियोजनालय छपरा कार्यालय में भी ऑनलाइन निबंधन हेतु संपर्क किया जा सकता है। नियोजन कैंप में भी ऑनलाइन नियोजनालय निबंधन की व्यवस्था रहेगी।

बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था ने जीता माताओं का भरोसा सारण में सुरक्षित प्रसव की बड़ी छलांग

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सारण जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण का सकारात्मक असर अब आंकड़ों में भी दिखाई देने लगा है। जिले में महिलाओं का प्रसव के लिए स्वास्थ्य संस्थानों पर भरोसा बढ़ा है, जिसके परिणामस्वरूप संस्थागत प्रसव में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (एनएफएचएस-6) के हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार सारण में संस्थागत प्रसव का प्रतिशत 73 से बढ़कर 83.5 प्रतिशत हो गया है। यानी एनएफएचएस-5 की तुलना में जिले में संस्थागत प्रसव में 10.5 प्रतिशत अंक की वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के दौरान सारण जिले में 73 प्रतिशत प्रसव स्वास्थ्य संस्थानों में हुए थे। वहीं एनएफएचएस-6 (2023-24) के आंकड़ों के अनुसार अब 83.5 प्रतिशत महिलाओं का प्रसव स्वास्थ्य संस्थानों में हो रहा है। यह बदलाव जिले में सुरक्षित मातृत्व को लेकर बढ़ती जागरूकता के साथ-साथ स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच और सेवाओं में सुधार का संकेत माना जा रहा है। सरकारी अस्पतालों की ओर बढ़ा महिलाओं का रुझान सारण में सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के प्रति भी महिलाओं का भरोसा बढ़ा है। एनएफएचएस-5 के अनुसार जिले में 57.2 प्रतिशत प्रसव सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में हुए थे। एनएफएचएस-6 के आंकड़ों में यह प्रतिशत बढ़कर 64.3 प्रतिशत पहुंच गया है।सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसव के आंकड़ों में वृद्धि को स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार से जोड़कर देखा जा रहा है। जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, रेफरल अस्पतालों और जिला स्तरीय स्वास्थ्य संस्थानों में प्रसव सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में लगातार प्रयास किए गए हैं।सरकारी संस्थानों में बेहतर सुविधाएं मिलने और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता बढ़ने से ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं का रुझान भी संस्थागत प्रसव की ओर बढ़ा है। प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की देखरेख में प्रसव बढ़े सुरक्षित प्रसव के लिहाज से एक और महत्वपूर्ण सुधार प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की देखरेख में होने वाले प्रसव के आंकड़ों में देखा गया है। एनएफएचएस-5 में जहां 79.1 प्रतिशत प्रसव प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की सहायता से कराए गए थे, वहीं एनएफएचएस-6 में यह आंकड़ा बढ़कर 83.5 प्रतिशत हो गया है।प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की मौजूदगी में प्रसव होने से जटिल परिस्थितियों की समय पर पहचान और प्रबंधन संभव हो पाता है। इससे जरूरत पड़ने पर गर्भवती महिला को उच्च स्वास्थ्य केंद्र तक रेफर करने में भी मदद मिलती है।

समूह गान प्रतियोगिता में आर्य कन्या उच्च विद्यालय विजेता एवं सेंट्रल पब्लिक स्कूल उपविजेता बना

छपरा कार्यालय। भारत विकास परिषद के तत्वावधान में चांदमारी रोड स्थित विकास नगर स्थित सेंट्रल पब्लिक स्कूल में जिला स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसे लायंस क्लब ऑफ छपरा ने प्रायोजित किया। इस प्रतियोगिता का विजेता मिश्री लाल साह आर्य कन्या उच्च विद्यालय तथा उपविजेता सेंट्रल पब्लिक स्कूल बना तीसरे स्थान पर अरविंद पब्लिक स्कूल रहा। चौथे एवं पांचवें स्थान पर क्रमशः गंगा देवी आर्य कन्या मध्य विद्यालय एवं राजकीय कन्या उच्च विद्यालय रहा। लोकगीत की प्रतियोगिता का खिताब मिश्रीलाल साह आर्य कन्या उच्च विद्यालय ने जीता। प्रतियोगिता के लिए प्रांतीय पर्यवेक्षक भारत भूषण पांडेय रहे जबकि निर्णायक की भूमिका प्रदीप सौरभ, नीतू जायसवाल एवं निखिल कुमार सिंह ने निभाई। टाइमकीपर की भूमिका मोनू कुमार सिंह एवं छोटू कुमार सिंह ने निभाई। प्रतियोगिता का उद्घाटन लायंस क्लब ऑफ छपरा के अध्यक्ष डॉ उज्जवल कुमार वर्मा, प्रशासक डॉ विकास कुमार सिंह, उपाध्यक्ष राकेश कुमार मिश्रा, रिबेल के निदेशक डॉक्टर विक्की आनंद, भारत विकास परिषद के वरीय सदस्य ईश्वर प्रसाद, डॉ एम के शरण, विनोद कुमार मिश्रा, एस एन पाठक, जगती प्रसाद, लक्की पटेल, शिवशंकर सहित कई गणमान्य लोगों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। भारत विकास परिषद, शाखा छपरा के प्रवक्ता डॉ विकास कुमार सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता की विजेता टीम सिवान में आयोजित प्रांतीय प्रतियोगिता में सारण का प्रतिनिधित्व करेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं मंच संचालन परिषद के अध्यक्ष डॉ मनोज कुमार वर्मा संकल्प ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन परिषद के सचिव डॉ आशुतोष दीपक ने किया। इस अवसर पर भगवत विद्यापीठ के प्राचार्य डॉ. अमरेंद्र सिंह, संगीत शिक्षक धनंजय कुमार मिश्रा, गायक गौतम जी, गायिका प्रियंका कुमारी, स्वेता रानी, संगठन सचिव राहुल मेहता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर आर्य कन्या उच्च विद्यालय की छात्रा जाह्नवी गुप्ता एवं आंचल कुमारी के नृत्य ने सबका मन मोह लिया।

अवतारनगर थानान्तर्गत हत्या के कांड में वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सारण जिलान्तर्गत अपराध के मुख्य शीर्षों में वांछित तथा फिरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर अवतारनगर थाना पुलिस टीम के द्वारा छापामारी कर अवतारनगर थाना कांड संख्या-85/23 के अभियुक्त राकेश राय, पिता-स्व० सुहाग राय, साकिन-झौवा टोला, थाना-अवतारनगर, जिला-सारण को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य उपेंद्र प्रसाद को दी गई भावभीनी विदाई, शिक्षकों ने उनके योगदान को किया याद

प्रात : किरण संवाददाता

परसा। नगर पंचायत परसा स्थित कन्या मध्य विद्यालय परसा के प्रधानाचार्य उपेंद्र प्रसाद के सेवानिवृत्ति के अवसर पर सोमवार को विद्यालय परिसर में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन पूर्व प्राचार्य अंबिका राय की अध्यक्षता में किया गया।इस अवसर पर विद्यालय परिवार के साथ-साथ क्षेत्र के कई गणमान्य शिक्षक और शिक्षाविद उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षक सुनील कुमार राय, सचिव ललन यादव, अध्यक्ष उमेश राय, प्राचार्य उपेंद्र शर्मा, प्रो. विमल प्रसाद, प्राचार्य सत्येंद्र कुमार, प्राचार्य गजेंद्र कुमार, सुरेश सिंह, अजय सिंह, विजय प्रकाश शर्मा और प्राचार्य बबीता कुमारी ने उपेंद्र प्रसाद के जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि उपेंद्र प्रसाद ने अपने पूरे सेवाकाल में शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान दिया। उन्होंने न सिर्फ छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी, बल्कि अनुशासन, संस्कार और नैतिक मूल्यों की भी सीख दी। विद्यालय के विकास में उनकी भूमिका को हमेशा याद रखा जाएगा।समारोह के दौरान सभी शिक्षकों ने सेवानिवृत्त प्राचार्य को अंगवस्त्र, बुके और फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया। भावुक माहौल में सभी ने उनके स्वस्थ, सुखी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।अपने विदाई संबोधन में उपेंद्र प्रसाद ने कहा कि शिक्षक के हाथ में ही छात्रों का भविष्य होता है। उन्होंने सभी शिक्षकों से जिम्मेदारी और निष्ठा के साथ शिक्षण कार्य करने और छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने की अपील की। उन्होंने विद्यालय परिवार द्वारा दिए गए सम्मान और स्नेह के लिए आभार व्यक्त किया।मंच संचालन ब्रजेश कुमार सिंह ने किया।जबकि संगीत से शिक्षक जाफर आलम ने स्वागत किया।

खजौता में जयनाथ ओझा के घर भीषण आग, सामान जलकर खाक

दरियापुर। डेरनी थाना क्षेत्र के खजौता गांव में रविवार की शाम करीब 7:30 बजे जयनाथ ओझा एवं बिजेन्द्र ओझा के घर में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और घर में रखा काफी सामान जलकर खाक हो गया। आग की लपटें देखकर गांव में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की सूचना मिलते ही ग्रामीण तत्परता से मौके पर पहुंचे और अपने स्तर से आग बुझाने तथा घर से सामान निकालने में जुट गए। सामान बाहर निकालने के दौरान आंशिक रूप से एक व्यक्ति जल गए। आग इतनी भयावह थी कि उस पर काबू पाने के लिए दमकल की मदद लेनी पड़ी। सूचना मिलते ही डेरनी थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। वहीं रेल चक्का कारखाना की दमकल के साथ बिहार अग्निशामक सेवा की तीन दमकल गाड़ियां भी मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों, ग्रामीणों, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने घंटों मशक्कत की, जिसके बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। घटना की सूचना पर बीडीओ एवं सीओ समेत प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी की। स्थानीय मुखिया सुधीर कुमार अकेला उर्फ गुड्डू राम, पैक्स अध्यक्ष कामेश्वर राय, शिक्षक पप्पू कुमार भी मौके पर मौजूद रहे और ग्रामीणों के साथ आग बुझाने में सहयोग किया। भीषण अगलगी में घर का काफी सामान जलकर राख हो गया। आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। प्रशासन द्वारा आग से हुई क्षति का आकलन किया जा रहा है। ग्रामीणों की तत्परता और समय पर पहुंची दमकल टीमों के प्रयास से आग को आसपास के घरों तक फैलने से रोक लिया गया।

श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव की तैयारी में जुटे चित्रांश

छपरा कार्यालय। श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव की तैयारी को लेकर सभी चित्रांश जुट गए। इसके लिए कई उपसमितियों के गठन के उपरांत जिम्मेवारी भी तय कर दी गई। वही पूजनोत्सव को धूमधाम से मनाने एवं कई विभिन्न प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर सक्रिय सदस्यों को लगा दिया गया है। इस आशय से सम्बंधित निर्णय सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं रचनात्मक कार्यो के प्रति समर्पित चित्रांश समाज की पुरानी संस्था श्री चित्रगुप्त समिति की वार्षिक आम सभा की बैठक में लिया गया।बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष नागेंद्र कुमार वर्मा ने की। स्थानीय राज्य संपोषित सारण कमर्शियल एकेडमी के सभागार में श्री चित्रगुप्त समिति की वार्षिक आमसभा का शुभारंभ भगवान श्री चित्रगुप्त वंदना के साथ शुरू हुआ। जबकि इसके पूर्व समारोह का विधिवत उद्घाटन संरक्षक गूँजेश्वर कुमार वर्मा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। समिति के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में संरक्षक गूँजेश्वर कुमार वर्मा ने श्री चित्रगुप्त समिति को अन्य समरूप संस्थाओं की मातृ संस्था का नाम देते हुए समिति के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समिति के प्रत्येक गतिविधियों और पूजनोत्सव के लिये अलग अलग बजट तैयार कर उसका आकलन करना चाहिये, राशि की व्यवस्था करने और उस बजट को आमसभा से पारित कराने पर बल दिया जाना चाहिये। उनके द्वारा समिति के पूर्व से तीन बैंक खाता का संचालन करने का निदेश दिया गया और सहयोग राशि को पूर्व के बैंक खाता में ही समाहित करने का बहुमूल्य सुझाव भी दिया गया। समिति के महासचिव एवं अधिवक्ता विमल कुमार वर्मा ने विगत वर्ष के पूजनोत्सव में हुए व्यय को विस्तृत रूप से प्रस्तुत किया तथा इस बैठक के औचित्य पर सविस्तार प्रकाश डाला।साथ ही, समिति के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं अन्य चित्रांश बन्धुओ से आग्रह किया कि श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव की आवश्यक तैयारी में जुट जाएं और अपने दायित्व का बाखूबी निर्वहन करे ताकि इसकी भव्यता एवं सुंदरता बनी रहे।यह पूजा चित्रांश परिवार के लिए महत्वपूर्ण भी है। उधर समिति के कार्यालय सचिव अरविंद कुमार वर्मा द्वारा अपने पद से विगत दिनों कतिपय कारणों से इस्तीफा देने के कारण कार्यालय सचिव का प्रभार कमलेश्वर कुमार सिन्हा को दिया गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। अध्यक्ष नागेन्द्र कुमार वर्मा ने विभिन्न उपसमितियों के गठन की आवश्यकता को परिभाषित कर इसे पारित करने का सुझव दिया।

संक्षिप्त खबरें

खेत से लौट रहे मजदूर की बिजली की चपेट में आने से मौत

कोईलवर। जिले के चांदी थाना क्षेत्र के नरबीरपुर गांव में सोमवार की दोपहर बिजली के टूटे तार की चपेट में आने से एक अधेड़ मजदूर की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजन आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल, आरा लेकर पहुंचे, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उन्होंने रास्ते में दम तोड़ दिया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान नरबीरपुर गांव निवासी स्व. जलधर राम के 45 वर्षीय पुत्र वंशी राम के रूप में हुई है। वह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। मृतक के छोटे भाई वीरेंद्र कुमार ने बताया कि सोमवार की दोपहर वंशी राम खेत से काम कर घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में बिजली का तार टूटकर नीचे लटक रहा था। बताया गया कि वंशी राम ने लटक रहे तार को रास्ते से हटाने के लिए जैसे ही हाथ लगाया, वह करंट की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से झुलसकर जमीन पर गिर पड़े।परिजन उसी रास्ते से पीछे से आ रहे थे। वंशी राम को जमीन पर गिरा देख परिजनों ने तत्काल उन्हें उठाया और इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर रवाना हुए, लेकिन रास्ते में ही उनकी हालत बिगड़ गई। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एकवना और विशुनपुर में कल लगेगा सहयोग शिविर, लोगों की समस्याओं का होगा समाधान

बड़हरा (भोजपुर)। बिहार सरकार की नई पहल के तहत सहयोग शिविर का आयोजन आगामी 1 सितंबर 2026, मंगलवार को किया जाएगा। बड़हरा प्रखंड क्षेत्र के विशुनपुर एवं एकवना पंचायतों में आयोजित होने वाले इस शिविर में आम लोगों की विभिन्न समस्याओं का समाधान करने के साथ ही उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विशुनपुर पंचायत में सामुदायिक भवन, सेमरा तथा एकवना पंचायत में उत्क्रमित मध्य विद्यालय, एकवना गंज में सहयोग शिविर आयोजित होगा। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों एवं आवेदनों का एक ही स्थान पर समाधान सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, भूमि सुधार, पंचायत राज, शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत एवं कल्याण विभाग से संबंधित समस्याओं पर भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने क्षेत्र के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याओं के समाधान के साथ-साथ सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

मढ़ौरा चीनी मिल के तरैया स्थानांतरण के विरोध में एक दिवसीय धरना

मढ़ौरा। चीनी मिल को तरैया में स्थापित किए जाने की चर्चा से नाराज चीनी मिल संघर्ष समिति सदस्यों ने द्वारा सोमवार को मढ़ौरा अनुमंडल कार्यालय के समीप एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया। आंदोलनकारियों ने बंद पड़ी चीनी मिल को मढ़ौरा में ही पुनः शुरू करने की मांग को लेकर आवाज बुलंद की। धरना के दौरान संघर्ष समिति के सदस्यों ने कहा कि मढ़ौरा की पहचान से जुड़ी चीनी मिल को किसी दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने के बजाय मढ़ौरा में ही पुनर्स्थापित कर चालू किया जाना चाहिए। सदस्यों ने इस मांग से संबंधित ज्ञापन मढ़ौरा अनुमंडल पदाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को सौंपा। और मढ़ौरा चीनी मिल को मढ़ौरा में ही पुनर्जीवित कर शीघ्र चालू कराने की मांग को लेकर आज आंदोलनकारियों ने एकदिवसीय शांतिपूर्ण धरने में आंदोलन को और व्यापक एवं मजबूत बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि मढ़ौरा की चीनी मिल केवल एक कारखाना नहीं, बल्कि इस क्षेत्र की औद्योगिक पहचान, किसानों की आय, मजदूरों के रोजगार और हजारों परिवारों की आजीविका से जुड़ी हुई है। वर्ष 1904 में स्थापित यह मिल लंबे समय तक मढ़ौरा और आसपास के क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार रही। मिल बंद होने के बाद क्षेत्र में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बड़ा नुकसान हुआ। बैठक में कहा गया कि आज जब बिहार में औद्योगिक विकास और रोजगार की आवश्यकता सबसे अधिक है, तब मढ़ौरा की ऐतिहासिक चीनी मिल को पुनर्जीवित करना क्षेत्र के लिए निर्णायक कदम साबित हो सकता है। मिल शुरू होने से हजारों किसानों को गन्ने का सुनिश्चित बाजार, युवाओं को रोजगार तथा परिवहन, व्यापार, होटल, कृषि उपकरण और अन्य क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अप्रत्यक्ष रोजगार मिल सकता है। वक्ताओं ने कहा कि मढ़ौरा में पहले से रेल, सड़क, बिजली, नहर-सिंचाई, बाजार तथा पर्याप्त कृषि क्षेत्र जैसी आवश्यक आधारभूत सुविधाएं मौजूद हैं। इसलिए ऐतिहासिक चीनी मिल के लिए मढ़ौरा से बेहतर और व्यावहारिक विकल्प पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। बैठक में हाल में मढ़ौरा की चीनी मिल के स्थान पर तरैया में नई चीनी मिल स्थापित करने की चर्चा पर चिंता व्यक्त की गई।

सील अवैध क्लीनिक का खुला ताला जांच के लिए दवाओं के लिए गए सैंपल

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा। प्रखंड के गुंडी गांव में पूर्व में छापेमारी के दौरान सील किए गए एक कथित अवैध क्लीनिक को सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जांच की प्रक्रिया के तहत खोला। इस दौरान क्लीनिक में रखी विभिन्न दवाओं के सैंपल औषधि निरीक्षकों द्वारा जांच के लिए लिए गए। जानकारी के अनुसार, गुंडी गांव निवासी भास्कर फुल सिंह की शिकायत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने पूर्व में उक्त क्लीनिक पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान वहां से इंजेक्शन, डिस्पोजेबल सामग्री, चिकित्सा उपकरण, आयरन सिरप सहित कई प्रकार की दवाएं बरामद की गई थीं। इसके बाद क्लीनिक को सील कर दिया गया था। सोमवार को औषधि निरीक्षक संजय कुमार एवं अशोक कुमार की मौजूदगी में क्लीनिक का सील खोला गया और वहां रखी दवाओं के नमूने जांच के लिए लिए गए। इस बीच शिकायतकर्ता ने सील रहने के बावजूद क्लीनिक से दवाओं एवं इंजेक्शन के गायब होने की आशंका जताई थी। हालांकि, जिला कुष्ठ कार्यालय के पदाधिकारी डॉ. दयानंद राय ने इस आरोप से इनकार करते हुए बताया कि सील किए गए कमरे के दोनों दरवाजे सुरक्षित पाए गए हैं। वहीं, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि दवाओं के सैंपल की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ पुलिस बल भी मौजूद रहा।

बाणसागर डैम से सोन नद में छोड़ा गया 3277 क्यूमेक्स पानी रोहतास में बढ़ सकता है जलस्तर, प्रशासन अलर्ट

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। मध्य प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के बीच बाणसागर डैम से सोन नदी में 3277 क्यूमेक्स पानी छोड़ा गया है। बाणसागर डैम से छोड़ा गया यह पानी सोन नदी के रास्ते रोहतास जिले के इंद्रपुरी डैम तक पहुंचेगा। ऐसे में सोन नदी के जलस्तर में आने वाले समय में और वृद्धि होने की संभावना जताई जा रही है।संभावित जल वृद्धि को देखते हुए रोहतास जिला प्रशासन पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। जिलाधिकारी दीपक कुमार मिश्रा ने सोन नदी और उसके आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। डीएम ने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि सोन नदी या उसके आसपास के संभावित प्रभावित क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से नहीं जाएं और नदी से पर्याप्त दूरी बनाए रखें। खासकर बच्चों को नदी के किनारे जाने से रोकने की अपील की गई है। वहीं पशुपालकों को भी चेतावनी दी गई है कि वे अपने मवेशियों को नदी के किनारे या टीलों पर लेकर न जाएं ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। इधर चेनारी के गुप्ता धाम इलाके में पहाड़ी पानी पहुंचने के कारण पर्यटकों की सुरक्षा को देखते हुए वन विभाग ने प्रभावित क्षेत्र में जाने पर रोक लगा दी है। प्रशासन और वन विभाग संभावित खतरे को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर रख रहे हैं। जिला प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करें। फिलहाल सबसे जरूरी है सावधानी क्योंकि बाणसागर से छोड़ा गया पानी सोन नदी के रास्ते रोहतास की ओर बढ़ रहा है और आने वाले समय में जलस्तर में वृद्धि हो सकती है।

महुली घाट पर नाविकों को क्षमता अनुसार ही यात्रियों को ले जाने की सख्त हिदायत

बड़हरा । सिन्हा थाना अध्यक्ष राजू कुमार ने महुली घाट से खवासपुर जाने वाले ग्रामीणों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी नाविकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने नाविकों को नाव की निर्धारित क्षमता के अनुसार ही यात्रियों को बैठाने और किसी भी स्थिति में ओवरलोडिंग नहीं करने की सख्त हिदायत दी। थाना अध्यक्ष ने कहा कि नाव परिचालन के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। क्षमता से अधिक लोगों को नाव पर बैठाने से दुर्घटना या किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए सभी नाविक पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ नाव का संचालन करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि नदी पार करने वाले किसी भी ग्रामीण अथवा नाविक को किसी प्रकार की परेशानी या संकट का सामना न करना पड़े।

स्नातक सत्र 2026–30 में कॉलेज कोटा से नामांकन शुरू, 2 सितंबर तक जमा होगा प्रमाणपत्र

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू) के अंतर्गत स्नातक सेमेस्टर-1 सत्र 2026-30 में कॉलेज कोटा सीटों पर नामांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बीए, बीएससी और बीकॉम में ऑनलाइन आवेदन के दौरान जिन छात्र-छात्राओं ने कॉलेज कोटा सीट के तहत एनसीसी, स्पोर्ट्स, कल्चरल एवं फाइन आर्ट्स, डोनर, टीचिंग स्टाफ वार्ड या नन-टीचिंग स्टाफ वार्ड जैसी श्रेणियों का विकल्प चुना है, उन्हें अब संबंधित कॉलेज में प्रमाणपत्र जमा कर नामांकन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। विश्वविद्यालय की ओर से जारी निर्देश के अनुसार कॉलेज कोटा के तहत नामांकन के लिए छात्र-छात्राओं को 31 अगस्त से 2 सितंबर 2026 तक संबंधित महाविद्यालय में अपने कोटा से जुड़े प्रमाणपत्र जमा करने होंगे। कॉलेज प्रशासन को निर्देश दिया गया है कि निर्धारित नियमों के अनुसार प्रमाणपत्रों की जांच करने के बाद ही कोटा सीट पर नामांकन की प्रक्रिया पूरी की जाए।निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि कोटा सीट का लाभ उन्हीं विद्यार्थियों को मिलेगा, जिन्होंने निर्धारित समयावधि में ऑनलाइन आवेदन करते समय संबंधित कोटा का विकल्प चुना है। एनसीसी श्रेणी में ह्यएह्न एवं ह्यबीह्न प्रमाणपत्र रखने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दिए जाने की बात कही गई है। कॉलेज कोटा के तहत एनसीसी एवं आर्मी पर्सनल वार्ड के लिए 2 प्रतिशत, स्पोर्ट्स के लिए 2 प्रतिशत, कल्चरल एवं फाइन आर्ट्स के लिए 1 प्रतिशत, डोनर के लिए 2 प्रतिशत, टीचिंग स्टाफ वार्ड के लिए 1 प्रतिशत तथा नन-टीचिंग स्टाफ वार्ड के लिए 1 प्रतिशत सीटें निर्धारित की गई हैं।निर्देश के मुताबिक विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी किसी भी अंगीभूत अथवा संबद्ध महाविद्यालय में वार्ड केस के तहत आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने महाविद्यालयों को कोटा सीटों पर नामांकन में नियमों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। विद्यार्थियों से समय-सीमा के भीतर प्रमाणपत्र जमा कर नामांकन सुनिश्चित करने को कहा गया है।

सहार बाजार में दुर्गा पूजा को लेकर आमसभा

सहार। सहार बाजार में दुर्गा पूजा के आयोजन को लेकर आमसभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पिछले कमेटी को भंग कर आमसभा की सहमति से नई कमेटी का गठन किया गया। बैठक में वर्ष 2024-25 के आय-व्यय का लेखा-जोखा भी प्रस्तुत किया गया। उपलब्ध विवरण के अनुसार कुल आय 4,98,719 रुपये, कुल व्यय 4,70,760 रुपये तथा 27,959 रुपये की बचत बताई गई।आमसभा में नई कमेटी में अध्यक्ष अमृत कुमार, उपाध्यक्ष भोला सिंह, सचिव पप्पू विश्वकर्मा, उपसचिव नंदन कुमार, कोषाध्यक्ष सौरभ केसरी और उपकोषाध्यक्ष रोहित केसरी सूचनामंत्री हिमांशु केशरी और आर्यन केशरी, व्यवस्थापक वकील साव,अशोक प्रदास,कपिल प्रसाद,मंटू केशरी, रविन्द्र केशरी ,पिंटू केशरी,सुनील कुमार का चयन किया गया। वहीं सदस्यों का भी चयन किया गया। बैठक में आगामी दुर्गा पूजा को लेकर बेहतर व्यवस्था और शांतिपूर्ण तरीके से पूजा आयोजन कराने पर चर्चा की गई। नई कमेटी के गठन के बाद सदस्यों एवं उपस्थित लोगों ने कमेटी के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

प्रखंड परिचारी पद से सेवानिवृत्त हुए बैजनाथ प्रसाद की दी गई विदाई

39 वर्षो तक दी सेवा, अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने दी भावभीनी विदाई

प्रात : किरण संवाददाता

कोईलवर। प्रखंड कार्यालय, कोईलवर में सोमवार को परिचारी पद पर कार्यरत बैजनाथ प्रसाद के सेवानिवृत्त होने पर विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। करीब 39 वर्षों तक प्रखंड विकास पदाधिकारी के कार्यालय में परिचारी के रूप में सेवा देने के बाद सेवानिवृत्त हुए बैजनाथ प्रसाद को अधिकारियों और कर्मियों ने भावभीनी विदाई दी। समारोह के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी बीरबहादुर पाठक एवं प्रखंड उपप्रमुख राजपाल सिंह ने बैजनाथ प्रसाद को माला पहनाकर, अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान मौजूद पदाधिकारियों और कर्मियों ने उनके लंबे सेवाकाल की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं मंगलमय भविष्य की कामना की।वक्ताओं ने कहा कि किसी भी संस्थान में करीब चार दशक तक पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ सेवा देना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। बैजनाथ प्रसाद ने अपने कार्यकाल के दौरान कार्यालय के कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया और सहकर्मियों के साथ हमेशा सहयोगात्मक व्यवहार बनाए रखा। उनके सेवानिवृत्त होने से कार्यालय के कर्मियों में भावुकता का माहौल रहा। समारोह में प्रधान लिपिक राकेश सिंह, उर्दू लिपिक आलम जी, जनसेवक अनिल जी, लिपिक विजय जी, कार्यपालक सहायक अजय कुमार, राजकुमार, सुदर्शन जी एवं रोहित समेत प्रखंड कार्यालय के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। सभी ने बैजनाथ प्रसाद को सेवानिवृत्ति के बाद के जीवन के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखमय एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

चरपोखरी में पांच सूत्री मांगों को लेकर धरना जर्जर बिजली तार-पोल बदलने की उठी मांग

प्रात : किरण संवाददाता

चरपोखरी। प्रखंड सह अंचल कार्यालय के समक्ष सोमवार को जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने पांच सूत्री मांगों के समर्थन में एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। धरना की अध्यक्षता व्यापार मंडल अध्यक्ष हरिनारायण सिंह ने की। धरना के दौरान क्षेत्र में बिजली व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। प्रदर्शनकारियों ने पुराने और जर्जर बिजली तार एवं पोल बदलने, लगातार बिजली कटौती पर रोक लगाने, कथराई फीडर का विद्युत भार कम करने तथा पसौर महादलित बस्ती में हाई वोल्टेज ट्रांसफार्मर लगाने समेत पांच सूत्री मांगों को पूरा करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जर्जर तार और पोल के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। वहीं, बिजली कटौती और फीडर पर अधिक भार के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धरना के बाद जनप्रतिनिधियों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन चरपोखरी बीडीओ कुमार विमलादित्य को सौंपा और जल्द समाधान की मांग की। धरना-प्रदर्शन में सियाडीह मुखिया लालमुक्ति पासवान, प्रशांत कुमार मिंटू, कामेश्वर मिश्र, विंध्याचल कुमार समेत कई जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

रिंकू सोनी की माँ के निधन पर शोकाकुल परिवार से मिले उपेंद्र कुशवाहा

प्रात : किरण संवाददाता

रोहतास। जिले के डेहरी-डालमियानगर नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या-35 निवासी पूर्व एनडीए प्रत्याशी एवं राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश महासचिव जितेंद्र कुमार उर्फ रिंकू सोनी की माता के निधन पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने उनके आवास पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मिलकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा परिजनों को ढांढस बंधाया। इस दौरान उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि माँ से बढ़कर इस धरती पर पुत्र के लिए कोई नहीं होता। माँ का इस दुनिया से चले जाना बेहद हृदयविदारक होता है। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में वे रिंकू सोनी और उनके पूरे परिवार के साथ खड़े हैं। परिवार के सुख-दुःख में उनका साथ हमेशा बना रहेगा। वहीं रिंकू सोनी ने उपेंद्र कुशवाहा के उनके घर पहुंचने पर आभार जताते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन से उन्हें और उनके परिवार को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि उनका स्नेह और सहयोग परिवार के लिए संबल का काम करेगा। मातमपुर्सी के दौरान राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश सचिव विशाल सिंह,प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी बसंत पटेल, प्रदेश महासचिव बनारसी कुशवाहा, विधान परिषद सभापति प्रतिनिधि प्रकाश गोस्वामी, जिलाध्यक्ष कपिल कुशवाहा, जिला कार्यकारी अध्यक्ष विनय कुमार, पूर्व नगर अध्यक्ष सुरेंद्र ठाकुर, नगर अध्यक्ष दक्षिणी सत्येंद्र कुशवाहा, वेद प्रकाश, पूर्व मुख्य पार्षद शंभू राम, अनुज कुशवाहा, पार्षद प्रतिनिधि आकाश कुमार, पूर्व पार्षद सुरेंद्र सेठ, दिलीप स्वर्णकार, अनिल पटेल, भाजपा नेता अजय सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

यूजीसी नेट जून 2026 में वीकेएसयू के छात्रों ने लहराया परचम, प्राकृत विभाग ने किया सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के प्राकृत विभाग की ओर से यूजीसी नेट (जून 2026) परीक्षा में सफलता हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान प्राकृत भाषा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय और जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने वाले विद्यार्थियों को विभाग की ओर से सम्मानित किया गया। सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।समारोह में विशेष रूप से प्रवीण कुमार ओझा (पी. सम्राट), मंगलेश कुमार सिंह और प्रियंका कुमारी मौर्य की सफलता की चर्चा रही। ग्राम गौरा, बहोरनपुर ओपी निवासी प्रवीण कुमार ओझा ने ईडब्ल्यूएस श्रेणी में पूरे भारत में प्रथम रैंक (AIR-1) हासिल करते हुए जेआरएफ (JRF) क्वालीफाई किया है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजन डॉ. अमित कुमार और प्रो. (डॉ.) डीएन चौधरी के मार्गदर्शन को दिया। वहीं कैमूर जिले के सरहुला निवासी मंगलेश कुमार सिंह ने ओबीसी श्रेणी में 212 अंक प्राप्त कर पूरे भारत में प्रथम रैंक हासिल की और जेआरएफ की परीक्षा भी उत्तीर्ण की। उनकी इस उपलब्धि को विभाग के लिए गौरवपूर्ण बताया गया। रोहतास जिले के ग्राम मठियां, पड़रिया निवासी प्रियंका कुमारी मौर्य ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए यूजीसी नेट परीक्षा में सफलता प्राप्त की। उन्होंने पीएचडी के लिए अपनी जगह पक्की की है। विभागीय शिक्षकों और गुरुजनों ने सभी सफल विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शिक्षकों ने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि विश्वविद्यालय में प्राकृत विषय के प्रति बढ़ती रुचि और बेहतर शैक्षणिक मार्गदर्शन का परिणाम है।

संस्कृत दिवस पर समारोह आयोजित कर भाषा के उत्थान पर जोर

सहार। सहार प्रखंड अंतर्गत विष्णु दत्त मिश्रा संस्कृत उच्च विद्यालय बरूहीं के प्रांगण में संस्कृत दिवस के अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं, अभिभावक तथा संस्कृत प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संस्कृत भाषा के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना एवं इसके प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना रहा। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रेमचंद त्रिपाठी ने संस्कृत के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है और विश्व की प्राचीनतम भाषाओं में इसका विशेष स्थान है। उन्होंने बताया कि वेद, रामायण, महाभारत जैसे महान ग्रंथों की रचना संस्कृत में ही हुई है। प्रधानाध्यापक ने आगे कहा कि संस्कृत भाषा सरल, सहज एवं मधुर है, जो हमारी संस्कृति और संस्कारों की पहचान है। इसके संरक्षण और उत्थान के बिना हमारी सांस्कृतिक विरासत अधूरी है।इस मौके पर विद्यालय की प्रबंध समिति के सचिव, शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारी, अभिभावक, छात्र-छात्राएं एवं संस्कृत प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बिजली विभाग के जेई की मनमानी, फोन उठाने से कर रहे हैं परहेज

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। स्थानीय क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी हो चुकी है। रविवार रात हुई मामूली बारिश के बाद से जगदीशपुर और आसपास के इलाकों में बिजली की भारी कटौती जारी है, जिससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। स्थिति यह है कि कल देर रात बारिश शुरू होते ही गायब हुई बिजली आज तड़के तीन बजे तक पूरी तरह नदारद रही। इसके बाद भी सोमवार को दिनभर बिजली की आवाजाही लगी रही और लोगों को नाममात्र की ही आपूर्ति मिल सकी। इन्वर्टर हुए शो-पीस, गहराया जल संकट - लगातार घंटों बिजली न आने के कारण अब स्थिति विकराल रूप ले चुकी है। घंटों की कटौती के चलते घरों में लगे इन्वर्टर तक जवाब दे चुके हैं, जिससे लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। सबसे अधिक परेशानी पेयजल को लेकर खड़ी हो गई है। मोटर न चल पाने और ओवरहेड टैंक न भर पाने की वजह से क्षेत्र में बूंद-बूंद पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। घरेलू कामकाज पूरी तरह ठप पड़ गए हैं और रोजमर्रा की जरूरतें प्रभावित हो रही हैं। हल्की बारिश भी नहीं झेल पा रहा जर्जर बुनियादी ढांचा- स्थानीय निवासियों का कहना है कि विभागीय लापरवाही के कारण क्षेत्र का बिजली ढांचा पूरी तरह जर्जर हो चुका है। जरा सी बारिश या हवा चलते ही आपूर्ति ठप कर दी जाती है। बार-बार की ट्रिपिंग और लो-वोल्टेज की समस्या से घरों में रखे महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जलने का खतरा भी लगातार बढ़ गया है। विभाग की कार्यशैली पर उठे गंभीर सवाल- बिजली की इस बदहाली से उपभोक्ताओं में विभाग के प्रति भारी आक्रोश है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि समस्या की जानकारी देने के बाद भी बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारी स्थिति में सुधार करने के बजाय केवल पल्ला झाड़ते नजर आते हैं। जब भी बारिश होती है, फॉल्ट के नाम पर घंटों बिजली बंद रखी जाती है, लेकिन इसके स्थाई समाधान को लेकर कोई भी ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। जेई की मनमानी और विभाग द्वारा निर्गत नंबर का दुरुपयोग - बिजली की इस बदहाली के बीच स्थानीय जेई की कार्यशैली ने उपभोक्ताओं का आक्रोश और बढ़ा दिया है। आरोप है कि जगदीशपुर के बिजली विभाग के जेई मुकेश कुमार उपभोक्ताओं का फोन रिसीव करना मुनासिब नहीं समझते हैं। जनता की समस्याओं के प्रति उनकी यह उदासीनता चरम सीमा पर पहुंच चुकी है। बिहार सरकार द्वारा जनता की सहूलियत के लिए जारी किए गए सरकारी निर्गत मोबाइल नंबर और विभागीय संपर्क सूत्रों का इस तरह से नजरअंदाज किया जाना और उपभोक्ताओं का फोन न उठाना एक बेहद गंभीर समस्या बनता जा रहा है। जनता ने उच्च अधिकारियों से इस मामले में हस्तक्षेप कर लापरवाह जेई मुकेश कुमार पर कार्रवाई करने और जल्द बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

24 घंटे का अखंड हरिनाम संकीर्तन शुरू

बड़हरा। प्रखंड कअन्र्तगत मटुकपुर पंचायत के रामशहर गांव स्थित प्राचीन बुढ़वा शंकर भगवान मंदिर परिसर में वीणा अर्चना समिति के द्वारा दो दिवसीय पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया है. धार्मिक आयोजन को लेकर मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है. सोमवार को विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा-अर्चना के दौरान पूरा मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चार और हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा. बड़ी संख्या में श्रद्धालुओ ने मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का दर्शन-पूजन किया, और सुख-समृद्धि की कामना की.आयोजन समिति के सदस्यो ने बताया कि सोमवार की सुबह छह बजे विद्वान आचार्यो की ओर से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव की पूजा-अर्चना करायी गयी.इसके बाद दोपहर एक बजे से 24 घंटे के अखंड हरिनाम संकीर्तन का शुभारंभ हुआ. अखंड संकीर्तन मंगलवार की दोपहर एक बजे तक चलेगा.इसके बाद शाम सात बजे से रामायण पाठ का आयोजन किया जाएगा. धार्मिक अनुष्ठान को लेकर रामशहर सहित आसपास के गांवो में भी श्रद्धालुओ में विशेष उत्साह देखा जा रहा है. आगत अतिथियो का हुआ सम्मान, भंडारे में उमड़ी भीड़ कार्यक्रम में पहुंचे आगत अतिथियो को आयोजन समिति ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया.वही मंदिर परिसर में आयोजित भव्य भंडारे में हजारो श्रद्धालुओ ने प्रसाद ग्रहण किया.प्रसाद वितरण के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही.ग्रामीणो और आयोजन समिति से जुड़े युवाओ ने सेवा भाव से श्रद्धालुओ के बीच प्रसाद का वितरण कराया.हल चलाने के दौरान मिला था, शिवलिंग वीणा अर्चना समिति के सदस्य विश्वजीत सिंह उर्फ पिंटू और दिनेश सिंह उर्फ नेमी ने बताया कि ग्रामीणो के अनुसार वर्षो पहले एक किसान खेत में हल चला रहा था. इसी दौरान हल जमीन के अंदर किसी पत्थर से टकरा गया. किसान ने जब उस स्थान की खुदाई करायी तो वहां शिवलिंग के आकार की आकृति दिखाई दिया. इसकी जानकारी ग्रामीणों को दिया.इसके बाद ग्रामीणो ने एकजुट होकर उस स्थान की खुदाई कर शिवलिंग को बाहर निकाला.बाद में उसी स्थान पर मंदिर का निर्माण कराया गया, और शिवलिंग की विधिवत स्थापना की गयी.सच्चे मन से पूजा करने पर पूरी होती है मनोकामना ग्रामीणो के अनुसार बुढ़वा शंकर भगवान मंदिर के प्रति लोगो में वर्षो से गहरी आस्था है. मान्यता है, कि सच्चे मन और पूरी श्रद्धा के साथ भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने वाले श्रद्धालुओ की मनोकामना पूरी होती है. इसी आस्था के कारण रामशहर के अलावा आसपास के गांवों तथा दूर-दराज के क्षेत्रो से भी श्रद्धालु यहां पहुंचते है. श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते है.शिव के साथ मां दुर्गा के दरबार में भी पहुंचते है, श्रद्धालु बुढ़वा शंकर मंदिर के समीप स्थित मां दुर्गा मंदिर के प्रति भी ग्रामीणो में गहरी आस्था है. श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन-पूजन के बाद मां दुर्गा के दरबार में भी माथा टेकते है, और परिवार की सुख-शांति, समृद्धि व मंगल की कामना करते है. ग्रामीणो का कहना है, कि दोनो धार्मिक स्थलो के कारण यह स्थान क्षेत्र में आस्था के प्रमुख केन्दं के रूप में पहचान बना चुका है. आयोजन में युवाओ की सक्रिय भागीदारी धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने में गांव के युवाओ की सक्रिय भागीदारी देखी जा रही है.मनीष सिंह, भानु सिंह, टनकू पांडे, लवकुश पांडे, ओमप्रकाश सिंह, मनोहर सिंह, प्रवीण सिंह, तारकेश्वर पांडे, उपेंद्र सिंह, चंदन सिंह, कुंदन सिंह, नंदन सिंह, अभिषेक सिंह, गोलू सिंह और विवेक सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण आयोजन की व्यवस्था में जुटे है ।

पितृपक्ष मेला की तैयारियों पर नगर आयुक्त ने की एक-एक व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा

नगर आयुक्त की समीक्षा बैठक में स्वच्छता-पेयजल से प्रकाश व्यवस्था तक ससमय तैयारियां पूरी करने का निर्देश

- मेले से पहले सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने का सख्त निर्देश
- श्रद्धालुओं की सुविधा नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता : नगर आयुक्त

प्रात : किरण संवाददाता

गयाजी। विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला-2026 को लेकर नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। देश-विदेश से गयाजी आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम स्तर पर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में नगर आयुक्त डॉ. गगन ने सोमवार को निगम कार्यालय में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर अब तक की तैयारियों की जानकारी ली और शेष कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के अंदर पूरा करने का निर्देश दिया गया है। इस बैठक में पितृपक्ष मेले के दौरान श्रद्धालुओं को मिलने वाली सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। इसमें मेला क्षेत्र की साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, घाटों की व्यवस्था, शौचालय, तालाबों व पिंडदान स्थलों पर आवश्यक सुविधाएं, अस्थायी पनशाला सहित अन्य नागरिक सुविधाओं की तैयारियों की समीक्षा की गई। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए मेला शुरू होने से पहले सभी तैयारियां पूरी करने को कहा है। आउटसोर्सिंग से होगी पूरे मेला क्षेत्र की सफाई बैठक में नगर आयुक्त को बताया गया कि पितृपक्ष मेला क्षेत्र में साफ-सफाई की व्यापक व्यवस्था आउटसोर्सिंग के माध्यम से कराई जाएगी। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है। नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर सफाई व्यवस्था को समय से लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पितृपक्ष के दौरान गयाजी में देश के विभिन्न राज्यों के साथ विदेशों से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में मेला क्षेत्र, प्रमुख पिंडदान स्थलों, घाटों और श्रद्धालुओं के आवागमन वाले रास्तों पर विशेष सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी कार्यों की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर पितृपक्ष मेला शुरू होने से पहले उसे पूरा करने को कहा, ताकि आयोजन के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं हो। 17 स्थानों पर बन रहे वैट-प्याऊ, लगेंगी अस्थायी पनशालाएं श्रद्धालुओं के लिए पेयजल व्यवस्था को लेकर भी विशेष तैयारी की जा रही है। बैठक में बताया गया कि मेला क्षेत्र में 17 स्थानों पर वैट-प्याऊ का निर्माण कराया जा रहा है। इसका कार्य टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से कराया जा रहा है। इसके अलावा पूरे मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अस्थायी पनशालाएं भी लगाई जाएंगी। नगर आयुक्त ने पेयजल व्यवस्था को लेकर अधिकारियों से कहा कि श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पर्याप्त संख्या में पेयजल केंद्र बनाए जाएं और सभी स्थानों पर नियमित रूप से पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। अंधेरे वाले स्थानों पर लगेंगी स्ट्रीट लाइट, ब्लैक स्पॉट पर हाईमास्ट पितृपक्ष मेले में प्रकाश व्यवस्था को लेकर भी नगर निगम की ओर से विशेष तैयारी की जा रही है। बैठक में बताया गया कि मेला क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था का सर्वे के साथ खराब लाइटों को मरम्मती कराया जा रहा है। जिन स्थानों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था नहीं है, वहां टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से नई लाइट लगाई जाएगी। श्रद्धालुओं की अधिक भीड़ वाले हॉटस्पॉट स्थानों पर हाईमास्ट, मिनी हाईमास्ट और स्ट्रीट लाइट लगाने की योजना है। प्रमुख मार्गों, घाटों और श्रद्धालुओं के आवागमन वाले क्षेत्रों में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने पर विशेष जोर दिया गया है। रामकुंड, गोदावरी, ब्रह्मसत्य और वैतरणी के मिनी झरने होंगे दुरुस्त समीक्षा बैठक में गयाजी के विभिन्न तालाबों में लगे रेडिएटर यानी मिनी झरनों की स्थिति की भी जानकारी ली गई है। बताया गया कि रामकुंड, गोदावरी तालाब, ब्रह्मसत्य और वैतरणी में लगे मिनी झरनों की स्थिति की जांच कराई जाएगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए प्रचार वाहन को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। राष्ट्रीय लीगल सर्विस अथॉरिटी नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार पटना के निदेश पर राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकार गया के परिषद से प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया है। प्रचार वाहन को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार गया के डॉ राकेश कुमार सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि 12 सितम्बर 2026 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत न्यायालयों में लंबित मामलों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, चेक बाउंस के मामले, सिविल वाद, पारिवारिक विवाद, कुटुंब न्यायालय के प्रकरण तथा मोटर दुर्घटना दावा, ट्रैफिक चलान, ग्राम कचहरी क्षतिपूर्ति मामलों का आपसी सहमति से समाधान किया जाएगा। उन्होंने सभी अधिवक्ताओं से अपील की कि राजीनामा योग्य प्रकरणों के निराकरण में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार अरविंद कुमार दास ने राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु अधिक से अधिक प्रकरणों को लोक अदालत में रखकर उनका निराकरण करने के लिए अधिवक्ताओं एवं संबंधित पक्षकारों से सहयोग की अपील की है। इस कार्यक्रम में सचिव अरविंद कुमार दास, चीफ मैनेजर एसबीआई रूबी कुमारी, मंडल प्रमुख पंजाब नेशनल बैंक चैता कुमार पांडे, लीगल ऑफिसर पंजाब नेशनल बैंक प्रशांत कुमार, बैंक ऑफ बड़ौदा मैनेजर अभिषेक कुमार, लीगल ऑफिसर बैंक ऑफ इंडिया शिवम कुमार उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

हिंदी दिवस पाक्षिक पूर्व कार्यक्रम के प्रथम दिन राजा जगन्नाथ सिंह किंकर किए गए याद

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद की महत्वपूर्ण साहित्यिक संस्था जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के तत्वावधान में 14 सितंबर हिंदी दिवस पाक्षिक पूर्व कार्यक्रम के निमित औरंगाबाद जिले के साहित्यकारों का हिंदी भाषा में योगदान कार्यक्रम के प्रथम दिन औरंगाबाद जिले के महान साहित्यकार,नाटककार रंगकर्मी राजा जगन्नाथ प्रसाद सिंह किंकर को याद किया गया।जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह,उपाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र,महामंत्री धनंजय जयपुरी के आह्वान पर संवाद के क्रम में जिला उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि राजा साहब द्वारा मगही भाषा में गीत संग्रह की रचना की गई वहीं कई सिनेमा के कहानियों का लेखन भी किया।बिहार की पहली हिंदी सिनेमा छठ मेला का स्क्रिप्ट एवं संवाद राजा साहब ने ही लिखा था।सूरदास के जीवन पर आधारित सिनेमा बिल्वमंगल की कहानी भी राजा साहब ने ही लिखा। इसके अलावा दर्जनों साहित्यिक रचनाओं को मूर्त रूप प्रदान करने में राजा साहब की महती भूमिका रही है।हिंदी भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के निमित उनके किए गए कार्यों को हिंदी दिवस पर चर्चा के क्रम में औरंगाबाद जिला हमेशा उनका ऋणी रहेगा।

मोरहर नदी का बढ़ा जलस्तर, प्रशासन ने नदी किनारे बसे लोगों को किया अलर्ट

शेरघाटी। मोरहर नदी में लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए शेरघाटी अंचल प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। नदी के जलस्तर में वृद्धि को लेकर प्रशासन ने नदी के किनारे बसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने और ऊंचे स्थानों पर रहने की हिदायत दी है। प्रशासन की ओर से लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की गई है, ताकि जलस्तर बढ़ने की स्थिति में जान-माल का नुकसान नहीं हो। अंचलाधिकारी उषा कुमारी ने बताया कि मोरहर नदी के बढ़ते जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। नदी के आसपास रहने वाले लोगों को पहले ही सतर्क कर दिया गया है। उन्हें नदी के किनारे नहीं जाने तथा किसी भी परिस्थिति में बच्चों और मवेशियों को नदी के पास नहीं जाने देने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। बताया जाता है कि नेपाल में आई भीषण त्रासदी के बाद बिहार की कई नदियों के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हो रही है।इसे देखते हुए विभिन्न इलाकों में लगातार अलर्ट जारी किया जा रहा है। शेरघाटी में भी प्रशासन संभावित बाढ़ की स्थिति को लेकर एहतियाती कदम उठा रहा है।

सीएचसी दरौंदा में प्रसव के नाम पर रुपये मांगने का ऑडियो वायरल

सीवान/दरौंदा। प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) दरौंदा में प्रसव के नाम पर रुपये मांगने का कथित ऑडियो वायरल होने से स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। वायरल ऑडियो में प्रसव के लिए पहुंची महिला के परिजनों से कथित तौर पर रुपये की मांग किए जाने और अलग-अलग तरह की बातें कहकर भुगतान के लिए दबाव बनाने की बात सामने आ रही है। जलालपुर निवासी ज्योति देवी ने बताया कि 21 अगस्त को प्रसव पीड़ा होने पर वह अपनी दादी, मां और बहन के साथ सीएचसी दरौंदा पहुंची थी। उनका आरोप है कि वहां उन्हें शरीर में खून की कमी सहित अन्य परेशानियां बताकर रेफर करने की बात कही गई। परिजनों द्वारा सीएचसी में ही प्रसव कराने की गुहार लगाने पर कथित तौर पर पांच हजार रुपये की मांग की गई। परिजनों ने 2500 रुपये दिए। वायरल ऑडियो में दवा के लिए भी 200 रुपये मांगने की बात सुनाई दे रही है। ज्योति की दादी कांति देवी ने बताया कि जलालपुर पंचायत के वार्ड संख्या नौ की आशा सुगंती देवी उन्हें सीएचसी लेकर गई थीं। उनके अनुसार, वहां एएनएम सहित अन्य महिलाओं ने रुपये के लिए दबाव बनाया

सेवानिवृत अंग्रेजी शिक्षक के सम्मान मे धूम धाम से हुई विदाई समारोह आयोजित

औरंगाबाद। रफीगंज प्रखंड के जय प्रकाश उच्य विद्यालय लुक्कागढ़ मे सेवानिवृत अंग्रेजी शिक्षक रामकुमार सिंह के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित की गई । जिसका उदघाटन विद्यालय के मुख्य अतिथि पूर्व प्रधानाध्यापक नंदलाल सिंह एवम वर्तमान प्रधानाध्यापक कुमार विवेक ने संयुक्त रूप दीप प्रज्वलित किया । कार्यक्रम का संचालन प्रधान बड़ा बाबू बासुकिनाथ ने की । इस मौके पर उपस्थित लोगों ने सेवानिवृत शिक्षक रामकुमार सिंह की कार्यों की सराहना करते हुए,कहा कि, वे विद्यालय मे 31 वर्षों तक जो शिक्षा का दीप जलाया जिसे भुलाया नही जा सकेगा । पूर्व प्रधानाध्यापक नंदलाल सिंह वर्तमान प्रधानाध्यापक कुमार विवेक ने भी इनके कार्यों की सराहना करते हुए,कहा कि,इनके बेहतर कार्यों की जितनी प्रशंसा की जाए वह काफी कम होगी । विद्यालय मे समय से आना और समय से घर जाना काफी उपलब्धि रही । इन्होंने सरकार द्वारा प्रायोजित नशा मुक्ति अभियान पौधा रोपण कार्यक्रम स्वच्छता अभियान के प्रति लोगों को जागरूक किया । उपस्थित शिक्षकों ने इन्हें अंग वस्त्र के साथ मोमेंटो गुलदस्ता एवम अन्य उपहार से सम्मानित किया । विद्यालय के छात्राओं द्वारा स्वागत गीत गाकर उपस्थित लोगो को मन मोह लिया । प्रधान लिपिक बासुकिनाथ के साथ अन्य विद्यालय परिवार ने भी विदाई समारोह के मौके पर अन्य अतिथियों को भी सम्मान किया । सेवानिवृत शिक्षक रामकुमार सिंह ने भी सबों को बधाई दी । कहा कि,बेहतर गुणवतापूर्ण शिक्षा मे सबों का सहयोग रहा जिसके परिणाम विद्यालय मे गुणवतापूर्ण शिक्षा का संचालन हो रहा है । ऐसे भी आप सभी गुणवतापूर्ण शिक्षा को ले सजग है और बेहतर शिक्षा का दीप जलाएंगे यही हमारी शुभ कामना है। इस मौके पर शिक्षक राजेश कुमार इम्तेयाज आलम सुरेंद्र प्रसाद गुप्ता जितेंद्र द्विवेदी गजेंद्र भूषण संजय कुमार राजीव कुमार बासुकिनाथ समेत विद्यालय परिवार उपस्थित रहे।

मां तारा सामुदायिक भवन का हुआ उद्घाटन आम नागरिकों को मिलेगी सुविधा

प्रात : किरण संवाददाता

गयाजी। विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मोक्ष, ज्ञान एवं मंगला गौरी की पावन धरती पर अंत सहलिला लीला ख्याति प्राप्त फल्गु नदी के किनारे मां तारा मंदिर के निकट आज मां तारा सामुदायिक भवन का विधिवत उद्घाटन बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ है। सामुदायिक भवन का निर्माण 8,89,600 (आठ लाख नवासी हजार छह सौ रुपये) की अनुमानित लागत से कराया गया है। इस भवन का उद्देश्य स्थानीय नागरिकों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक उपयोगी एवं सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराना है। आने वाले समय में आम नागरिक इस सामुदायिक भवन का उपयोग विभिन्न सामाजिक एवं सार्वजनिक आयोजनों के लिए कर सकेंगे। इस उद्घाटन समारोह में पप्पू कुमार चंद्रवंशी, सदस्य बीस सूत्री सह जिला महामंत्री, भारतीय जनता पार्टी, गया जिला पूर्वी, गरिमामयी उपस्थिति रही है। इसके अलावा मुकेश कुमार चंद्रवंशी, प्रदेश महासचिव, अति पिछड़ा प्रकोष्ठ; मोहनलाल शर्मा, संयोजक, गयाजी विधानसभा, भारतीय जनता पार्टी; संतोष कुमार सिंह, नेता युवा मोर्चा; पप्पू ऋषभ, सह संयोजक, कला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ, भारतीय जनता पार्टी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे हैं। इसइकार्यक्रम में जितेंद्र कुमार, डॉ. राजकुमार, श्रवण केसरी, गणेश चंद्रवंशी, धर्मेंद्र कुमार, विकास कुमार, शाहिद सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने सामुदायिक भवन के निर्माण को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे स्थानीय लोगों को सामाजिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों के आयोजन में काफी सुविधा मिलेगी। मां तारा मंदिर के निकट इस भवन के निर्माण से धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।स्थानीय नागरिकों ने सामुदायिक भवन के निर्माण एवं उद्घाटन के लिए प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अंतर-छात्रावास खेल प्रतियोगिता का आयोजन

बोधगया। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर राजभवन तथा बिहार सरकार के निदेर्शानुसार मगध विश्वविद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तीन दिवसीय 28 से 30 अगस्त तक अंतर-छात्रावास खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका समापन आज 31 अगस्त को किया गया है ' प्रतियोगिता के अंतर्गत विभिन्न विभागों एवं छात्रावासों छात्रावास के टीमों के बीच वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई है। सभी टीमों के खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह, जोश और खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। तीन मैचों की श्रृंखला में न्यू छात्रावास संख्या-01 की टीम ने लगातार दो मैचों में शानदार जीत दर्ज करते हुए सेमी फाइनल और फाइनल प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाते हुए विजेता बने प्रतियोगिता में कैलाश कुमार, सनोज मांझी, कमलेश कुमार, मनीष कुमार, प्रकाश कुमार, कैलाश कुमार, सोनू कुमार, बंटी कुमार, विशाल कुमार, अशोक कुमार, मानस एवं रवि सहित सभी खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। खिलाड़ियों के शानदार तालमेल, खेल कौशल और खेल भावना ने प्रतियोगिता को रोमांचक बना दिया है।इस अवसर पर मगध विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन जीने का एक महत्वपूर्ण साधन है। खेलों में भाग लेने से विद्यार्थियों का शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास होता है और उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करने का अवसर मिलता है। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया है। कुलसचिव डॉ. बी.के. मंगलम्‍ कहा कि खेल भावना से अच्छे चरित्र का निर्माण होता है ' हर विद्यार्थियों को एक दूसरे के साथ खेल भावना से जुड़ना चाहिए। खेल के दरम्यान मतभेद हो सकते हैं परन्तु मनभेद नहीं होना चाहिए तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के समन्वयक डॉ॰ पिंटू कुमार एवं छात्रावास अधीक्षक डॉ. राकेश कुमार रंजन के मार्गदर्शन में किया गया है। सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, सहयोग एवं टीम भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है।

नई ऊंचाइयों की ओर आईआईएम बोध गया : स्थापना दिवस पर कार्यकारी पीएचडी कार्यक्रम का शुभारंभ, आईपीएम के छठे बैच का स्वागत

प्रात : किरण संवाददाता

बोध गया। आईआईएम बोध गया ने 11 वर्षों की उत्कृष्ट यात्रा पूरी होने के अवसर पर 31 अगस्त 2026 को अपना स्थापना दिवस मनाया गया है। इस अवसर पर संस्थान के प्रथम बैच के कार्यकारी पीएचडी कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया तथा इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (आईपीएम) के छठे बैच का ओरिएंटेशन कार्यक्रम के माध्यम से गर्मजोशी से स्वागत किया गया है। इस कार्यक्रम के साथ विद्यार्थियों की संस्थान में शैक्षणिक यात्रा की औपचारिक शुरूआत हुई। इस वर्ष संस्थान ने कुल 207 विद्यार्थियों का स्वागत किया, जिनमें 70 छात्राएँ और 137 छात्र शामिल हैं। वहीं, कार्यकारी पीएचडी कार्यक्रम के प्रथम बैच में कुल 14 शोधार्थियों ने प्रवेश लिया, जिनमें 12 पुरुष और 2 महिला शोधार्थी शामिल हैं।, ओरिएंटेशन कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई है। इसके पश्चात प्रो. अविरल कुमार तिवारी अध्यक्ष, पीएचडी कार्यक्रम ने कार्यकारी पीएचडी कार्यक्रम तथा प्रो. अर्चना पात्रो अध्यक्ष, आईपीएम कार्यक्रम ने आईपीएम कार्यक्रम का परिचय प्रस्तुत किया है। निदेशक प्रो. विनिता एस. सहाय ने आईपीएम के नए बैच का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दीं है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बोध गया की विशिष्टता पर प्रकाश डाला और इसे गहन आध्यात्मिक महत्व की भूमि बताया। क्षेत्र की सबसे बड़ी ताकत, यहाँ के लोगों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए उन्होंने मानव पूंजी में निवेश की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की आबादी इसके सबसे अनमोल संसाधनों में से एक है। उनका संदेश एक व्यापक दृष्टिकोण को दशार्ता है, जिसमें प्रतिभा को सही अवसर और मार्गदर्शन देकर बड़े लक्ष्यों की दिशा में आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने युवा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं की ऊर्जा नवाचार और सकारात्मक बदलाव की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने विद्यार्थियों से पारंपरिक और धीमी गति से होने वाली प्रगति तक सीमित न रहने, बल्कि बड़े सपने देखने और साहसिक कदम उठाने का आह्वान किया है। उन्होंने ह्यलीपफ्रॉगह्न की भावना के साथ आगे बढ़ते हुए नए अवसरों का लाभ उठाने और क्षेत्र के विकास की नई दिशा तय करने के लिए प्रेरित किया है। नितीश मिश्रा, नगर विकास एवं आवास तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, बिहार सरकार, समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे हैं। उन्होंने बिहार के बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्तमान में बिहार सरकार द्वारा 1,700 से अधिक स्टार्टअप्स को स्वीकृति एवं वित्तीय सहायता प्रदान की जा चुकी है, जबकि राज्य का व्यापक स्टार्टअप इकोसिस्टम लगभग 5,000 स्टार्टअप्स तक पहुँच चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि आईआईएम बोध गया बिहार राज्य में शैक्षणिक उत्कृष्टता का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है। उन्होंने बिहार की बदलती तस्वीर को रेखांकित करते हुए कहा, ह्ययह वह पुराना बिहार नहीं है, जिसकी चर्चा पुरानी सुर्खियों में होती थी। यह वह बिहार है जो अपने भविष्य का निर्माण कर रहा है, नए उद्यम स्थापित कर रहा है और अपने विकास के लिए स्वयं संसाधन जुटा रहा है। इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए इंडिगो की उपाध्यक्ष मानव संसाधन डॉ. रुचि धवन शर्मा का विशेष सत्र आयोजित हुआ है। इसके बाद सम्मानित अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल संदीप सिंह, एवीएसएम, कमांडेंट, ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (ओटीए), गया ने विशेष संबोधन दिया है। उन्होंने भारतीय मूल्यों और जड़ों से जुड़े रहने तथा विशेष रूप से हिंदी भाषा को जानने और उसका सम्मान करने के महत्व पर जोर दिया है। इसके पश्चात साइबर अपराध पर एक ज्ञानवर्धक एवं संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया है।

शिक्षा से ही समाज का हो सकता है बदलाव :सभापति

प्रात : किरण संवाददाता

करपी। सहदेव प्रसाद यादव डिग्री कॉलेज करपी के प्रांगण में कॉलेज के संस्थापक सचिव एवं अनुआ पंचायत के पूर्व मुखिया लालदेव सिंह यादव की छठी पुण्यतिथि के अवसर पर उनके मूर्ति का अनावरण करते हुए बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने समझ में उपस्थित सभी लोगों को संबोधित करते हुए उक्त बातें कही सर्वप्रथम कॉलेज परिवार की ओर से मंच पर उपस्थित सभी सदस्यों का माल्यार्पण एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सभापति महोदय ने कहा कि बगैर शिक्षा का अलग जगह हुए समाज का सही विकास संभव नहीं है उन्होंने कालेज के प्राचार्य ललित कुमार को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपने अपनी मेहनत की कमाई से कॉलेज को खड़ा किया एवं कॉलेज के संस्थापक सचिव को सम्मानित करने का कार्य किया है कार्यक्रम में उपस्थित जहानाबाद के सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव ने लोगों से आग्रह किया कि आप अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल में भेजें एवं उनकी शिक्षा का भरपूर ख्याल रखें वह छुटकी अंदाज लेते हुए कहा कि आज की अभिभावक अपने बच्चों के साथ शैक्षणिक माहौल बनाने में असफल जिसके चलते बच्चों बच्चों का रास्ता गलत हो रहा है इस क्रम में कुर्था विधानसभा सदस्य पप्पू कुमार वर्मा एवं कोच विधानसभा सदस्य अजय कुमार ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित संबोधित किया मंच पर क्षेत्र के तमाम सम्मानित लोगों को सम्मानित किया गया, इस दौरान कॉलेज के वर्तमान सचिव भगवान सिंह यादव रजत के पूर्व जिला अध्यक्ष रामाशीष रंजन सामाजिक कार्यकर्ता विनोद राय अनुवा पंचायत के मुखिया मनोज यादव सहित सैकड़ो सामाजिक कार्यकताओं को सम्मानित किया गया सर्वप्रथम मांचासीन विशिष्ट अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर मंच का उद्घाटन किया गया, उसके उपरांत पूर्व सचिव स्वर्गीय लालदेव सिंह यादव की प्रतिमा का अनावरण किया गया और उपस्थित सभी अतिथियों के द्वारा उन पर माल्यार्पण किया गया, उपस्थित सम्मानित सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन सदैव प्रसाद यादव डिग्री कॉलेज के प्राचार्य ललित कुमार ने किया इस अवसर पर मगध सम्राट से जाने जाने वाले कलाकार सुदर्शन यादव के संगीत का लोगों ने भरपूर आनंद उठाया।

औरंगाबाद के कलाकारों ने तुतला भवानी में मचाया धूम

भादो दूज योगमाया जन्मोत्सव पर विशेष पूजा पाठ

औरंगाबाद । भादो दूज योगमाया जन्मोत्सव के अवसर पर रोहतास जिले की महत्वपूर्ण शक्ति उपासना का तीर्थ स्थल तुतला भवानी में सुबह सवेरे योग्य आचार्यों के सान्निध्य में षोडशोपचार विधि से विशेष पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई, जिसमें औरंगाबाद के कलाकारों ने धूम मचा दिया।तुतला भवानी की ब्रांड एम्बेसडर औरंगाबाद की निवासिनी तान्या मौआर ने जब तुतला माता का दरबार सजा है,गीत की प्रस्तुति की तो दर्शक दीर्घा में बैठे लोग झूमने लगे।औरंगाबाद की मशहूर लोक गायिका सृष्टि लक्ष्मी ने देवी गीत पांव पैजनिया की प्रस्तुति दी।सुर सम्राट के विजेता सनोज सागर की गणेश वंदना पर लोग भाव विह्वल हो गए। न्यास समिति के अध्यक्ष गुरु चरण यादव,सचिव धर्मेंद्र सिंह के संयुक्त नेतृत्व में राज्य महोत्सव संघ के अध्यक्ष महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह के आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में संबोधन के क्रम में वक्ताओं ने कहा कि रोहतास जिले का यह पर्यटक स्थल तेजी से विकसित हो रहा है। जिला प्रशासन के सहयोग से धर्मशाला निर्माण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है।हेलीकॉप्टर सेवा की बहाल करने की मांग भी राज्य सरकार से की गई है, जिसे जिला प्रशासन ने अपनी मंजूरी दे दिया है।मौके पर राजेंद्र सिंह,अमरेश सिंह,डॉ सुनील बोस,प्रोफेसर विजय कुमार सिंह,गुरु चरण सिंह,अजीत मिश्रा,अशोक पांडेय ,सिहेश सिंह, शिक्षक नेता धनंजय सिंह,डॉ सुनील बोस,विनय कुमार सिंह, श्रीधर सिंह,संजीव कुमार द्विवेदी सहित अन्य उपस्थित थे।

शेरघाटी में 10 करोड़ लोगों को नशा मुक्त बनाने का संकल्प, प्रखंड कार्यालय में चला जागरूकता अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

शेरघाटी (गया)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से 10 करोड़ लोगों को नशा मुक्त बनाने के लक्ष्य को लेकर देशव्यापी अभियान चलाया जा रहा है।इसी कड़ी में सोमवार को शेरघाटी प्रखंड कार्यालय के सभागार भवन में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को नशा, विशेषकर शराब के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान ब्रह्माकुमारी संस्था की सदस्यों ने उपस्थित लोगों को विस्तार से बताया कि शराब पीने से शरीर, परिवार और समाज पर क्या-क्या हानि होती है। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि पारिवारिक कलह, आर्थिक तंगी और सामाजिक अपराधों का भी प्रमुख कारण बनता है। इस जागरूकता कार्यक्रम में अंचलाधिकारी उषा कुमारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी विनोद कुमार, प्रखंड अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित प्रखंड के विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल हुए और इस अभियान का हिस्सा बने। अंचलाधिकारी उषा कुमारी ने कहा कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू है, इसके बावजूद कुछ लोग चोरी-छिपे इसका सेवन करते हैं। ऐसे में इस तरह के जागरूकता अभियान बहुत जरूरी हैं, ताकि लोगों को समझाया जा सके और वे खुद नशे से दूर रहें। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी विनोद कुमार ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा दी गई जानकारी काफी महत्वपूर्ण है। इस अभियान से लोगों में नई चेतना आएगी। कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों ने नशा मुक्त समाज बनाने और इस संदेश को गांव-गांव तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

सर्पदंश से छठी कक्षा के छात्र की मौत, अनुमंडल अस्पताल में परिजनों ने किया हंगामा

शेरघाटी। थाना क्षेत्र के सोनडीहा गांव में सोमवार की सुबह सर्पदंश से छठी कक्षा के छात्र की मौत हो गई। मृतक की पहचान सोनडीहा गांव निवासी प्रिंस कुमार के रूप में हुई है। छात्र की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में मातम पसरा गया। परिजनों के अनुसार, सर्पदंश के बाद छात्र की हालत बिगड़ने लगी, जिसके बाद उसे आनन-फानन में इलाज के लिए शेरघाटी अनुमंडल अस्पताल लाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उसका इलाज शुरू किया, लेकिन उसकी स्थिति गंभीर बनी रही। ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. धीरज कुमार धीरू ने बताया कि छात्र को इलाज के दौरान वैक्सीन दी गई थी, लेकिन उसकी स्थिति काफी गंभीर थी। बेहतर इलाज के लिए उसे रेफर किया गया, लेकिन छात्र को बचाया नहीं जा सका। छात्र की मौत के बाद परिजन आक्रोशित हो गए और अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। परिजनों ने अस्पताल में इलाज के दौरान लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। हंगामे की सूचना पर पुलिस अस्पताल पहुंची और आक्रोशित परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया।

बालू खनन बना दो युवकों की मौत का कारण परिजन के बसपा ने की नौकरी की मांग

अरवल। परासी थाना क्षेत्र के बाथे गांव में सोन नदी तटवर्ती क्षेत्र पर अवैध और नियम-विरुद्ध बालू खनन के कारण एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। घर से शौच के लिए निकले दो युवकों - चंदन कुमार और हरिओम कुमार - की सोन नदी में डूबने से अकाल मृत्यु हो गई। इस घटना ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है।मृतक चंदन कुमार अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था, जिसकी असामयिक मृत्यु के बाद उसकी बहन ने उसे मुखाग्नि दी। वहीं, मृतक हरिओम कुमार के जाने से उसका 8 वर्षीय छोटा भाई अब अकेला पड़ गया है।अवैध खनन और प्रशासनिक अनदेखी बनी मौत की वजह से खनन विभाग के नियमों के अनुसार संबंधित बालू खदान से केवल मैनुअल (मजदूरों द्वारा) खुदाई की अनुमति थी। इसके विपरीत, खनन ठेकेदारों द्वारा खनन अधिनियम, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (इठर) के प्रावधानों को ताक पर रखकर भारी पोकलेन मशीनों से 25 से 30 फीट गहरे गड्ढे खोद दिए गए। मशीनों द्वारा किए गए इस गहरे और अवैध खनन के कारण नदी में जानलेवा गड्ढे बन गए, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। इसके अलावा, मशीनों से हो रहे अंधाधुंध खनन से गांव का जलस्तर भी काफी नीचे चला गया है, जिससे स्थानीय लोगों के समक्ष जल संकट खड़ा हो रहा है।घटना की सूचना मिलते ही बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के नेता सह जिला परिषद सदस्यःरंजन कुमार यादव और बसपा जिला अध्यक्षःअखिलेश कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की, उन्हें सांत्वना दी और दोनों युवकों के अंतिम संस्कार में शामिल हुए।बसपा प्रतिनिधियों ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन अरवल से निम्नलिखित मांगें रखी हैं:1 कानूनी कार्रवाईः पोकलेन मशीनों से अवैध खनन कराने वाले ठेकेदारों और दोषी अधिकारियों पर इठर की सुसंगत धाराओं, खान एवं खनिज अधिनियम, तथा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत तत्काल ऋकफदर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए।2 सरकारी नौकरीः पीड़ित परिवारों के एक-एक सदस्य को त्वरित आधार पर सरकारी नौकरी दी जाए।3 उचित मुआवजाः दोनों मृतकों के परिजनों को पर्याप्त और उचित वित्तीय मुआवजा अविलंब प्रदान किया जाए।4,मशीनी खनन पर पूर्ण रोकः जिले में बालू खदानों से भारी मशीनों/पोकलेन के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाए और केवल मैनुअल खनन की अनुमति दी जाए।बसपा ने प्रशासन को सचेत किया है कि यदि पीड़ित परिवारों को न्याय नहीं मिला और अवैध मशीनी खनन तुरंत बंद नहीं कराया गया, तो पार्टी जनहित में सड़क से लेकर सदन तक उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, मंगलवार, 01 सितंबर, 2026

आज से पंचायतों में लगेगा सहयोग शिविर जिलाधिकारी ने सफल संचालन के दिए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। जिला पदाधिकारी, तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित सोमवारीय बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने आज यानि 1 सितंबर से पंचायत स्तर पर प्रारंभ होने वाले द्वितीय चरण के सहयोग शिविरों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सहयोग शिविरों का उद्देश्य आम ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। इसलिए शिविरों के आयोजन में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्व से सुदृढ़ कर ली जाएं, ताकि शिविर में आने वाले ग्रामीणों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि जिलास्तरीय नोडल पदाधिकारी अपने-अपने निर्धारित सहयोग शिविरों का स्थल निरीक्षण एवं जायजा लेंगे तथा शिविरों के संचालन की सतत मॉनिटरिंग करेंगे। समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने सहयोग शिविरों से संबंधित लंबित आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर अविलंब निष्पादित करने का निर्देश दिया। अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी द्वारा बैठक में जानकारी दी गई कि 01 सितंबर 2026 को जिले के विभिन्न प्रखंडों की 45 पंचायतों में सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे। बगहा-01 प्रखंड अंतर्गत महीपुर भतौड़ा, परसा बनचहरी एवं बड़गांव, बगहा-02 प्रखंड अंतर्गत वाल्मीकिनगर, लक्ष्मीपुर रमपुरवा, संतपुर सोहरिया एवं नयागांव रमपुरवा, बैरिया प्रखंड अंतर्गत सूर्यपुर, बगही बघम्बरपुर एवं बैजुआ, नौतन प्रखंड अंतर्गत पश्चिमी नौतन एवं पूर्वी नौतन, मझौलिया प्रखंड अंतर्गत रतनमाला, चनायनबांध, महनागनी, महोदीपुर एवं धोकराहां पंचायतों में सहयोग शिविर आयोजित होगा। इसी प्रकार चनपटिया प्रखंड अंतर्गत भैसही पोखरिया, मुशहरी सेनुवरिया एवं चुहड़ी, योगापट्टी प्रखंड अंतर्गत सिसवा भूमिहार, सिसवा बैरागी एवं सिसवा मंगलपुर, लौरिया प्रखंड अंतर्गत तेलपुर, देवरवा एवं बगही बसवरिया, नरकटियागंज प्रखंड अंतर्गत मनवा परसी, चमुआ, बिनवलिया एवं हरदीटेड़ा, गौनाहा प्रखंड अंतर्गत महुई, मटिअरिया एवं सिट्ठ, मैनाटांड़ प्रखंड अंतर्गत डमरापुर एवं चैतड़ा, सिकटा प्रखंड अंतर्गत परसौनी एवं धनकुटवा पंचायतों में शिविर का आयोजन किया जाएगा।

जनसुनवाई में जिला पदाधिकारी ने सुनीं 58 शिकायतें

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय परिसर में आयोजित जनसुनवाई में जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने आम लोगों की समस्याएं सुनीं। जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी शिकायतें सीधे जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। जनसुनवाई के दौरान कुल 58 मामलों की सुनवाई हुई, जिनमें कई शिकायतों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में राजस्व संबंधी मामले, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, भूमि विवाद, प्रधानमंत्री आवास योजना, बिजली आपूर्ति, पेयजल, सड़क एवं मरम्मत आदि से संबंधित शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। जिलाधिकारी ने सभी मामलों की बारीकी से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई कार्यक्रम राज्य सरकार के सात निश्चय-3 के तहत संचालित सबका सम्मान-जीवन आसान अभियान का हिस्सा है। इसका उद्देश्य आम लोगों की शिकायतों का त्वरित समाधान कर पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

नवलपरासी पूर्व-पश्चिम में 294 शव बरामद, लगातार जारी है तलाश

बगहा। नेपाल में आई भीषण बाढ़ और आपदा के बाद नवलपरासी पूर्व और नवलपरासी पश्चिम जिलों में बड़ी संख्या में शव बरामद किए गए हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 30 अगस्त तक दोनों जिलों में कुल 294 शव बरामद हो चुके हैं। आंकड़ों के मुताबिक नवलपरासी पूर्व (नवलपुर) में 194 और नवलपरासी पश्चिम में 100 शव बरामद किए गए हैं। बाढ़ के दौरान लापता हुए लोगों की तलाश के लिए सुरक्षा एजेंसियों और राहत-बचाव टीमों द्वारा प्रभावित क्षेत्रों के साथ-साथ नदी किनारे लगातार अभियान चलाया जा रहा है। बताएं, नारायणी नदी में बाढ़ का पानी कम होने के बाद कई स्थानों पर शव मिलने की सूचना सामने आ रही है। प्रशासन की ओर से बरामद शवों की पहचान कराने की प्रक्रिया भी जारी है। आपदा के बाद बड़ी संख्या में लोगों के लापता होने के कारण आने वाले दिनों में बरामद शवों का आंकड़ा और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

चितवन में 229 अज्ञात शवों के सामूहिक दफन की प्रक्रिया शुरू

बगहा। नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बाद चितवन जिले में बरामद 233 शवों में से 229 की पहचान नहीं हो सकी है। शवों की स्थिति खराब होने और अस्थायी शवगृहों में जगह की कमी के कारण प्रशासन ने इन अज्ञात शवों को देवघाट क्षेत्र में दफनाने की प्रक्रिया शुरू की है। जिला प्रशासन के अनुसार, बरामद 233 शवों में अब तक केवल चार शवों की औपचारिक पहचान हो पाई है। शेष 229 शव और मानव अवशेष विभिन्न होल्डिंग सेंटरों तथा स्वास्थ्य संस्थानों में रखे गए थे। लगातार बढ़ती गर्मी के कारण शवों के खराब होने से संक्रमण का खतरा भी बढ़ रहा था। प्रशासन ने दफन से पहले प्रत्येक शव का डीएनए नमूना, फोटो और पहचान संबंधी विवरण सुरक्षित रखने की व्यवस्था की है। शवों को संदर्भ संख्या दी जा रही है, ताकि भविष्य में डीएनए मिलान के जरिए पहचान होने पर परिजनों को जानकारी दी जा सके। चितवन में यह कार्रवाई रसुवा क्षेत्र में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद शुरू हुई है। नदी के तेज बहाव में बहकर कई शव चितवन तक पहुंचे हैं। राहत और बचाव दलों की ओर से प्रभावित क्षेत्रों में खोज अभियान अभी भी जारी है।

थारू बहुल क्षेत्रों में तीन दिवसीय बरना पर्व शुरू

बगहा। आदिवासी थारू बहुल क्षेत्रों में थारू समुदाय का तीन दिवसीय पारंपरिक बरना पर्व शुरू हो गया है। पर्व को लेकर समुदाय के लोगों में उत्साह का माहौल है। संतपुर निवासी समाजसेवी एवं किसान नेता केदारनाथ काजी ने बताया कि बरना पर्व थारू समाज की प्रकृति और पर्यावरण से जुड़ी महत्वपूर्ण परंपरा है। उन्होंने बताया कि बरना के तीन दिनों के दौरान थारू समुदाय के लोग हरे-भरे पेड़-पौधों, साग-सब्जियों आदि की कटाई और सेवन से परहेज करते हैं। इन दिनों समुदाय के लोग एक स्थान पर एकत्रित होकर पेड़-पौधों एवं प्रकृति की विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना करते हैं। बरना पर्व को थारू समाज द्वारा उत्सव के रूप में मनाने की परंपरा रही है। पर्व के दौरान महिलाएं नए एवं पारंपरिक परिधान पहनकर पूजा-अर्चना में शामिल होती हैं। वहीं, समुदाय के लोग सामूहिक रूप से अपनी पारंपरिक रीति-रिवाजों और संस्कृति का निर्वहन करते हैं। थारू समाज के लोगों का कहना है कि बरना पर्व केवल धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति सम्मान और उसके संरक्षण का संदेश देने वाली पुरानी परंपरा भी है। पर्व के माध्यम से नई पीढ़ी को भी पेड़-पौधों और पर्यावरण के महत्व से जोड़ने का प्रयास किया जाता है।

उत्तर प्रदेश में कम्युनिस्ट नेताओं की हाउस अरेस्ट पर भाकपा का हमला, ओम प्रकाश क्रांति बोले- डर गई योगी सरकार

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के पश्चिम चंपारण जिला के जिला सचिव ओम प्रकाश क्रांति ने 1 सितंबर को दिल्ली में आयोजित होने वाली बदलाव जरूरी है रैली को विफल करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कथित तौर पर भाकपा नेताओं को हाउस अरेस्ट किए जाने की कड़ी आलोचना की है। ओम प्रकाश क्रांति ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कम्युनिस्ट नेताओं को हाउस अरेस्ट कराकर योगी सरकार ने अपने डरपोक चेहरे और लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति असहिष्णु रवैये को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि देशभर से लाखों कम्युनिस्ट दिल्ली पहुंच रहे हैं और यह बदलाव रैली देश को नई राजनीतिक दिशा देने का काम करेगी। भाकपा नेता ने कहा कि नेताओं को हाउस अरेस्ट करने से कम्युनिस्ट डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यदि सत्ताधारी दल के नेताओं के सामने कम्युनिस्टों का ह्यभूतह्न मंडराने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि सत्ता की कुर्सी सुरक्षित नहीं रह गई है। उन्होंने कहा कि 1 सितंबर की रैली में देशभर के कम्युनिस्ट नफरत की राजनीति को खत्म करने का हुंकार भरेंगे। रैली में संविधान की रक्षा, लोकतंत्र को मजबूत करने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने तथा नौजवानों, मजदूरों, किसानों और महिलाओं के बेहतर भविष्य की राजनीतिक दिशा पर जोर दिया जाएगा। पश्चिम चंपारण जिला के जिला सचिव ओम प्रकाश क्रांति ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी सरकार को कम्युनिस्टों की बढ़ती सक्रियता की चिंता सता रही है। उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट सत्ता में आएं या न आएं, लेकिन उत्तर प्रदेश के चुनावी समीकरण को प्रभावित करने की क्षमता जरूर रखते हैं।

नेपाल में राहत-बचाव अभियान तेज 21 हजार सुरक्षा कर्मी तैनात

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल में 26 अगस्त को आई भीषण बाढ़ के बाद राहत एवं बचाव अभियान लगातार तेज किया जा रहा है। सरकार के अनुसार प्रभावित क्षेत्रों में करीब 21 हजार सुरक्षा कर्मियों के साथ नागरिक कर्मी और स्वयंसेवक भी बचाव कार्य में जुटे हैं। बाढ़ से क्षतिग्रस्त हाइड्रोपावर परियोजनाओं की सुरंगों में फंसे लोगों को निकालना बचाव दलों की प्राथमिकता बनी हुई है। नेपाल की सेना के नेतृत्व में सुरंगों तक पहुंच बनाने का प्रयास किया जा रहा है। कई स्थानों पर मलबा और चट्टानें जमा होने के कारण अभियान में मुश्किलें आ रही हैं। नेपाल सरकार ने सुरंग बचाव के लिए भारत, चीन और दक्षिण कोरिया के विशेषज्ञों की तकनीकी सहायता भी ली है। भारत से 11 विशेषज्ञों की टीम और चीन से नौ विशेषज्ञों के साथ अन्य तकनीकी दल अभियान में सहयोग कर रहे हैं। इसके अलावा भारत से डीएनए जांच के विशेषज्ञ भी नेपाल पहुंचे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार रविवार तक 734 शव बरामद किए गए थे और करीब 2,498 लोग लापता थे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि खोज और सत्यापन अभियान जारी रहने के कारण आंकड़ों में लगातार बदलाव हो सकता है।

सोवा बाबू चौक से ट्रैफिक चौक, जंगी मस्जिद होते हुए खुदाबक्श चौक तक होगा 2.99 करोड़ से सड़क व नाला का निर्माण: गरिमा

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि कि नगर निगम क्षेत्र के सघन शहरी के मीना बाजार क्षेत्र के में वर्षों से जर्जर मुख्य सड़कों और जल निकासी की समस्या दूर करने की दिशा में निगम ने पहल की है। श्रीमती सिकारिया ने बताया कि नगर निगम की ओर से जारी निविदा के अनुसार सोवाबाबू चौक से अंबेडकर चौक, ट्रैफिक चौक, शीतला माई चौक, जंगी मस्जिद होते हुए खुदाबख्श चौक तक पीसीसी सड़क एवं आरसीसी नाला निर्माण की योजना राज्य मद से स्वीकृत की गयी है। उनकी पहल पर स्वीकृत इस महत्वपूर्ण योजना पर करीब 2 करोड़ 99 लाख 66 हजार 667 रुपये खर्च होने का अनुमान है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि निविदा विज्ञप्ति के अनुसार योजना के क्रियान्वयन के लिए संवेदकों से ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की गई थी, जिसका निस्तारण अब अंतिम चरण में है। महापौर ने बताया कि कार्यादेश जारी होने के बाद कार्य पूरा करने की निर्धारित अवधि नौ माह है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि मीना बाजार क्षेत्र में सड़क की बदहाल स्थिति लंबे समय से स्थानीय लोगों, दुकानदारों और राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। सड़क के साथ नाला निर्माण की योजना होने से जलनिकासी की समस्या के समाधान की भी उम्मीद है। व्यस्त बाजार से गुजरने वाले इस मार्ग के निर्माण से आवागमन सुगम होने के साथ क्षेत्र के व्यापारिक गतिविधियों को भी राहत मिलने की संभावना है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि निविदा प्रक्रिया अंतिम चरण में है। जिसके अनुसार कार्यादेश जारी होने के साथ ही निर्माण कार्य आरंभ करा दिया जाएगा।

पिपरा-पिपरासी में कटाव को लेकर विधायक ने लगाया बंदरबांट का आरोप

बगहा। पिपरा-पिपरासी (पीपी) तटबंध से गायब मिले अभियंता को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। मंत्री नंदकिशोर राम और बगहा विधायक ने मामले को लेकर नाराजगी जताते हुए जिलाधिकारी से शिकायत कर कार्रवाई की अनुशंसा की है। वहीं, मंगलपुर क्षेत्र में हो रहे लगातार कटाव को लेकर वाल्मीकिनगर विधायक ने सरकारी राशि के बंदरबांट का आरोप लगाया है। विधायक का कहना है कि कटाव से लोगों को परेशानी हो रही है, जबकि बचाव और रोकथाम के लिए खर्च की जा रही सरकारी राशि के उपयोग पर सवाल उठ रहे हैं। मामले में विधायक द्वारा प्रशासन से जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग किए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, आरोपों की आधिकारिक पुष्टि और संबंधित विभाग की प्रतिक्रिया अभी सामने नहीं आई है।

शराब के साथ बाइक सवार धराया 15 लीटर चुलाई शराब बरामद

मैनाटांड। पुरुषोत्तमपुर थाना क्षेत्र के सगरौवा चौक के समीप सोमवार की सुबह वाहन जांच के दौरान पुलिस ने 15 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। शराब ले जाने में इस्तेमाल की जा रही हीरो डिलेक्स बाइक को भी पुलिस ने जब्त कर लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान लक्ष्मीपुर निवासी राजेंद्र प्रसाद के पुत्र नीलेश कुमार वर्णमाल के रूप में हुई है। बताया गया कि पुलिस को शराब की तस्करी किए जाने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन को लेकर पुलिस टीम ने सगरौवा चौक के पास वाहन जांच शुरू की। जांच के दौरान एक बाइक सवार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। मोटरसाइकिल की तलाशी लेने पर उस पर रखी 15 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की गई। पुलिस ने तत्काल युवक को हिरासत में लेते हुए बाइक भी जब्त कर ली।थानाध्यक्ष कमलेश भगत ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

विधायक छोटी कुमारी की पहल पर मंत्री का सख्त निर्देश, पहले गड्ढे भरने और उसके बाद प्रभुनाथ नगर-एनएच-722 सड़क निर्माण का आदेश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। छपरा विधानसभा क्षेत्र के लोगों की सड़क संबंधी समस्या को लेकर विधायक छोटी कुमारी ने ग्रामीण कार्य विभाग के मंत्री से मुलाकात कर प्रभुनाथ नगर कदम्ब चौक से अतिथि विहार भवन होते हुए टाड़ी गांव के रास्ते एनएच-722 तक सड़क निर्माण की महत्वपूर्ण योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी और शीघ्र कार्रवाई का आग्रह किया। विधायक ने मंत्री को बताया कि सड़क की वर्तमान स्थिति खराब होने के कारण स्थानीय लोगों को आवागमन में काफी परेशानी हो रही है। सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढों के कारण राहगीरों एवं वाहन चालकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए ग्रामीण कार्य विभाग के मंत्री ने तत्काल संबंधित पदाधिकारी को सड़क के गड्ढों को शीघ्र भरने का निर्देश दिया, ताकि लोगों को तत्काल राहत मिल सके और आने-जाने में परेशानी न हो। मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि गड्ढों को भरकर आवागमन को सुगम बनाया जाए। इसके साथ ही मंत्री ने ग्रामीण कार्य विभाग के एग्जिक्यूटिव इंजीनियर से भी बात कर प्रभुनाथ नगर कदम्ब चौक से अतिथि विहार भवन होते हुए टाड़ी गांव के रास्ते एनएच-722 तक सड़क निर्माण की प्रक्रिया को शीघ्र आगे बढ़ाने और निर्माण कार्य कराने का आदेश दिया। विधायक छोटी कुमारी ने कहा कि जनता की तत्काल परेशानी दूर करने के साथ-साथ स्थायी समाधान सुनिश्चित कराना उनकी प्राथमिकता है। मंत्री द्वारा पहले गड्ढों को भरने और उसके बाद सड़क निर्माण कराने का निर्देश दिए जाने से क्षेत्र के लोगों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है।उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण पूरा होने के बाद प्रभुनाथ नगर, टाड़ी गांव सहित आसपास के लोगों को बेहतर और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। मंत्री के त्वरित निर्देश के बाद स्थानीय लोगों में खुशी है और सड़क की समस्या के स्थायी समाधान को लेकर उम्मीद बढ़ी है।

बहुचर्चित विजय सहनी हत्याकांड में छह आरोपित दोषी करार

बगहा। बगहा के रामनगर के बहुचर्चित विजय सहनी हत्याकांड में सोमवार को जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ मानवेंद्र मिश्र की अदालत ने छह आरोपितों को दोषी करार दिया। अदालत ने महफूज अंसारी, राजकिशोर महतो, टेटर राम उर्फ साधु, श्री मुशहर और गीता देवी को दोषी माना। वहीं, इसी हत्याकांड से जुड़े दूसरे मामले में मुख्य आरोपित अशोक यादव को भी अदालत ने दोषी करार दिया है। अदालत पांच दोषियों को 5 सितंबर को सजा सुनाएगी, जबकि अशोक यादव के मामले में 11 सितंबर को सजा के बिंदु पर सुनवाई होगी। दोषसिद्धि के बाद अब दोनों तिथियों पर होने वाली सजा की सुनवाई पर सबकी नजरें टिकी हैं। मामला रामनगर थाना कांड संख्या 189/2022 से जुड़ा है। घटना 1 मई 2022 की बताई गई है। मृतक विजय सहनी की पत्नी आशा देवी के आवेदन पर 4 मई 2022 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अभियोजन के अनुसार, विजय सहनी को पोखरा से जुड़े विवाद को सुलझाने के लिए फोन कर बुलाया गया था। इसके बाद वह बाइक से घर से निकले, लेकिन वापस नहीं लौटे। बतादे, अदालत ने पांच आरोपितों के खिलाफ 5 जुलाई 2023 को आरोप गठित किए थे, जबकि अशोक यादव के खिलाफ 19 जनवरी 2026 को आरोप गठित हुआ था। 13 अगस्त 2026 को सभी आरोपितों के बयान दर्ज किए गए, जिसमें उन्होंने घटना से इनकार करते हुए खुद को निर्दोष बताया था। बचाव पक्ष की ओर से कोई मौखिक या दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया। सोमवार को अदालत के दोषसिद्धि के फैसले के बाद अब सजा के ऐलान का इंतजार है।

शिक्षिका के गले से मंगलसूत्र झपट कर हुआ फरार

दरियापुर। मानपुर गरखा पथ पर मानपुर बाजार के पास बाइक सवार अपराधियों ने झपट्टा मार कर शिक्षिका के गले से मंगलसूत्र छीन लिए।घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी आराम से फरार हो गए।बता दें कि पीड़ित शिक्षिका प्रियंका कुमारी हाजीपुर थाना क्षेत्र के यूसुफपुर की रहने वाली है।वह उच्च माध्यमिक विद्यालय मटिहान में कार्यरत हैं।प्रतिदिन अपने घर से ही विद्यालय आती जाती हैं।सुबह में वह ऑटो से मानपुर बोलबम के पास उतरी।इसके बाद पैदल अपने विद्यालय मटिहान जाने लगी।इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो अपराधी वहां पहुंचे।फिर शिक्षिका के गले से झपट्टा मार कर मंगलसूत्र छीन लिए।इसके बाद दोनों अपराधी बाइक तेजी से बढ़ाते हुए आराम से फरार हो गए।घटना के बाद शिक्षिका ने पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की।लेकिन अपराधियों का कोई सुराग नहीं मिल सका।इस संबंध में शिक्षिका ने थाने में अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।पुलिस अपराधियों की पहचान में जुट गई है।

घरेलू गैस के 37083 एवं वाणिज्यिक गैस के 6024 सिलेंडर उपलब्ध

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। जिले में घरेलू एवं वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित है और उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति प्रदान की जा रही है। अपर समाहर्ता-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा ने बताया कि वर्तमान में जिले में 14.2 किलोग्राम के 37083 घरेलू गैस सिलेंडर तथा 19 किलोग्राम के 6024 वाणिज्यिक गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि 30 अगस्त को जिलेभर में कुल 12191 गैस सिलेंडरों की सफलतापूर्वक होम डिलीवरी कराई गई। जिला प्रशासन का लगातार प्रयास है कि उपभोक्ताओं को बिना किसी अनावश्यक विलंब के उनके घर तक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि गैस बुकिंग, डिलीवरी अथवा आपूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की देरी, अनियमितता या अन्य शिकायत होने पर जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06254-247002 एवं 06254-247003 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

बेटी के जन्म पर अब अस्पताल देगा बधाई पत्र, हरनाटांड़ पीएचसी में नई पहल शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरनाटांड़ में सोमवार से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत नई पहल की शुरूआत की गई। अब अस्पताल में बेटी को जन्म देने वाले माता-पिता को बधाई पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। पहल की शुरूआत प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. केबीएन सिंह ने की। इस दौरान वाल्मीकिनगर विधायक सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा भी मौजूद रहे। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. केबीएन सिंह ने बताया कि पीएचसी हरनाटांड़ के साथ शहरी पीएचसी बगहा-2 में भी बेटी को जन्म देने वाले माता-पिता को सम्मान पत्र देकर बधाई दी जाएगी। इसका उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना है। अस्पताल में बेटी के जन्म को उत्सव के रूप में मनाकर यह संदेश दिया जाएगा कि बेटी परिवार के लिए बोझ नहीं, बल्कि सम्मान और खुशियों का कारण है। विधायक सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि समाज के कुछ हिस्सों में आज भी बेटे-बेटी के बीच भेदभाव किया जाता है, जो उचित नहीं है। बेटियां शिक्षा, खेल, प्रशासन, चिकित्सा समेत विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र की यह पहल समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक संदेश देने के साथ लोगों की सोच बदलने में भी मददगार साबित होगी।

दोन में एसएसबी 21वीं वाहिनी का मानवीय कार्य, गर्भवती महिला को 474 एंबुलेंस से पहुंचाया अस्पताल

बगहा। दोन क्षेत्र के बंकटवा गांव निवासी 19 वर्षीय गर्भवती विनीता कुमारी, पति संदीप महतो की अचानक तबीयत गंभीर होने पर एसएसबी 21वीं वाहिनी ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल सहायता उपलब्ध कराई। कमांडेंट तपेश्वर संबित राउत के निर्देश पर सीमा चौकी कुमारचिनवा की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला को एसएसबी की विशेष 474 एंबुलेंस से सुरक्षित कृष्णा हॉस्पिटल, हरनाटांड़ पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने के बाद महिला को चिकित्सकीय उपचार के लिए भर्ती कराया गया। समय पर अस्पताल पहुंचने और उपचार मिलने के बाद उसकी स्थिति सामान्य एवं स्थिर बताई गई है। एसएसबी 21वीं वाहिनी की ओर से बताया गया कि दोन क्षेत्र की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए आपात स्थिति में स्थानीय लोगों को अस्पताल पहुंचाने सहित अन्य मानवीय सहायता कार्य लगातार किए जा रहे हैं। बल के जवान कठिन परिस्थितियों में भी लोगों की मदद के लिए तत्पर रहते हैं। स्थानीय लोगों ने भी आपात स्थिति में एसएसबी की ओर से उपलब्ध कराई गई त्वरित सहायता की सराहना की।

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत हरनाटांड़ में सुधा बिक्री केंद्र का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के अंतर्गत महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने एवं उनके आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए हरनाटांड़ में जीविका एवं कॉम्फेड के संयुक्त तत्वावधान में सुधा बिक्री केंद्र का शुभारंभ किया गया। सुधा बिक्री केंद्र का उद्घाटन उप विकास आयुक्त, पश्चिम चम्पारण काजले वैभव नितिन द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना तथा उन्हें स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। सुधा बिक्री केंद्र के माध्यम से स्थानीय स्तर पर महिलाओं को रोजगार एवं आय का अवसर मिलेगा, साथ ही लोगों को गुणवत्तापूर्ण दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद सहजता से उपलब्ध हो सकेंगे। उप विकास आयुक्त ने कहा कि जीविका से जुड़ी महिलाओं को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे बिक्री केंद्र महिलाओं की उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं जीविका कर्मियों को निर्देश दिया कि बिक्री केंद्र का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जाए तथा अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ा जाए। उन्होंने उत्पादों की गुणवत्ता एवं ग्राहकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। जीविका एवं कॉम्फेड के संयुक्त प्रयास से संचालित इस सुधा बिक्री केंद्र के माध्यम से दूध एवं विभिन्न दुग्ध उत्पादों की बिक्री की जाएगी। इससे क्षेत्रवासियों को स्थानीय स्तर पर सुधा के उत्पाद उपलब्ध होंगे तथा योजना से जुड़ी महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर जीविका एवं कॉम्फेड के संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित व्यक्ति उपस्थित रहे।

रेलवे ट्रैक के किनारे मिला युवक का शव, इलाके में फैली सनसनी

बगहा। पश्चिम चंपारण जिले के रामनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत तौलहा रेलवे क्रॉसिंग, गेट संख्या 26/ई के समीप सोमवार सुबह रेलवे ट्रैक के किनारे एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव गोरखपुर-नरकटियागंज रेलखंड पर पिलर संख्या 256/5 एवं 256/7 के बीच, पूर्व रेलमंत्री एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री केदार पांडेय के आवास से करीब 50 मीटर की दूरी पर मिला। स्थानीय लोगों के अनुसार, रेलवे लाइन के किनारे तक पहुंचने के लिए आसपास के ग्रामीण क्षेत्र से रास्ता जाता है और इस रास्ते से लोग रोजमर्रा के कार्यों के लिए आते-जाते हैं। सुबह शव मिलने की सूचना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना मिलने पर नरकटियागंज जीआरपी थाना के अधिकारी तथा रामनगर थाना के सब इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवक की पहचान और मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस जांच कर रही है। ग्रामीणों के बीच युवक की मौत को लेकर अलग-अलग चर्चाएं हैं। कुछ लोगों ने आशंका जताई कि युवक की मौत किसी अन्य स्थान पर हुई हो और बाद में शव रेलवे लाइन के किनारे छोड़ा गया हो, जबकि घटनास्थल की स्थिति को देखते हुए रेल दुर्घटना की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है। हालांकि, पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को मिला मानद पदोन्नति का सम्मान

नई दिल्ली। पुलिस मुख्यालय के आदर्श सभागार में सोमवार को दिल्ली पुलिस के सेवानिवृत्त होने वाले 101 पुलिसकर्मियों के सम्मान में पिपिंग समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता विशेष पुलिस आयुक्त राजेश खुराना ने की। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों को मानद पदोन्नति के तहत अगले उच्च पद के बैज प्रदान किए। इस अवसर पर राजेश खुराना ने दिल्ली पुलिस आयुक्त और वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से सभी सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों तथा उनके परिवारों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों ने अपने सेवाकाल के दौरान संगठन के प्रति समर्पण के साथ काम किया और कई कर्मचारियों ने 35 से 40 वर्ष तक पुलिस विभाग की सेवा की है। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मियों के परिवारों के योगदान की भी सराहना की, जिन्होंने सेवा के हर दौर में उनका साथ दिया। मानद पदोन्नति योजना के तहत नौ प्रधान सिपाहियों को सहायक उपनिरीक्षक, 32 सहायक उपनिरीक्षकों को उपनिरीक्षक तथा 60 उपनिरीक्षकों को निरीक्षक का मानद पद प्रदान किया गया। राजेश खुराना ने सभी कर्मियों के स्वस्थ, सुखी और संतोषजनक सेवानिवृत्त जीवन की कामना करते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस परिवार सेवानिवृत्ति के बाद भी उनके साथ जुड़ा रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

बाल श्रम के खिलाफ चला विशेष धावा दल अभियान, दो बाल श्रमिक मुक्त

मुंगेर सदर। सोमवार को विक्रम कुमार, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, सदर मुंगेर के नेतृत्व में सदर मुंगेर प्रखंड अंतर्गत विशेष धावा दल अभियान चलाकर विभिन्न दुकान, प्रतिष्ठान, होटल, रेस्टोरेंट, मॉल, गैराजों में सघन जांच की गई। इस दौरान कासिम बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत दो बाल श्रमिकों को विमुक्त कराया गया।

दिलीप कुमार झा, श्रम अधीक्षक, मुंगेर द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि यह अभियान मुंगेर जिलांतर्गत लगातार क्रियाशील रहेगा। वित्तीय वर्ष 2026-27 में कुल 20 बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया है। बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के तहत नियोजक के विरुद्ध संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज करने हेतु कार्रवाई की जा रही है, जबकि विमुक्त बाल श्रमिकों को बाल कल्याण समिति, मुंगेर के समक्ष उपस्थित कर उन्हें बाल गृह में रखा गया है। दिलीप कुमार झा, श्रम अधीक्षक, मुंगेर द्वारा बताया गया कि बच्चों से प्रतिष्ठानों में कार्य कराना बाल एवं किशोर श्रम प्रतिषेध एवं विनियमन के अंतर्गत गैर कानूनी है। बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत बाल श्रमिकों से कार्य कराने वाले व्यक्तियों को रू०-20,000/- से रू०-50,000/- तक का जुमार्ना या दो वर्षों तक के कारावास का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के आलोक में नियोजक से रू०-20,000/- (बीस हजार रू०) राशि वसूली की जाएगी। सोमवार को इस विशेष धावा दल में विक्रम कुमार, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, सदर मुंगेर, हिमांशु रंजन, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, धरहरा, अनिकेत, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, बरियारपुर, पिंकी कुमारी, परिवार विकास एनजीओ के सदस्य एवं पुलिस बल शामिल थे।

जनता दरबार में भूमि अतिक्रमण जमाबंदी सुधार के आवेदन पर डीएम ने की सुनवाई

मुंगेर ।आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से आयोजित जन सुनवाई कार्यक्रम के तहत सोमवार को समाहरणालय परिसर में जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर ने आम नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। जन सुनवाई के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों से जिलाधिकारी को अवगत कराया, जिसमें कई आवेदन प्राप्त हुए, इनमें अधिकांश मामले भूमि विवाद, भूमि अतिक्रमण, दाखिल-खारिज तथा राजस्व संबंधी अन्य मामलों से संबंधित थे। बरियारपुर बस्ती निवासी केदार मंडल ने कहा कि उन्होंने वृद्धजन पेंशन हेतु आवेदन किया है परन्तु अभी तक उनको वृद्धजन पेंशन योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। सजुआ असरगंज निवासी देवनंदन सिंह ने जमाबंदी सुधार की मांग की। धरहरा पंचायत समिति सदस्य सुमंत बिन्द एवं आशीष कश्यप ने पूर्व के लंबित प्रकरण कि जांच करते हुए पुनः निर्वाचन कराने का अनुरोध किया। बड़ी दरियापुर जमालपुर निवासी शिव कुमार सिंह ने जमाबंदी सुधार कराने कि मांग की। इसके अलावे भी कई आवेदकों ने अपनी समस्याओं को रखा।

जिलाधिकारी ने प्राप्त सभी आवेदनों की गहनता से समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को मामलों की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

यूबीएल ने नदिया में सुरक्षित पेयजल परियोजना पूरी की

नदिया। यूनाइटेड ब्रुअरीज लिमिटेड ने वॉटरएड इंडिया के साथ साझेदारी में पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में अपनी सुरक्षित पेयजल परियोजना पूरी कर ली है, जिससे कल्याणी ब्लॉक के छह गांवों के 6,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित पेयजल तक बेहतर पहुंच प्राप्त हुई है।

इस परियोजना के तहत आठ सौर-संचालित सामुदायिक पेयजल प्रणालियां शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक की भंडारण क्षमता 5,000 लीटर है और ये आर्सेनिक व आयरन हटाने की तकनीक से लैस हैं।

इस बुनियादी ढांचे को औपचारिक रूप से संबंधित ग्राम पंचायतों को सौंप दिया गया, जिससे इसके प्रबंधन और रखरखाव की जिम्मेदारी स्थानीय संस्थाओं को हस्तांतरित हो गई।

परियोजना वाले गांवों में भूजल में आर्सेनिक संदूषण के कारण सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता प्रभावित हुई थी, जिसके चलते कई परिवारों को अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी या अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता था।

इस पहल के तहत प्रणाली संचालन, रखरखाव और जल गुणवत्ता निगरानी के लिए 42 महिलाओं को भी प्रशिक्षित किया गया।

यूबीएल की कॉर्पोरेट अफेयर्स निदेशक गरिमा सिंह ने कहा कि परियोजना का उद्देश्य विश्वसनीय बुनियादी ढांचा तैयार करने के साथ-साथ समुदायों को इसका स्वामित्व लेने में सक्षम बनाना है।

करसौत पैक्स चुनाव की तैयारियां पूरी आज तीन केंद्रों पर होगा मतदान

प्रातः किरण संवाददाता

सीवान/दारौंदा। करसौत पैक्स अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है। मंगलवार को होने वाले मतदान को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। सोमवार को बीडीओ सिम्पी कुमारी की देखरेख में मतदान कर्मियों के बीच चुनाव सामग्री का वितरण किया गया। साथ ही कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि निर्धारित समय पर मतदान प्रक्रिया शुरू हो सके।

पैक्स अध्यक्ष पद के लिए इस बार अल्का देवी और राजीव रंजन सिंह के बीच सीधा मुकाबला है। वहीं कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए 14 प्रत्याशी मैदान में हैं। चुनाव को लेकर करसौत पंचायत क्षेत्र में पिछले कई दिनों से सरगर्मी तेज है। प्रत्याशी और उनके समर्थक मतदाताओं से संपर्क कर अपने पक्ष में मतदान की अपील कर रहे हैं।

तीन मतदान केंद्रों पर 1414 मतदाता करेंगे मतदान

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार को राजकीय मध्य विद्यालय करसौत में बनाए गए तीन मतदान केंद्रों पर वोट डाले जाएंगे। यहां कुल 1414 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। प्रशासन की ओर से मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी पूरी कर ली गई है।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

बीडीओ सिम्पी कुमारी ने बताया कि चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सभी मतदान केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। मतदान कर्मियों को निष्पक्षता के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाने तथा निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

मतदान के बाद आज ही होगी मतगणना

मतदान समाप्त होने के बाद मंगलवार को ही मतगणना कराई जाएगी और परिणाम घोषित किए जाएंगे। इसी के साथ अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्य पद के प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला हो जाएगा। परिणाम को लेकर प्रत्याशियों और उनके समर्थकों में उत्सुकता बनी हुई है।

दपनी बाजार में फायरिंग का आरोप, दो नामजदों पर प्राथमिकी दर्ज

सीवान/दारौंदा थाना क्षेत्र के दपनी बाजार में 30 अगस्त की दोपहर कथित फायरिंग की घटना से अफरातफरी मच गई। मामले में भर के मठिया गांव निवासी अमर यादव ने दारौंदा थाने में आवेदन देकर दो लोगों पर गोली चलाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आवेदन के आधार पर सुजीत मिश्रा उर्फ गेलहन बाबा एवं जाहिद अंसारी को नामजद करते हुए प्राथमिकी दर्ज की है।

प्राथमिकी के अनुसार, अमर यादव अपने साथी दपनी निवासी विनय महतो के साथ बाजार से घर लौट रहे थे। दोनों घरेलू सामान खरीदने के लिए दपनी बाजार स्थित एक किराना दुकान पर रुके थे। इसी दौरान बाइक से पहुंचे दो युवकों से किसी बात को लेकर विवाद हो गया।अमर यादव का आरोप है कि विवाद के दौरान एक युवक ने हथियार निकालकर उनकी ओर फायरिंग कर दी। शोर मचाने और भागने के दौरान दूसरे युवक ने भी कथित रूप से गोली चलाई। दोनों किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहे।

जिला स्कूल मुंगेर में दंत चिकित्सा एवं मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर ।राधा डेंटल केयर की ओर से जिला स्कूल, मुंगेर में दंत चिकित्सा एवं मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. उदय शंकर ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उपस्थित नॉन-टीचिंग स्टाफ को दांत एवं मुंह से संबंधित विभिन्न बीमारियों से बचाव, रोकथाम एवं उपचार के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। डॉ. उदय शंकर ने कहा कि ज्यादातर छोटी-छोटी स्वास्थ्य समस्याएं जागरूकता की कमी के कारण गंभीर रूप ले सकती हैं और कभी-कभी जानलेवा भी हो जाती हैं। इसलिए समय रहते सही जानकारी और उचित चिकित्सा सलाह बेहद जरूरी है। डेंटल अवेयरनेस लेक्चर के दौरान प्रमुख जानकारियांः सही तरीके से ब्रश करने की विधि ।दिन में दो बार ब्रश करने की सलाह, विशेष रूप से रात में भोजन के बाद सोने से पहले ब्रश करना अत्यंत महत्वपूर्ण दूध के दांतों का महत्व एवं उनकी देखभाल संतुलित एवं पौष्टिक आहार का महत्व पायरिया एवं मसूड़ों से संबंधित बीमारियों से बचाव। मुंह के कैंसर के शुरूआती लक्षण, बचाव एवं उपचार बिना चिकित्सक की सलाह के दवाइयों का सेवन नहीं करने की सलाह पान, सिगरेट, बीड़ी, तंबाकू एवं अन्य तंबाकू उत्पादों से पूर्ण परहेज हरी पत्तेदार सब्जियां, दूध, मौसमी फल एवं मिक्स दाल आदि के नियमित सेवन की सलाह लगभग 60झ70 दिनों में टूथब्रश बदलने एवं अल्ट्रा-सॉफ्ट ब्रश के इस्तेमाल की सलाह खुरदुरा मंजन, दातुन, मिट्टी, राख एवं हार्ड ब्रश से अधिक दबाव डालकर दांत साफ नहीं करने की सलाह पोषण एवं मौखिक स्वास्थ्य के संबंध में विटामिन उ को मसूड़ों के लिए लाभकारी तथा कैल्शियम, विटामिन ऊएवं विटामिन इ को दांतों एवं हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण बताया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने डॉ. उदय शंकर से दंत एवं स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका उन्होंने सरल भाषा में जवाब देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. निशा कुमारी सहित शिक्षक विभाष चंद्र मिश्रा, नवीन कुमार, मिथिलेश कुमार चौधरी एवं मोहम्मद रसूल रजा सहित अन्य शिक्षक एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

डॉ. अजय कुमार सिंह बने बिहार राज्य नागरिक परिषद के उपाध्यक्ष

प्रातः किरण संवाददाता

सीवान। सीवान जिले के जदयू के वरिष्ठ नेता डॉ. अजय कुमार सिंह को बिहार राज्य नागरिक परिषद का उपाध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर पार्टी कार्यकताओं एवं समर्थकों में हर्ष का माहौल है। उनके मनोनयन पर जदयू नेताओं एवं कार्यकताओं ने हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।बधाई देने वालों में जदयू प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, संजीव सिंह, राजीव रंजन गिरी उर्फ राजू गिरी, बुलु सिंह, मनीष सिंह, बंटी सिंह एवं विनोद यादव सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल हैं। नेताओं ने कहा कि डॉ. अजय कुमार सिंह के अनुभव और सक्रियता से बिहार राज्य नागरिक परिषद के कार्यों को नई दिशा मिलेगी।

बालू उठाव के कारण बिगड़ गई बदुआ जलाशय की सूरत

■ इस जलाशय से क्षेत्र के 18,718 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि का होता है पटवन

प्रातः किरण संवाददाता

तारापुर मुंगेर। पूर्व बिहार का सबसे बड़ा विभिन्न किस्म के धान का क्षेत्र माने जाने वाले तारापुर के अंतर्गत पड़ने वाले पानी का सबसे बड़ा भंडार बदुआ जलाशय के पुनर्स्थापना के बाद भी अनुमंडल क्षेत्र के किसानों को भरपूर मात्रा में सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। गौरतलब है कि विगत 6 वर्ष पूर्व बदुआ जलाशय पुनर्स्थापना का काम करोड़ों रुपए से अधिक की राशि से कराया गया था। जिसमें पूर्वी एवं पश्चिमी नहर के गाद एवं जमे सिल्ट की साफ-सफाई से लेकर छोटे-छोटे टूटे पुलिया का निर्माण एवं मिट्टी नुमा बांध की मरम्मती इत्यादि तरह का कार्य संवेदक ने कराया था। उसके बाद भी इस जलाशय से उत्तर की ओर अंतिम छोर पर बसे गांवों में रामपुर विषय,मकवा,जोरारी,बिशनपुर,भत ।-डी.मदारपुर, माछीडीह, मगरप्पा, दुलहर, मासूमगंज, रहमतपुर, एवं सजुआ इत्यादि के क्षेत्रों में आज भी किसानों को रब्बी, एवं धान फसल के समय सिंचाई के लिए लोगों को भगवान भरोसे ही रहना पड़ता है। बदुआ जलाशय डैम का निर्माण वर्ष 1960 में कराया गया है । सिंचाई प्रमंडल तारापुर कार्यालय सूत्रों के अनुसार इस जलाशय से क्षेत्र के 18,718 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि का पटवन होता है ।कहते हैं किसान - जितेंद्र कुशवाहा, कर्मवीर भारती, पूर्व मुखिया विजय यादव ,संतोष कुशवाहा, रवि रंजन कुमार, इत्यादि ने बताया कि बदुआ पुनर्स्थापना के कराए जा रहे काम के समय कई जगहों पर आधा अधूरा काम रह जाने के कारण किसानों को भरपूर मात्रा में सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पाता है।

दूसरा सबसे बड़ा प्रमुख कारण यह बताया गया कि पिछले कई वर्षों से पुलिस की सांठगांठ से बदुआ जलाशय से अनवरत किए गए बालू खनन के कारण जलाशय से धीरे-धीरे पानी का लेयर भी काफी नीचे चला गया।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल : डीएम

मुंगेर ।मुंगेर जिले के बरियारपुर प्रखंड अंतर्गत बरियारपुर उत्तरी पंचायत में सोमवार को कंपेयर्ड की सहायता से संचालित जीविका सुधा बिक्री केंद्र का उद्घाटन जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पानीकर के द्वारा किया गया। इस अवसर पर जीविका से जुड़ी दीदियों एवं स्थानीय ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला। उद्घाटन के दौरान जिलाधिकारी ने बिक्री केंद्र का निरीक्षण किया और यहां उपलब्ध उत्पादों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के बिक्री केंद्रों की स्थापना से स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित होने के साथ-साथ महिलाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यह बिक्री केंद्र जीविका से जुड़ी दीदी अनिता सिंह द्वारा संचालित किया जाएगा। अनिता सिंह के लिए यह केंद्र केवल आय का साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जीविका के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़कर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में जीविका सुधा बिक्री केंद्र का संचालन महिला सशक्तिकरण की एक प्रेरणादायक मिसाल प्रस्तुत करता है। जिलाधिकारी ने कहा कि केंद्र के माध्यम से उपभोक्ताओं को दूध एवं विभिन्न दुग्ध उत्पाद आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्र में संगठित रूप से व्यवसाय करने की महिलाओं की क्षमता को भी बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि पंचायत स्तर पर बिक्री केंद्र खुलने से उन्हें गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पाद आसानी से उपलब्ध होंगे। वहीं, अनिता सिंह ने केंद्र के सफल संचालन एवं बेहतर सेवा उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताई। जीविका सुधा बिक्री केंद्र का यह शुभारंभ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

आयुक्त के सचिव ने आवेदकों के आवेदन पर की सुनवाई, त्वरित निष्पादन का निर्देश

मुंगेर। आयुक्त के सचिव सुधीर कुमार के द्वारा सोमवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। इसमें आए हुए आवेदकों के आवेदन पर उन्होंने सुनवाई की। जिसमें प्रमंडल मुंगेर अंतर्गत 01 आवेदन मुंगेर जिला से एवं 01आवेदन बेगुसराय जिला से प्राप्त हुआ है । आवेदन में भूमि विवाद एवं अन्य जनहित से जुड़े मुद्दे शामिल थे। जिस पर आयुक्त के सचिव के द्वारा गंभीरता एवं विस्तार से सुनवाई की गयी। इस के बाद उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को आवेदन पत्र पर त्वरित कारवाई करते हुए, विभागीय नियमो का अनुपालन सहित, निष्पादन करने एवं प्रतिवेदन देने को कहा।

तारापुर के निवर्तमान एसडीओ का विदाई और नवपदस्थापित एसडीओ का हुआ स्वागत समारोह

प्रातः किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर)। पिछले लंबे समय से तारापुर में अपनी बेहतर सेवा दे रहे निवर्तमान एसडीओ राकेश रंजन कुमार के तबादला होने के बाद सोमवार के दोपहर बाद अनुमंडल सभागार तारापुर में इनका विदाई एवं नवपदस्थापित एसडीओ महेश कुमार का स्वागत समारोह समारोह का आयोजन किया गया । समारोह में कर्मचारी शांति समिति के सदस्य पत्रकार सामाजिक कार्यकर्ता इत्यादि लोग शामिल रहे । शांति समिति के कई वरिष्ठ साथियों ने एसडीओ रहे श्री कुमार के कार्यकाल पर विस्तारपूर्वक चर्चा किया । गौरतलब है कि असरगंज तारापुर एवं संग्रामपुर जो तारापुर अनुमंडल के अधीन हैं जहां निवर्तमान एसडीओ श्री कुमार समय-समय पर हमेशा पहुंचकर छोटी-छोटी समस्याओं को निपटाने एवं खासकर विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला , दुर्गा पूजा, काली पूजा, रामनवमी में शोभा यात्रा, से लेकर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तारापुर यात्रा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आगमन पर विधि व्यवस्था जैसे बड़े-बड़े कार्यों में उनकी भूमिका सदैव आम लोगों के बीच सराहनीय रहा है । समय-समय पर अनुमंडल एवं थाने में शांति समिति की बैठक में हर जनप्रतिनिधियों की राय समझने से लेकर उस पर पूरी तरह अच्छी व्यवस्था बनाए रखने में एक सफल निवर्तमान अनुमंडल पदाधिकारी की भूमिका इनकी रही है । अनुमंडल स्थापना के काफी दिनों बाद क्षेत्र में हर समाज के लोग इन्हें सरल, सहज, हमेशा उपलब्ध ,रहने वाले पदाधिकारी के रूप में जानते और समझते थें । विदाई समारोह के मौके पर निवर्तमान अनुमंडल पदाधिकारी श्री कुमार ने अपने 3 साल से अधिक कार्यकाल का विस्तार पूर्वक चर्चा किया ।

पचरुखी में चोरों का आतंक, एक ही रात दो घरों से बाइक चोरी

■ सीसीटीवी में कैद हुई संदिग्धों की करतूत, ग्रामीणों में दहशत

प्रातः किरण संवाददाता

धरहरा(मुंगेर)। थाना क्षेत्र के पचरुखी गांव में बीती रात चोरों ने पुलिस की गश्ती व्यवस्था को खुली चुनौती देते हुए एक ही रात में दो मोटरसाइकिलों पर हाथ साफ कर दिया। दोनों बाइक घर के बाहर आंगन में खड़ी थीं। सुबह बाइक गायब देख परिजनों के होश उड़ गए। घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों ने संगठित चोर गिरोह के सक्रिय होने की आशंका जताई है। पीड़ितों ने धरहरा थाने में अलग-अलग आवेदन देकर बाइक बरामदगी और चोरों की गिरफ्तारी की गुहार लगाई है।

पहली घटनाः हीरो स्प्लेंडर लेकर फरार हुआ पचरुखी निवासी अरविंद झा के पुत्र निखिल झा ने बताया कि 30 अगस्त की रात लगभग 9 बजे उन्होंने अपनी हीरो स्प्लेंडर बाइक संख्या इफ08फ4720 घर के बाहर खड़ी की थी। रात में सभी परिजन सो गए। 31 अगस्त की सुबह जब वे बाहर निकले तो बाइक अपने स्थान से गायब थी। काफी खोजबीन के बाद भी कोई सुराग नहीं मिला। निखिल झा ने बताया कि पड़ोस में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात कैद हो गई है।

राजकीय मौनिया बाबा मेले में चप्पे-चप्पे पर रहेगी पुलिस, सादे लिबास में भी निगरानी

प्रातः किरण संवाददाता

सीवान/महाराजगंज। प्रसिद्ध राजकीय मौनिया बाबा मेला को लेकर पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। सोमवार को थाना परिसर में शांति समिति की बैठक एसडीपीओ अमन कुमार की अध्यक्षता में हुई। इसमें झंडा अखाड़ा समितियों के सदस्य, लाइसेंसधारी, वॉलेंटियर और शांति समिति के सदस्य शामिल हुए।

एसडीपीओ ने कहा कि मेला आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द के साथ मनाया जाए। लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा अफवाह फैलाने वालों की सूचना तत्काल पुलिस-प्रशासन को देने की अपील की गई।

मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों के साथ ड्रोन से निगरानी की जाएगी। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहेगा और जरूरत के अनुसार सादे लिबास में भी पुलिसकर्मी निगरानी करेंगे। संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर वहां अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी।

प्रशासन ने मेले में डीजे और ऑर्केस्ट्रा पर पूरी तरह रोक लगाई है। केवल लाइसेंसधारी समितियां निर्धारित रूट और समय के अनुसार जुलूस निकाल सकेंगी। रूट या समय में बदलाव की अनुमति नहीं होगी। जातिवाद या आपसी सौहार्द बिगाड़ने वाले गाने बजाने पर भी प्रतिबंध रहेगा।

बैठक में पार्किंग, अस्थायी शौचालय सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था पर भी चर्चा हुई। एसडीपीओ ने स्पष्ट किया कि कोई भी व्यक्ति धारदार हथियार लेकर मेले में नहीं आएगा। प्रशासन के निदेर्शों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस-प्रशासन ने शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण माहौल में मेला संपन्न कराने को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया।

बरियारपुर रेलवे ओवर ब्रिज के एक हिस्से में आंशिक रूप से क्षति होने की सूचना पर जिला प्रशासन सतर्क

● अभियंताओं के साथ रेलवे ओवरब्रिज का निरीक्षण करने पहुंचे जिला पदाधिकारी

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर। बरियारपुर रेलवे ओवर ब्रिज के एक हिस्से के आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर ने सोमवार को संबंधित पदाधिकारियों एवं अभियंताओं के साथ रेलवे ओवर ब्रिज का स्थलीय निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त हिस्से की स्थिति का जायजा लिया। स्थलीय निरीक्षण के दौरान संबंधित विभाग के अधिकारी, अभियंता एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पुल की वर्तमान स्थिति, क्षतिग्रस्त हिस्से एवं उससे उत्पन्न संभावित समस्याओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिना किसी विलंब के आवश्यक तकनीकी कार्रवाई प्रारंभ की जाए तथा क्षतिग्रस्त हिस्से के शीघ्र मरम्मत/पुनर्निर्माण की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मामले में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई प्रारंभ कर पुल की तकनीकी स्थिति, आवश्यक कार्य, कार्ययोजना एवं प्रगति से जिला प्रशासन को अद्यतन रूप से अवगत कराने को कहा।जिलाधिकारी ने कहा कि महत्वपूर्ण यातायात मार्ग से जुड़े इस रेलवे ओवर ब्रिज की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि तकनीकी विशेषज्ञों की जांच एवं अनुशंसा के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा निर्माण/मरम्मत कार्य में निर्धारित गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन हो। उन्होंने कहा कि पुल के क्षतिग्रस्त हिस्से के स्थायी समाधान के लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। आवश्यकता के अनुरूप यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े उपाय भी तत्काल सुनिश्चित किए जाएं, ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी अथवा जोखिम का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि मामले को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए सभी आवश्यक प्रक्रियाएं शीघ्र पूरी करें और कार्य की प्रगति की नियमित जानकारी जिला प्रशासन को उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता पुल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ सुगम एवं सुरक्षित बनाए रखना है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले डाककर्मियों को पुरस्कार देकर किया गया सम्मान

पुरस्कार से बढ़ता है कर्मचारियों का मनोबल

प्रातः किरण संवाददाता

सुगौली,पू.चः नगर के विशुनपुरवा रोड़ स्थित होटल अमृत में सोमवार को चंपारण प्रमंडल, मोतिहारी के उत्तरी अनुमंडल के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले डाक कर्मचारियों के सम्मान में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डाक महाध्यक्ष,उत्तरी प्रक्षेत्र, मुजफ्फरपुर पवन कुमार सिंह रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस दौरान अतिथियों एवं उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया गया तथा ह्यतमसो मा ज्योतिर्गमयद्ध गीत की प्रस्तुति से समारोह को गरिमामय बनाया गया।

समारोह के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्तरी अनुमंडल के विभिन्न डाकघरों एवं शाखा डाकघरों द्वारा किए गए कार्यों और उपलब्धियों की समीक्षा की गई। प्रोजेक्टर के माध्यम से पीपीटी प्रस्तुति देकर डाक सेवाओं के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्य, लक्ष्यों की प्राप्ति तथा कर्मचारियों के उल्लेखनीय प्रदर्शन को प्रदर्शित किया गया।

इसके बाद अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले डाक कर्मचारियों को मेडल, पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विभिन्न शाखा डाकघरों,डाकघरों एवं विभागीय कार्यों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कर्मियों के सम्मान से समारोह में उत्साह और गौरव का वातावरण देखने को मिला।

इस अवसर पर डाक महाध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने सभी सम्मानित कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि डाक विभाग आम नागरिकों तक महत्वपूर्ण सेवाएं पहुंचाने वाली संस्था है। विभाग की सेवाओं को प्रभावी, सुगम एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने में प्रत्येक डाक कर्मचारी की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों का सम्मान न केवल उनका मनोबल बढ़ाता है, बल्कि अन्य कर्मियों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है।

बीस सूत्री की बैठक में विभागों पर उठे सवाल, कई से मांगा गया स्पष्टीकरण

● अगली बैठक में अद्यतन रिपोर्ट और दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने का निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

रक्सौल। प्रखंड सभागार में सोमवार को बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की समीक्षा बैठक अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, आईसीडीएस, खाद्य एवं आपूर्ति, शिक्षा, पंचायती राज, वृद्धा पेंशन सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान कई विभागों के कार्यों को लेकर सदस्यों ने सवाल उठाए और संबंधित अधिकारियों से जानकारी एवं स्पष्टीकरण मांगा।

सदस्य मो. एहतेशाम ने कहा कि सरकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ पात्र लोगों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने विभिन्न विभागों से मांगी गई सूचनाओं और योजनाओं की अद्यतन सूची अगली बैठक में प्रस्तुत करने की मांग की, ताकि योजनाओं की प्रगति और क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके।

आईसीडीएस कार्यालय की व्यवस्था पर भी उठे सवाल

बैठक में बाल विकास परियोजना कार्यालय का मुद्दा प्रमुखता से उठा। सदस्यों ने सीडीपीओ कार्यालय में अनावश्यक रूप से लोगों के जमावड़े को लेकर सवाल उठाते हुए कार्यालय की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की।

वहीं, कथित रूप से फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्र के आधार पर सेविका के पद पर कार्य करने के मामले को भी समिति के समक्ष उठाया गया। सदस्यों ने संबंधित मामले की जानकारी और वर्तमान स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। इसके अलावा सीडीपीओ के कार्यालय प्रभार से संबंधित तिथिवार जानकारी भी मांगी गई।

बैठक में एमडीएम, खाद्य आपूर्ति सहित अन्य विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन की भी समीक्षा हुई। समिति ने संबंधित विभागों को अगली बैठक में आवश्यक दस्तावेजों और अद्यतन रिपोर्ट के साथ उपस्थित होने का निर्देश दिया।

बैठक में बीस सूत्री समिति के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद पटेल, सदस्य सह विधायक प्रतिनिधि मोती बैठा, सदस्य मो. एहतेशाम, रिंकू पांडेय, सुबोध कुमार सिंह, विनय कुमार, सिमरन पटेल, अशोक कुमार, सीता पांडेय, शिव शंकर प्रसाद, शेख बेचू, सुरेश प्रसाद उर्फ मंटू गुप्ता समेत विभिन्न विभागों के पदाधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

देहरादून-दिल्ली एक्सप्रेसवे पर चलती बस के टायर में लगी आग, यात्रियों में मची चीख पुकार

देहरादून, एजेंसी। आईएसबीटी देहरादून से दिल्ली के लिए निकली उत्तराखंड परिवहन निगम की बस के टायर में आग लगने से सोमवार सुबह यात्रियों की सांसें अटक गईं। शाकुंभरी चौक के आगे देहरादून–दिल्ली एक्सप्रेसवे पर चलती बस के एक टायर से अचानक धुआं उठने लगा। देखते ही देखते टायर में आग लग गई। चालक ने तत्काल बस रोक दी और परिचालक के साथ यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। समय रहते बस रुकने से बड़ा हादसा टल गया। बस संख्या यूके 07 पीए 5202 सोमवार सुबह करीब छह बजे आईएसबीटी देहरादून से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। यात्रियों के अनुसार, बस शुरुआत से ही सामान्य गति से नहीं चल रही थी। करीब एक घंटे बाद, सात बजे के आसपास शाकुंभरी चौक से थोड़ा आगे एक्सप्रेसवे पर पहुंचते ही बस के टायर से धुआं निकलने लगा। यात्रियों को जैसे ही इसकी भनक लगी, बस में अफरा–तफरी मच गई। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए बस को सड़क किनारे रोक दिया। इसके बाद यात्रियों को तत्काल नीचे उतारा गया। जांच करने पर एक टायर में आग लगी मिली। यात्रियों के बस से उतर जाने के कारण किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बस में आग लगने की घटना ने रोडवेज की बसों की फिटनेस जांच पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यात्रियों का कहना है कि बस आईएसबीटी से निकलने के बाद से ही धीमी गति से चल रही थी। ऐसे में सवाल उठता है कि लंबी दूरी की यात्रा पर रवाना करने से पहले बस की तकनीकी जांच कितनी गंभीरता से की गई थी। टायर जैसी महत्वपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था में खराबी का सड़क पर चलते समय सामने आना किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता था। खासकर एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार यातायात के बीच यदि चालक को समय पर धुआं दिखाई नहीं देता या बस समय रहते नहीं रुकती तो स्थिति भयावह हो सकती थी। हादसे के बाद यात्रियों को सड़क पर ही इंतजार करना पड़ा। बाद में देहरादून से दूसरी बस की व्यवस्था की गई और यात्रियों को उसमें बैठाकर दिल्ली रवाना किया गया। यात्रियों ने रोडवेज प्रबंधन से बसों की फिटनेस जांच को लेकर गंभीरता बरतने की मांग की है।

मशाल जुलूस हुआ हिंसक, पुलिस पर पथराव के बाद आंसू गैस के गोले छोड़े

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के काकचिंग जिले में रविवार रात राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को अपडेट

करने की मांग को लेकर निकाला गया मशाल जुलूस हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने पुलिस पर पथराव किया, जिसके जवाब में सुरक्षाबलों ने भीड़ को तितर–बितर करने के लिए कई आंसू गैस के गोले छोड़े। घटना में कुछ प्रदर्शनकारियों को मामूली चोटें आई हैं। वाबागाई, हियांगलाम और आसपास के इलाकों के सैकड़ों ग्रामीणों ने रविवार रात करीब तीन किलोमीटर लंबा मार्च निकाला। प्रदर्शनकारी नारे लगा रहे थे। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि राज्य में जनगणना की प्रक्रिया शुरू करने से पहले को अपडेट किया जाए। साथ ही उन्होंने आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों के पुनर्वास से पहले जनगणना कराने का विरोध किया। अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शनकारी जब काकचिंग जिला मुख्यालय की ओर बढ़ रहे थे, तब पुलिस ने कीराक बांध इलाके के पास उन्हें रोक दिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से वापस लौटने को कहा। इसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई और प्रदर्शनकारियों में से कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कई आंसू गैस के गोले छोड़े। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों को मामूली चोटें आईं।

खुले मैनहोल में गिरने से बुरी तरह घायल हुई 9 साल की बच्ची, सीसीटीवी फुटेज मांगने पर पिता से मारपीट का आरोप

गुरुग्राम, एजेंसी। सेक्टर-95 स्थित आरओएफ आनंदा सोसायटी में खुले मैनहोल में गिरने से नौ साल की बच्ची घायल हो गई। खेलते समय बच्ची की एक टांग करीब दो फीट गहरे मैनहोल में चली गई, जबकि दूसरी टांग ऊपर ही रह गई। हादसे में बच्ची के निजी अंगों में गंभीर चोट लगी।

घटना के बाद बच्ची के उपचार के लिए अस्पतालों के चक्कर काट रहे परिजन जब सीसीटीवी फुटेज लेने सोसायटी पहुंचे तो रखरखाव एजेंसी के कर्मचारियों से विवाद हो गया। बच्ची के पिता ने कर्मचारियों और बाउंसरों पर उनके व भाई के साथ मारपीट करने का आरोप लगाते हुए सेक्टर-93 पुलिस चौकी में शिकायत दी है।

घटना 28 अगस्त की शाम करीब सवा सात बजे की है। सोसायटी के एफ टावर में रहने वाली बच्ची परिसर में खेल रही थी। इसी दौरान उसका ध्यान खुले पड़े मैनहोल की ओर नहीं गया और उसकी एक टांग उसमें चली गई। परिजनों के अनुसार मैनहोल करीब दो फीट गहरा और लगभग दो फीट चौड़ा था। अचानक हुए हादसे में बच्ची के निजी अंगों में चोट लगी। दर्द से कराहती बच्ची ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन उसे उपचार के लिए लेकर

अस्पताल पहुंचे।

बच्ची के पिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि घटना के बाद वह शाम करीब साढ़े सात बजे से देर रात साढ़े तीन बजे तक बच्ची को लेकर गुरुग्राम के कई निजी अस्पतालों में गए। शिकायत के अनुसार, उपचार के लिए अस्पतालों में घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज की आवश्यकता बताई गई। इसके बाद शनिवार सुबह बच्ची के पिता सोसायटी में रखरखाव का काम देख रही इनवायरो एजेंसी के कार्यालय पहुंचे।

उन्होंने जितेंद्र नामक कर्मचारी से घटना के समय की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने का आग्रह किया। पिता का आरोप है कि फुटेज देने से इनकार करते हुए जितेंद्र ने उनके और उनके भाई के साथ हाथापाई शुरू कर दी। आरोप है कि इसके बाद जितेंद्र ने फोन कर एफ टावर से दो लोगों को वहां बुला लिया और उन्होंने भी उनके साथ मारपीट की।

शिकायत के अनुसार, इस दौरान सोसायटी निवासी ऋषि शुक्ला ने बीच-बचाव का प्रयास किया तो उनके साथ भी मारपीट की गई। पीड़ित पक्ष ने पुलिस से मामले की जांच कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार्रवाई करने की मांग की है।

हादसे के बाद मैनहोल पर लगाया ढक्कन

परिजनों ने खुले मैनहोल को हादसे की मुख्य वजह बताते हुए सोसायटी की रखरखाव व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। बताया गया है कि मैनहोल पानी की निकासी से संबंधित है। हादसे के बाद उस पर ढक्कन लगा दिया गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि मैनहोल खुला छोड़ना रखरखाव एजेंसी के संपदा अधिकारी कुलदीप की लापरवाही का नतीजा है।

हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। इस बारे में इनवायरो प्रबंधन की ओर से देबाशीश मुखर्जी ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली जा रही है।

हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ वकीलों का प्रदर्शन

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश (एक्टिंग सीजे) संजीव प्रकाश शर्मा के खिलाफ सोमवार को वकीलों के एक समूह ने विरोध प्रदर्शन किया। वकीलों ने एक्टिंग सीजे के कोर्ट रूम के बाहर जमकर नारेबाजी की और उनकी कोर्ट में सुनवाई का बहिष्कार किया। प्रदर्शन के चलते बड़ी संख्या में वकील उनकी अदालत में मामलों की सुनवाई के लिए पेश नहीं हो सके। प्रदर्शनकारी वकील बाद में हाईकोर्ट परिसर में एकत्र हुए और कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की कार्यशैली को लेकर विरोध जताया। वकीलों के इस प्रदर्शन के बाद हाईकोर्ट परिसर में दिनभर माहौल गरम रहा। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ वकीलों के विरोध की यह पूरी कवायद सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संदीप मेहता की ओर से भारत के मुख्य न्यायाधीश को लिखे गए पत्रों के सामने आने के बाद तेज हुई है।

इंजीनियर युवराज मेहता को कब मिलेगा न्याय, मलाईदार पदों पर मौज काट रहे जिम्मेदार

नोएडा, एजेंसी। नोएडा में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मृत्यु 16 जनवरी को सेक्टर-150 स्थित एससी टू भूखंड के बेसमेंट के लिए खोदे गए गड्ढे में कार गिरने और डूबने से हुई थी। घटना पर व्यापक हंगामा मचने के बाद शासन ने एडीजी मेरठ और मंडलायुक्त के नेतृत्व में एसआईटी भेजकर जांच कराई।

जांच में क्या हुआ, कौन दोषी था, क्या कार्रवाई होनी थी, यह अभी भी रहस्य का विषय बना हुआ है। जानकार बताते हैं कि एसआईटी अपनी रिपोर्ट शाासन को दे चुकी है। शासन के पास रिपोर्ट विचाराधीन है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि एसआईटी ने गोलमोल रिपोर्ट दी, जिसकी वजह से शासन ने प्राधिकरण को विभागीय जांच करने और कार्रवाई का आदेश दिया था। उधर, अधिकारियों ने इस

संबंध में रिपोर्ट शासन को सौंप दी है, जिस पर शासन ने गंभीर आपत्ति जताई है। शासन का कहना है कि रिपोर्ट में खानापूरी की गई है, जिससे युवराज मेहता के पिता की न्याय की उम्मीद भी टूट गई है। सूत्रों के अनुसार, उप सचिव ने इस मामले में 18 अगस्त को प्राधिकरण के सीईओ को पत्र भेजकर सात बिंदुओं पर विस्तृत जवाब और दस्तावेज मांगे हैं। हादसे की जांच के लिए प्राधिकरण ने सिविल, विद्युत यांत्रिक और ट्रैफिक सेल के महाप्रबंधक की समिति गठित की थी। शासन ने सवाल उठाया है कि यदि तीनों विभागों के प्रबंधकों और जूनियर इंजीनियर को प्रथम दृष्टया दुर्घटना के लिए जिम्मेदार माना गया है, तो संबंधित महाप्रबंधकों को दोषी क्यों नहीं ठहराया गया। प्राधिकरण ने केवल संविदा पर तैनात एक जूनियर इंजीनियर के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी दी है। बाकी पर कार्रवाई के बजाए इधर-उधर कर इतिश्रि कर ली गई। जबकि प्रबंधकों पर कार्रवाई किए जाने के बजाए मलाईदार पदों पर तैनाती दे दी गई। शासन ने सभी जूनियर इंजीनियरों व प्रबंधकों के खिलाफ हुई कार्रवाई का पूरा ब्योरा और उसका आधार मांगा है। रिपोर्ट में तकनीकी आडिट सेल (टीएसी) और तकनीकी गुणवत्ता के लिए नामित संस्था के साथ जांच का उल्लेख है, लेकिन प्रारंभिक जांच आख्या और संबंधित दस्तावेज शासन को उपलब्ध नहीं कराए गए। शासन ने यह भी पूछा है कि हादसे से पहले सेक्टर-150 में देखरेख और सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी किसकी थी।

मोहाली में 12वीं के छात्र और उसकी दोस्त पर तेजधार हथियार से हमला, फायरिंग की सूचना से मचा हड़कंप

मोहाली, एजेंसी। मोहाली में रविवार देर रात 12वीं के छात्र और उसकी दोस्त तेजधार हथियारों से हमला हुआ। रात करीब साढ़े 10 बजे हुई वारदात के बाद शुरुआत में दोनों पर फायरिंग किए जाने की सूचना सामने आई, जिससे पुलिस में भी अफरा–तफरी मच गई। हालांकि, प्रारंभिक जांच में पुलिस को अभी तक गोली चलने की पुष्टि नहीं हुई है। वहीं घटनास्थल से खाली खोल मिलने के कारण पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। हमले में युवक के कंधे और युवती के पेट पर चोट के घाव मिले हैं। दोनों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल फेज–6 में भर्ती करवाया गया, जहां डॉक्टरों ने युवती की हालत गंभीर बताई है। घायल युवक की पहचान सलमान और युवती की पहचान सुमन के रूप में हुई है। फेज–1 निवासी रिजवान ने बताया कि घायल सलमान उसका छोटा भाई है और 3बी2 स्थित स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ता है। उसके मुताबिक सलमान और सुमन की दोस्ती थी और सुमन भी मोहाली गांव में रहती है। रिजवान के अनुसार रविवार रात कुछ लोगों ने दोनों को बुलाया था। इसके बाद दोनों पर हमला कर दिया गया। वारदात की सूचना मिलने के बाद परिजन मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। टना से जुड़ी सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है, जिसके आधार पर पुलिस हमले से पहले और बाद की गतिविधियों की जांच कर रही है।

प. एशिया में फिर बढ़ा तनावः अमेरिका ने ईरान के लारक द्वीप पर दागे रॉकेट, मोजतबा ने किया इस्लामी एकता का आह्वान

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने इस्लामी देशों के शासकों से कहा कि वे 'अपने असली दुश्मन को पहचानें, उसकी योजनाओं को समझें और उसका सामना करें'। सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने यह जानकारी दी। छह महीने पहले अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर हमला किया था। इस हमले में खामेनेई के पिता और ईरान के कई दूसरे वरिष्ठ नेता मारे गए थे। इसके बाद भी खामेनेई को सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। उन्होंने यह बात तेहरान में हुए एक सम्मेलन में शामिल धार्मिक नेताओं को लिखे पत्र में कही। युद्ध के बाद इस्लामी देशों के बीच मतभेद सामने आए हैं। ईरान ने पड़ोसी खाड़ी अरब देशों में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। उसने होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही भी सीमित कर दी। तेहरान क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी का विरोध करता रहा है।

इस्राइल की सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने कहा कि उसने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सबसे बड़े बेटे को अमेरिका से तुरंत बाहर निकाला। उन्हें धमकी मिली थी। शिन बेट ने रविवार को जारी एक छोटे बयान में इसकी पुष्टि की। उसने कहा कि यायर नेतन्याहू को 'गंभीर धमकी' मिली थी। एजेंसी ने इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। हालांकि, प्रधानमंत्री ने पिछले हफ्ते एक इस्राइली टेलीविजन चैनल से कहा था कि ईरान

ने उनके एक बेटे को मारने की कोशिश की थी। उनके कार्यालय ने रविवार को इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।

यायर नेतन्याहू 2023 में मियामी चले गए थे। गाजा, लेबनान और ईरान में इस्राइल के युद्ध के दौरान वह ज्यादातर समय देश से बाहर रहे। वह अक्सर अपने पिता के अनौपचारिक सलाहकार के रूप में काम करते रहे हैं। सोशल मीडिया पर आलोचकों पर उनकी टिप्पणियों को लेकर कई बार विवाद भी हुआ है।

ब्रिटिश सेना की ओर से संचालित एक निगरानी एजेंसी ने बताया कि शनिवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में ओमान के खासाब के उत्तर में एक अज्ञात वस्तु ने तेल टैंकर जहाज को निशाना बनाया। ब्रिटेन के समुद्री व्यापार संगठन ने कहा कि जहाज अंदर की ओर जा रहा था। किसी के हताहत होने या पर्यावरण को नुकसान पहुंचने की सूचना नहीं मिली है। संगठन ने कुछ सैन्य अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। इस हमले की तुरंत किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली।

इस्राइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक के मध्य हिस्से में शनिवार को बस्ती बसाने वालों (शेटलर्स) ने पत्रकारों की एक टीम पर हमला किया। उस समय यह टीम एक फलस्तीनी महिला का इंटरव्यू कर रही थी। महिला ने कहा था कि उसे अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था।

मैट ब्रैडली, दो अन्य कर्मचारियों और महिला का चोटों के लिए इलाज किया गया। उनकी चोटों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। एनबीसी ने एक वीडियो भी साझा किया। इसमें नकाब पहने लोग डंडे लेकर समाचार दल की ओर आते और उनके वाहनों पर हमला करते दिख रहे हैं। इस्राइली सेना ने कहा कि उसे फलस्तीनियों के घायल होने की खबरों की जानकारी है। इनमें एक फलस्तीनी महिला भी शामिल है, जिसे ऐसी चोटें आई हैं जो जानलेवा नहीं हैं। सेना ने पत्रकारों की टीम पर हुए हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की।

भागवत का कनाडा दौराः 'जरूरतमंदों की मदद भारत की परंपरा'; संघ प्रमुख महाशक्ति और विश्वगुरु अवधारणा पर भी बोले

टोरंटो, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत विदेश प्रवास पर हैं। अमेरिका यात्रा के बाद कनाडा के टोरंटो पहुंचे भागवत ने 'हिंदू विश्व बंधु-एम्ब्रेस द वर्ल्ड इन फ्रेंडशिप' कार्यक्रम को संबोधित किया। भागवत ने कहा कि जब भी दुनिया में कहीं भारत से मदद मांगी गई, भारत ने कभी इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर मदद के लिए हाथ बढ़ाना भारत की परंपरा और उसके 'डीएनए' का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इसी कारण यह कहा जाता है कि 'अगर हिंदू जागता है तो दुनिया जागती है।'

बकौल मोहन भागवत, भारतीय परंपरा सिखाती है कि जीव-जगत और निर्जीव वस्तुओं को भी अपना माना जाए। भारत में विविधता को एकता के लिए चुनौती नहीं माना जाता, बल्कि विविधता को ही एकता का स्वरूप समझा जाता है। उन्होंने 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा का उल्लेख करते हुए कहा कि खुले विचारों वाले और ज्ञान रखने वाले लोग पूरी धरती को एक परिवार मानते हैं। उन्होंने कहा कि शरीर, आकार और रंग-रूप में अंतर होने के बावजूद मूल रूप से सभी मनुष्य एक हैं। इसलिए दूसरों की सेवा करना

हमारा कर्तव्य है।

तेजी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य की तरफ संकेत करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि भारत को सुपरपावर कहा जा सकता है, लेकिन भारत कभी महाशक्ति बनने के लिए दुनिया में नहीं निकला। उन्होंने कहा कि भारत ने दुनिया की सेवा की और अपने चरित्र के कारण 'विश्वगुरु' बना। उन्होंने भारत के प्राचीन यात्रियों का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे पूर्वज मैक्सिको से साइबेरिया तक गए। उन्होंने हिमालय को पैदल पार किया और छोटी नावों से दक्षिण-पूर्व एशिया तक पहुंचे, लेकिन किसी देश को जीतने के लिए नहीं गए। उन्होंने ज्ञान, खगोल विज्ञान, आयुर्वेद और सभ्यतागत मूल्यों को दुनिया तक पहुंचाया। भागवत ने कहा कि 'हिंदू' शब्द को किसी एक भाषा, पूजा पद्धति या जीवनशैली तक सीमित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि ये सभी मानव जीवन की विविधताएं हैं और हिंदू सभी का सम्मान एवं स्वीकार करते हैं।उन्होंने कहा कि दुनिया में कहीं भी लोगों पर अत्याचार हुआ तो भारत ने उन्हें शरण दी। उनके मुताबिक, भारत में बाहर से आए अनेक लोग आज भी अपनी परंपराओं और विशिष्टताओं के साथ रहते हैं। ऐसे कई लोग भारतीय नागरिक हैं। उन्होंने कहा कि भारत में मुस्लिम, ईसाई और यहूदी समुदाय भी मौजूद हैं और जरूरत पड़ने पर दूसरे देशों के लोग भी यहां शरण लेते रहे हैं। इस कार्यक्रम का आयोजन कनाडियन हिंदूज फॉर आउटरीच, रिलेशंस एंड डायलॉग ने किया। कार्यक्रम में भारतीय मूल के लोगों ने लोकगीत भी प्रस्तुत किए।

ग्रैंड कैन्यन में अचानक आई बाढ़, 15 लोग लापता; 62 को सुरक्षित निकाला, वीडियो में दिखी तबाही

कोलोराडो,ए जेंसी। अमेरिका के ग्रैंड कैन्यन नेशनल पार्क में अचानक आई बाढ़ के बाद करीब 15 लोगों के लापता होने की खबर है। अचानक आई बाढ़ ने ब्राइट एंजेल कैन्यन और फैंटम रैंच इलाके को प्रभावित किया। नेशनल पार्क सर्विस के अनुसार, बाढ़ अपने साथ बड़े पत्थर, धातु के ढांचे और अन्य मलबा बहाकर कोलोराडो नदी में ले गई।

नेशनल पार्क सर्विस ने बताया कि वह प्रभावित इलाके से लोगों को निकालने और वहां मौजूद लोगों का पता लगाने के लिए एरिजोना के अधिकारियों के साथ काम कर रही है। एजेंसी ने लापता लोगों या इलाके में मौजूद पैदल यात्रियों के बारे में किसी भी जानकारी की अपील की है।

शनिवार दोपहर करीब 2:30 बजे ब्राइट एंजेल क्रीक में अचानक बाढ़ शुरू हुई। यह नाला आगे जाकर कोलोराडो नदी में मिलता है। तेज बहाव ने नाले पर बने पैदल पुलों को बहा दिया और इलाके का स्वरूप काफी बदल गया। इलाके के

वीडियो में नाले का तल पहले की तुलना में चौड़ा दिखाई दे रहा है। इसके अलावा वहां नदी के तेज बहाव वाला एक नया हिस्सा भी बनता नजर आ रहा है। यूटा स्टेट यूनिवर्सिटी में सेंटर फॉर कोलोराडो रिवर स्टडीज के निदेशक जैक श्मिट ने कहा, 'यह याद दिलाता है कि ग्रैंड कैन्यन कितना गतिशील और सक्रिय भू-दृश्य है।' एंजेल क्रीक में कैसे आई बाढ़ बाढ़ से बची एरिका वियोला ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि शनिवार दोपहर बारिश शुरू होने के समय वह ब्राइट एंजेल कैंपग्राउंड में थीं। उनके साथ करीब 50 अन्य पैदल यात्रियों ने नाले का जलस्तर बढ़ते देखा। इसके बाद मलबा बहना शुरू हो गया, जिसमें एक इमारत का हिस्सा भी नजर आया। उन्होंने बताया कि समूह को हेलीकॉप्टर से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। इस वजह से उनका अभियान तय समय से दो दिन पहले ही खत्म हो गया। फ्लैगस्टाफ में राष्ट्रीय मौसम सेवा के मौसम विज्ञानी जस्टिन जॉन्ड्रो के अनुसार, चट्टानी इलाके में करीब 30 मिनट के भीतर आधा इंच से एक इंच तक बारिश हुई। इस इलाके में जमीन काफी ऊंचाई से नीचे की ओर जाती है। जॉन्ड्रो ने कहा, 'इसका ज्यादातर पानी तुरंत बह गया।' उन्होंने बताया कि बाढ़ ग्रैंड कैन्यन के उत्तरी हिस्से में आई, जहां ब्राइट एंजेल क्रीक नॉर्थ रिम से नीचे उतरकर कोलोराडो नदी में मिलती है। इस दौरान करीब 6,000 फीट यानी 1,828 मीटर की ऊंचाई का अंतर आता है।

आईआरजीसी ने जॉर्डन में दागीं मिसाइलें

वॉशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसने जॉर्डन में मौजूद दो अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। यह कार्रवाई अमेरिका की ओर से ईरान के लारक द्वीप पर किए गए हमले के बाद की गई बताई जा रही है। ईरानी मीडिया के मुताबिक, हमले में जॉर्डन स्थित किंग हुसैन और अल–अजराक एयर बेस को निशाना बनाया गया। हालांकि, शुरुआती रिपोर्टों में हमले से हुए नुकसान या किसी हताहत की स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई थी। कुछ रिपोर्टों के अनुसार जॉर्डन की वायु रक्षा प्रणाली ने आने वाली मिसाइलों को रोक दिया। ईरान का यह दावा अमेरिकी कार्रवाई के कुछ ही समय बाद सामने आया। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, लारक द्वीप पर ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड की ऐसी मिसाइल लॉन्चर गतिविधियां देखी गई थीं, जिनसे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में समुद्री सुरंगें बिछाने की तैयारी का अंदेशा था। इसके बाद अमेरिकी सेना ने वहां दो लॉन्चरों को निशाना बनाया। लारक द्वीप पर अमेरिकी कार्रवाई के बाद ईरान के जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। ईरानी पक्ष ने अमेरिकी हमले को गंभीर गलती बताते हुए कहा था कि इसके परिणाम भुगतने होंगे। इसके बाद जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने का दावा सामने आया। हालांकि, मिसाइल हमले से संबंधित नुकसान और प्रभाव को लेकर अलग–अलग दावे सामने आए हैं। इस बीच अमेरिका में भी ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान को लेकर चिंता सामने आई है। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सेना के कई शीर्ष अधिकारियों ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को चेतावनी दी है कि ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान को लंबे समय तक जारी रखना टिकाऊ नहीं है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496